THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 94 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.5 2083 रविवार, 5 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'सिया-केतन केस एक चेतावनी है..'

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने कहा है कि पुणे के केतन अग्रवाल का केस बहुत ही ज्यादा चिंताजनक है। उनका कहना है कि केतन और उसके परिवार वालों को निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे पिछले साल संसद में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल भी पेश कर चुके हैं।

राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर अशोक कुमार मित्तल ने 5 दिसंबर, 2025 को राज्यसभा में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल पेश करने वाला अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा है,'पुणे के केतन अग्रवाल का केस बहुत ज्यादा परेशान करने वाला है।

भारत सबसे बड़े ऊर्जा संकट से उबरा : पीएम

2 हजार तक पहुंच सकती थी घरेलू सिलेंडर की कीमत, राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन किया

बालोतरा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- पश्चिमी एशिया में हुए युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। इस दौरान भारत की दृढ़ शक्ति के कारण सबसे बड़ा संकट भी छोटा हो गया। भारत ने अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल किया।

युद्ध के कारण जो हालात पैदा हुए, उसके कारण घरेलू गैस के दाम 2 हजार रुपये तक जा सकते थे। सरकार ने इसको लेकर बेहतर मैनजमेंट किया। इसी का परिणाम है, सिलेंडर 950 रुपये के करीब मिल रहा है।

पीएम आज (शनिवार) राजस्थान के दौरे पर रहे। दोपहर करीब 12 बजे वह बालोतरा के पचपदरा पहुंचे। यहां देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी के कंट्रोल रूम को देखा और एक्सपट्र्स से बात की। इसके बाद रिफाइनरी का उद्घाटन किया। जयपुर मेट्रो के फेज-2 की आधारशिला (वर्चुअल) भी रखी। इससे पहले शनिवार सुबह करीब 10:40 बजे जोधपुर पहुंचे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। नए टर्मिनल को देखा। 'उड़ान-2.0' की शुरूआत भी यहीं से की।

'युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा' :

अप्रैल से जून के बीच पेट्रोल-डीजल से ही कंपनियों को 75 हजार करोड़ रुपये का घाटा हुआ। ये इतना बड़ा था कि एक नई रिफाइनरी बन जाए। ये घाटा सरकारी खजाने से भरा गया। युद्ध के समय भारत की दूसरे देशों से दोस्ती बहुत काम आई। पहले जहां 25-26 देशों से ईंधन खरीदते थे, वह 40 देशों तक पहुंच गया। युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा।

'बिना किसी विवाद, संघर्ष और लड़ाई के नर्मदा का पानी दिया' :

कांग्रेस की सरकारों ने राजस्थान के जल संकट को दूर करने के लिए ठोस काम नहीं किया। भाजपा क्षेत्रवाद और बंटवारे की सियासत नहीं करती। भाजपा राष्ट्र प्रथम की भावना पर चलती है। हमने जब गुजरात में पानी पहुंचाने की योजनाओं पर काम किया था। राजस्थान को पानी देने की बात आई थी।

देश के हर कोने में कई राज्यों में पानी को लेकर लड़ाई चल रही थी। राजस्थान के लोगों को लग रहा था गुजरात नर्मदा का पानी देगा या नहीं। उस समय मैं गुजरात का सीएम था, यहां बहन वसुंधरा सीएम थीं। हम दोनों ने मिलकर बिना किसी विवाद, संघर्ष और लड़ाई के गुजरात से राजस्थान को नर्मदा का पानी साझा किया। राजस्थान के कई गांवों तक नर्मदा का पानी पहुंच रहा है।

'भाजपा जो प्रोजेक्ट शुरू करती है, पूरा करके दम लेती है' :

पीएम मोदी ने कहा- गर्मी के इस मौसम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना यह दिखाता है भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित होने, आत्मनिर्भर होने की दिशा में बहुत बड़ा कदम उठाया है। आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं का शिलान्यास करके नहीं छोड़तीं। हम उनको पूरा करने में दिन-रात एक कर देते हैं।

'नया भारत अपने संकल्पों से पीछे नहीं हटता' :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- दो महीने पहले रिफाइनरी में जो हादसा हुआ, उसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा करना, ये कठिन परिश्रम का परिणाम है। सभी ने दिखा दिया, चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही रफ्तार कम करता है।

मोदी ने गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

5 महीने में तीसरे प्लांट में चिप बनना शुरू

साणंद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया। साणंद में स्थित सीजी सेमी के ओएसएटी प्लांट में आज से प्रोडक्शन शुरू हो गया है।

पीएम ने कहा- इस प्लांट से 20 करोड़ चिप बनेंगी। यहां पर हर साल 500 करोड़ चिप बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मैं 20 साल पहले जब सेमीकंडक्टर की चर्चा करता था तो मीडिया मेरा मजाक बनाती थी। उन्होंने कहा- भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्ट करने वाला देश है। हम मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट के साथ वह चिप भी बनाएंगे जिनसे पूरी दुनिया चलती है। इससे भारत की चिप निर्माण क्षमता बढ़ेगी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए आयातित चिप पर निर्भरता कम होगी। सरकार का मानना है कि इससे भारत की वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला में मजबूत भागीदारी बनेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहला प्लांट 28 फरवरी को, दूसरा 31 मार्च को और तीसरा प्लांट 4 जुलाई को शुरू हो रहा है। इतने कम समय में तीन बड़े प्लांट शुरू होना भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है।

राम मंदिर चंदा चोरी

सोने से मढ़ी रामचरितमानस चोरी होने का भी दावा

पूर्व आईएएस बोले : 5 करोड़ कीमत थी, चंपत राय ने रसीद नहीं दी

अयोध्या, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बीच पूर्व केंद्रीय गृह सचिव लक्ष्मी नारायण ने दावा किया है कि उनकी सोने से मढ़ी रामचरितमानस चोरी हो गई है। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल 2024 को राम मंदिर ट्रस्ट को सवा क्विंटल की रामचरितमानस भेंट की थी, लेकिन आज तक उन्हें इसकी रसीद नहीं मिली। इतना ही नहीं, 3-4 महीने बाद मंदिर से रामचरितमानस गायब हो गई। इस रामायण के 1000 पन्नों पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ाई गई है। इसकी कीमत 5 करोड़ थी।

उन्होंने कहा कि मैं अयोध्या पहुंचा, तो चंपत राय ने 9 घंटे तक इंतजार करवाया। मैंने उनसे हाथ जोड़कर कहा- सर, मेरी पूरी जिंदगी की पूंजी है। रामचरितमानस को मंदिर में रखवा दीजिए। तब उन्होंने कहा- मेरे पास कई लोगों के आभूषण और कई तरह की चीजें आती हैं, तो क्या मैं सिर्फ इन्हीं सब का डिस्प्ले करता रहूं?

पूर्व आईएएस ने कहा- मैंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा और ट्रस्ट मेंबर गोपाल राव से संपर्क किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर मैं दोबारा अयोध्या गया। 4 घंटे इंतजार के बाद चंपत राय मिले। उन्होंने मुझसे कहा- मैं कुछ नहीं कर सकता, आपको जहां जाना है, जाइए।

पूर्व IAS लक्ष्मी नारायण

इधर, मंदिर ट्रस्ट ने अपनी 6 जुलाई को होने वाली बैठक का शनिवार को एजेंडा जारी किया। इसमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और न्यासी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर फैसला होगा। इसके अलावा एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट और मंदिर प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। वहीं, चंपत राय के ट्रस्ट से इस्तीफा देने को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने तंज कसा। कहा- क्या इतने बड़े भगवान के दरबार में चोरी करके इस्तीफा देने से छुट्टी मिल जाएगी? ये क्या नाटक बना रखा है? पीटे जाओगे। अगर सरकार ने इनको जेल में नहीं डाला और सही सजा नहीं दिलवाई, तो जनता इनको पीटेगी।

विहिप की अयोध्या वाली बैठक अब दिल्ली में

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के साइड इफेक्ट्स अब संगठन पर दिखने लगे हैं। विश्व हिंदू परिषद ने मीडिया अटेंशन, चल रही एसआईटी जांच और पुलिस छापेमारी के बीच अपनी होने वाली केंद्रीय प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक की जगह बदल दी है। पहले यह 5 दिवसीय बैठक जून में 25-29 तक अयोध्या में होनी थी। अब बैठक 18-19 जुलाई को दिल्ली में होगी।

विहिप ने न सिर्फ बैठक की जगह बदली है, बल्कि इसमें शामिल होने वाले पदाधिकारियों की संख्या में भी भारी कटौती कर दी है। पहले इस बैठक में करीब 350 लोगों के जुटने की उम्मीद थी, लेकिन अब केवल 150 के लगभग ही लोग शामिल होंगे। हर प्रांत से 4 के बजाय अब केवल 2 पदाधिकारियों को ही दिल्ली बुलाया गया है।

भाजपा सांसद तरुण चुघ ने की 'भविष्यवाणी' : बहुत जल्द खत्म हो सकती है कांग्रेस पार्टी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में आंतरिक मतभेद चल रहा है, जिसकी वजह से वह कमजोर होती जा रही है। बहुत जल्द पार्टी खत्म हो सकती है। सांसद तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब एक सशक्त राष्ट्रीय दल के रूप में नहीं, बल्कि विभिन्न गुटों, क्षेत्रीय समूहों और जातीय आधारों में बंटी हुई संरचना के रूप में दिखाई दे रही है। कांग्रेस में जमीनी कार्यकर्ताओं की भूमिका घट रही है और अलग-अलग गुटों के बीच शक्ति प्रदर्शन की राजनीति बढ़ती जा रही है।

तरुण चुघ ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर अनुसूचित जाति (एससी) नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अपेक्षित व्यवहार नहीं किया जा रहा है, जिससे असंतोष की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस में आंतरिक स्तर पर असहमति और नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

चुघ ने हाल ही में हुई एक कार्रवाई का उल्लेख किया, जिसमें गुजरात आतंकवादरोधी दस्ता द्वारा जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकियों की गिरफ्तारी की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और सुरक्षा एजेंसियां लगातार आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों के दौरान आतंकवाद के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं, जबकि मौजूदा सरकार में कठोर रुख अपनाया गया है। उनके अनुसार, देश की सुरक्षा के खिलाफ काम करने वाले लोग या तो जेल में हैं या मारे जा चुके हैं।

जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस : एथेनॉल के विरोध पर सरकार बोली

इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई, टॉप एजेंसियां भी टेस्ट कर चुकीं

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच शनिवार को सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपट्र्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा था। अब इस

वर्तिका शुक्ला

प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग (ई20) की जा रही है। 20 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग के टारगेट को तय समय से पांच साल पहले यानी दिसंबर 2025 तक ही पूरा कर लिया गया है।

भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध :

भारत में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल के इस मिश्रण यानी ई20-पेट्रोल का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया और इंजन के पाट्र्स जल्दी खराब हो रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में मामूली कमी जरूर आती है, लेकिन इससे गाड़ी का पिकअप और इंजन परफॉर्मेंस बेहतर होता है।

टॉप एजेंसियां इसकी टेस्टिंग कर चुकीं :

एक्सपर्ट शुक्ला ने बताया कि विशेष रूप से साल 2018 में एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (ईबीपी) को एक स्ट्रक्चर्ड यानी व्यवस्थित तरीके से सभी स्टेकहोल्डर्स के सामने चर्चा और विचार-विमर्श के लिए रखा गया था। यह पूरा प्रोग्राम साइंटिफिक एविडेंस पर बेस्ड है। एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स और उन्हें सपोर्ट करने वाली मुख्य एजेंसियों का पूरा सपोर्ट है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) और सियाम जैसी टॉप एजेंसियां इसकी बड़े लेवल पर टेस्टिंग कर चुकी हैं।

वर्तिका शुक्ला के अनुसार, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का यह प्रोग्राम दुनिया भर में अपनाई जाने वाली ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस के बिल्कुल अनुरूप है। इसके जरिए फॉसिल फ्यूल यानी जीवाश्म ईंधन को 'ग्रीन' बनाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम किया जा सके।

भारत और पाक की तुलना अनुचित : दोराइस्वामी

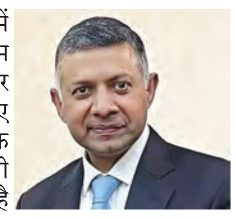

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराइस्वामी ने पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर भारत और पाकिस्तान की तुलना को खारिज करते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने साफ कहा कि देशों को यह खुद तय करना चाहिए कि किसी विवाद में मध्यस्थता करना उनके हित में है या नहीं।

भारतीय राजदूत ने क्या कहा :

पाकिस्तान से तुलना पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों की आर्थिक स्थिति और वैश्विक भूमिका खुद ही अंतर दिखाती है। भारत की वैश्विक भागीदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देश यूरोप और एशिया के साथ मजबूत आर्थिक संबंध रखता है। इस दौरान उन्होंने शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर भारत की सक्रिय भूमिका का भी जिक्र किया।

पश्चिम एशिया में मध्यस्थता पर भारत का रुख :

उन्होंने कहा कि भारत किसी भी संघर्ष में मध्यस्थता करने को लेकर सावधानी बरतता है। राजदूत ने कहा कि अभी का वैश्विक माहौल पहले से ही काफी तनाव पूर्ण है, ऐसे में मध्यस्थता से भारत को कोई खास लाभ नहीं दिखता। उन्होंने यह भी बताया कि भारत पहले कुछ मामलों में अपनी भूमिका निभा चुका है।

अभी बहुत दूर तक जाना है : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस के चरित्र निर्माण मॉडल ने दुनिया भर में लोगों का ध्यान खींचा है। भारत और पांचों महाद्वीपों से आए लोग यह पूछ रहे हैं कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता उन्हें भी वैसी ही मूल्य-आधारित ट्रेनिंग दे सकते हैं, जैसी वे अपने देशों में युवाओं को देना चाहते हैं। मोहन भागवत, आरएसएस प्रचारकों के जीवन और उनके योगदान को दिखाने वाली सीरीज के 100वें यूट्यब वीडियो लॉन्च पर बोल रहे थे। संघ प्रमुख ने इस मौके पर कहा कि आरएसएस का मिशन सिर्फ अच्छे चरित्र वाले लोग तैयार करने से कहीं आगे तक जाता है।

भागवत ने बताया आरएसएस का महत्व :

भागवत ने कहा कि संघ का यह सफर अभी जारी है। अभी बहुत दूर तक जाना है। संघ का काम सिर्फ चरित्र निर्माण की मिसाल पेश करने तक ही सीमित नहीं है। संघ के सिद्धांतों को सिर्फ किताबें पढ़कर या भाषण सुनकर नहीं समझा जा सकता, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर ही

समझा जा सकता है। मोहन भागवत के अनुसार, स्वयंसेवक का मुख्य गुण सिर्फ सक्रियता नहीं, बल्कि एक संगठित, अनुशासित और मूल्यों पर आधारित जीवन जीना है। उन्होंने इस धारणा को भी दूर करने की कोशिश की कि आरएसएस अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों को सीधे तौर पर नियंत्रित करता है।

मोहन भागवत ने कहा कि संघ में ट्रेनिंग पाने वाले स्वयंसेवक समाज की जरूरतों के हिसाब से अलग-अलग क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। आरएसएस का मुख्य ध्यान ऐसे लोगों को तैयार करने पर होता है जिनमें चरित्र, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा की भावना हो। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ऐसा कोई असरदार तरीका नहीं है जिससे इंसानों को उस तरह ढाला जा सके जैसा संघ करना चाहता है।

भारत और विदेशों से लोग संगठन के कामकाज को समझने के लिए नियमित रूप से आते हैं। उन्होंने कहा कि पांचों महाद्वीपों से लोग आए हैं और पूछा है कि क्या संघ के लोग उन्हें ट्रेनिंग दे सकते हैं, ताकि वे अपने देशों के युवाओं को भी वैसी ही ट्रेनिंग दे सकें।

भारत में मानवता को सही राह दिखाने की क्षमता :

संगठन के विकास पर बात करते हुए भागवत ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मौजूदा पीढ़ी उन लोगों को श्रद्धांजलि दे रही है जिन्होंने संघ की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि भले ही संगठन का विस्तार हुआ है और समाज में उसे ज्यादा भरोसा, स्नेह और सम्मान मिला है, लेकिन हालात बदलने के बावजूद उसका मूल स्वरूप और बुनियादी मूल्य नहीं बदलने चाहिए। भारत की वैश्विक भूमिका का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया का अब भी मानना है कि भारत में मानवता को सही राह दिखाने की क्षमता है।

दुनिया के सबसे मुश्किल मिशनों में भारतीय सैनिकों का परचम

यूएन ने किया सम्मानित डीआर कांगो में तैनात भारतीय सेना के 651 शांति सैनिकों का सम्मान

कांगो, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अफ्रीका के पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कांगो) में तैनात भारतीय सेना के 651 शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान साके स्थित स्थायी सैन्य अड्डे पर आयोजित एक विशेष समारोह में दिया गया। यह पदक उन सैनिकों को दिया जाता है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में उल्लेखनीय सेवा दी हो।

समारोह में कई वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद :

इस पदक वितरण समारोह में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन मोनुस्को के वरिष्ठ अधिकारी, फोर्स मुख्यालय के प्रतिनिधि, सैन्य अधिकारी और कई अन्य अतिथि शामिल हुए। समारोह के दौरान भारतीय बटालियन के काम की खुलकर सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने हर चुनौती का पेशेवर ढंग से सामना किया। उन्होंने अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ निभाया।

दुनिया के सबसे कठिन शांति मिशनों में से एक :

पूर्वी डीआर कांगो संयुक्त राष्ट्र के सबसे चुनौतीपूर्ण शांति अभियानों में गिना जाता है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और अस्थिरता से प्रभावित है। यहां कई सशस्त्र समूह सक्रिय हैं। इनकी वजह से आम लोगों की सुरक्षा लगातार खतरे में रहती है। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात में संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना वहां सुरक्षा बनाए रखने का काम करती है. यहां तैनात भारतीय सैनिक भी इसी मिशन का हिस्सा हैं।

20 जुलाई से 13 अगस्त तक, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक मानसून सत्र दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब तीन सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बयान में क्या :

केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत सरकार की अनुशंसा पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानसून सत्र 2026 में संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने की स्वीकृति दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई, 2026 से शुरू होकर 13 अगस्त, 2026 तक चलेगा। रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

किन मुद्दों पर हंगामा कर सकता है विपक्ष :

बीते दिनों मेडिकल की पढ़ाई से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षा- नीट के पेपर लीक, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का चढ़ावा चोरी विवाद जैसे कई मामले लगातार सुर्खियों में है। ऐसे में संसद सत्र के दौरान हंगामा होने की आशंका है। इन मामलों के अलावा तृणमूल के दो फाड़ होने का मुद्दा भी चर्चा में है। नजरें स्पीकर ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं। कांग्रेस अंडमान की ग्रेट निकोबार परियोजना पर भी लगातार हमलावर है। ऐसे में हंगामे और नारेबाजी से सत्र की कार्यवाही बाधित हो सकती है।

बजट सत्र में कितना कामकाज हुआ :

इससे पहले संसद का बजट सत्र विगत 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था। 28 जनवरी, 2026 को शुरू हुए संसद के बजट सत्र में कई अहम विधेयक पारित कराए गए थे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के मुताबिक सत्र के दौरान 31 बैठकें हुईं। लगभग 151 घंटे 42 मिनट तक चली कार्यवाही के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा कराई गई थी।

बघीरा का क्रेजः एक झलक के लिए घंटों तक इंतजार ब्लैक पैंथर बढ़कर चार हुए

भोपाल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कभी सुपर मॉम (बाघिन) की वजह से देशभर में पहचान बनाने वाले सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व का नया आकर्षण यहां के 4 ब्लैक पैंथर बन गए हैं। इनकी एक झलक पाने के लिए पर्यटक घंटों इंतजार कर रहे हैं। इसे लोग प्यार से बघीरा(जंगल बुक का एक प्रसिद्ध किरदार) पुकारते हैं। वन विभाग भी इसे पेंच की नई यूएसपी के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बघीरा पेंच की ब्रांडिंग का अहम हिस्सा बन सकता है। अधिकारी बताते हैं, पेंच में जैसे ही ब्लैक पैंथर की मौजूदगी की सूचना मिलती है, सफारी गाइड और पर्यटकों में उत्साह बढ़ जाता है। वनकर्मियों के अनुसार उसकी मौजूदगी की सूचना जंगल में वीआईपी मूवमेंट से कम नहीं होती। पेंच के डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल कहते हैं, पर्यटकों में ब्लैक पैंथर को लेकर विशेष आकर्षण है।

मोदी सरकार का यूएपीए के तहत बड़ा एक्शन

जैश-लश्कर से जुड़े 23 लोगों को घोषित किया आतंकी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने यूएपीए के तहत 23 लोगों को आतंकवादी घोषित कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आज (4 जुलाई 2026 को) इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया। नोटिफिकेशन में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े कई पाकिस्तान आधारित आतंकियों के नाम शामिल हैं। भारत सरकार के अनुसार, ये सभी व्यक्ति आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण, फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति, घुसपैठ और आतंकी हमलों को अंजाम दिलाने जैसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

देखें गृह मंत्रालय की तरफ से घोषित किए गए आतंकवादियों की लिस्ट। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से जारी 23 आतंकियों की इस लिस्ट में मसूद इलियास कश्मीरी (जेईएम) को 2022 के सुनजवां आर्मी कैंप हमले की साजिश से जोड़ा गया। वहीं,

मोहम्मद मुसद्दिक (जेईएम) पर सुनजवां हमले में घुसपैठ और आतंकी ऑपरेशन के समन्वय का आरोप है।

मुफ्ती मोहम्मद असगर खान भी इस लिस्ट में है, जो 2016 नागरोटा आर्मी कैंप हमले से जुड़े घुसपैठ नेटवर्क का प्रमुख संचालक बताया जाता है। आतंकियों की लिस्ट में हाफिज अब्दुल शकूर भी है, जिसके ऊपर 2016 नागरोटा हमले से पहले स्थानीय नेटवर्क से संपर्क रखने और घुसपैठ कराने का आरोप है।

वहीं, अब्दुल्ला जेहादी (शाह नवाज/अल हिजामा) पर नागरोटा हमले में शामिल आतंकियों की मदद और जेईएम के कई कैंप संचालित करने का आरोप है। साथ ही, फिरदौस अहमद भट (एलईटी) को लश्कर का लॉन्चिंग कमांडर बताते हुए घुसपैठ और लॉजिस्टिक सपोर्ट से जोड़ा गया। इसके अलावा, बिलाल अहमद मीर उर्फ अहमद भाई (एलईटी/टीआरएफ) पर लश्कर और टीआरएफ के लिए सीमा पार आतंकी गतिविधियों का संचालन और हथियारों की सप्लाई कराने का आरोप है। उसे भी आतंकियों की लिस्ट में शामिल किया गया है। गजट नोटिफिकेशन में कुल 23 लोगों के नाम शामिल हैं, जिन्हें तमाम आतंकी गतिविधियों से जुड़ा बताया गया है।

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए, भारत का एक सख्त आतंकवाद-विरोधी कानून है। इसका प्रमुख मकसद भारत की संप्रभुता और अखंडता के विरुद्ध होने वाली गैरकानूनी और आतंकवादी गतिविधियों को रोकना है।

2,000 तीर्थयात्री हज पूरा करके सुरक्षित लौटेः पैनल प्रमुख शेख हसन बाशा

अमरावती, 4 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हज कमेटी ने हज-2026 के सफल समापन की घोषणा की; राज्य के सभी तीर्थयात्री मक्का और मदीना में धार्मिक रस्में पूरी करने के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। कमेटी के चेयरमैन हाजी शेख हसन बाशा ने बताया कि इस साल विजयवाड़ा, बेंगलुरु और हैदराबाद से लगभग 2,000 तीर्थयात्रियों ने यात्रा की। उन्होंने कहा कि यात्रा सुचारू रही और तीर्थयात्रियों को कोई परेशानी नहीं हुई; उन्होंने हज इंस्पेक्टरों और खादिम-उल-हुज्जाज की सेवाओं की सराहना की, जिन्होंने उनकी मदद की। चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करते हुए, मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने तीर्थयात्रियों के लिए आर्थिक सहायता सुनिश्चित की। उनके निर्देश पर, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन।एम।डी। फारूक ने विजयवाड़ा से यात्रा करने वाले 333 तीर्थयात्रियों के खातों में 1-1 लाख रुपये सीधे ट्रांसफर करने की प्रक्रिया की देखरेख की। तीर्थयात्रियों ने सहायता राशि मिलने की पुष्टि की और मुख्यमंत्री तथा राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

राम मंदिर के बाद बद्रीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी के आरोप

बीकेटीसी चेयरमैन ने जांच समिति बनाई, सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया

देहरादून, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी के बाद बद्रीनाथ धाम में भी चढ़ावे के पैसों की चोरी के आरोप लगे हैं। इन आरोपों पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर कमेटी के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने सफाई दी है और जांच के आदेश भी दिए हैं। उन्होंने साफ किया है कि अगर कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में संबंधित कर्मचारियों से जवाब भी मांगा गया है। हेमंत द्विवेदी ने कहा है कि श्री बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान की कथित हेराफेरी के बारे में सोशल मीडिया पर चल रहे आरोपों को बहुत गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित जांच के लिए एक जांच कमेटी बनाने के आदेश जारी किए गए हैं, और संबंधित कर्मचारियों से जवाब मांगा गया है।

अगर जांच पूरी होने पर कोई भी स्टाफ सदस्य दोषी पाया जाता है, तो नियमों के अनुसार सख्त और उचित कार्रवाई की जाएगी। द्विवेदी ने यह भी साफ किया कि जिस कर्मचारी को सोशल मीडिया पर उनका "पर्सनल सेक्रेटरी" कहा जा रहा है, वह उनका पर्सनल सेक्रेटरी नहीं है। वह व्यक्ति श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर कमेटी का एक रेगुलर सरकारी कर्मचारी है और पहले भी बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर कमेटी के तीन पूर्व चेयरमैन के पर्सनल असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुका है। उन्होंने आगे कहा कि अगर जांच के दौरान सोशल मीडिया पर चल रहे आरोप सही पाए जाते हैं, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अयोध्या में राम मंदिर में करोड़ों रुपये का चंदा चोरी होने के आरोप लगे हैं।

पुलिस की जांच में सात करोड़ रुपये से ज्यादा का चंदा चोरी होने की बात सामने आई है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसआईटी की जांच जारी है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। चंदा चोरी पर आरएसएस ने भी नाराजगी जताई है और कहा है कि इसमें दोषी पाए जाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मामले में राज्य और केंद्र सरकार पर आरोप लगाए हैं।

तेजाब पिलाया, फिर गला घोंटाः माता-पिता ने ही क्यों ली बेटे की जान? पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोली बर्बरता की पोल

राजकोट, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में अपने घर पर 26 वर्षीय युवक की आत्महत्याके रूप में शुरू घटना अब हत्या निकली है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम में गला घोंटने से मौत का पता चला है। इसके बाद उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। गोंडल तालुका के गुंडाला गांव के निवासी राम भरवाड की 30 जून को मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि उसके माता-पिता, बाबूभाई बंबवा और मनीषाबेन बंबवा ने कथित तौर पर शराब पीने की आदत को लेकर हुए मृतक से झगड़ा किया। इस दौरान उसे तेजाब पिलाया और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। राजकोट (ग्रामीण) एसपी विजय सिंह गुर्जर ने बताया, पोस्टमॉर्टम के निष्कर्ष माता-पिता द्वारा बताए गए आत्महत्या के बयान से मेल नहीं खाते। पूछताछ के दौरान उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया पोस्टमार्टम के बाद राम की पत्नी ने अपने ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और बीएनएस की धारा 103(1) (हत्या), 124 (तेज से जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना) और 54 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया।'

हलवारा आ रही थी एयर इंडिया की फ्लाइट

पहले तकनीकी खराबी फिर तूफानी मौसम के कारण आई दिक्कत

हलवारा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से शनिवार सुबह 5:55 बजे हलवारा एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई एयर इंडिया फ्लाइट संख्या एआई-481 में एक ही उड़ान के दौरान दो ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने यात्रियों की धड़कनें बढ़ा दीं। पहले उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद विमान में तकनीकी खराबी आने पर उसे वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। इसके बाद यात्रियों को दूसरे विमान में बैठाकर सुबह करीब 9 बजे दोबारा रवाना किया गया। लेकिन हलवारा पहुंचने पर तेज बारिश, आंधी और खराब मौसम के कारण पहली बार लैंडिंग का प्रयास भी सफल नहीं हो सका। आखिरकार पायलट ने विमान को दोबारा नियंत्रित करते हुए दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग कराई, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-481 निर्धारित समय पर सुबह 5:55 बजे दिल्ली से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के लगभग 15 मिनट बाद विमान में तकनीकी खराबी का संकेत मिलने पर पायलट ने एहतियात के तौर पर विमान को वापस दिल्ली एयरपोर्ट ले जाने का निर्णय लिया। सुबह करीब 7 बजे विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर उतार लिया गया। विमान के दिल्ली लौटने के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एयर इंडिया की ओर से तकनीकी जांच के बाद यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें दूसरे विमान में स्थानांतरित किया गया। इसके बाद सुबह लगभग 9 बजे वही फ्लाइट संख्या एआई-481 हलवारा के लिए दोबारा रवाना हुई। हालांकि यात्रियों की परीक्षा यहीं खत्म नहीं हुई।

हलवारा पहुंचने पर एयरपोर्ट के आसपास तेज बारिश, आंधी और खराब मौसम के कारण विमान की पहली लैंडिंग का प्रयास सफल नहीं हो सका। पायलट ने विमान को हवा में नियंत्रित रखते हुए हलवारा के आसमान में दो चक्कर लगाए और मौसम की स्थिति का आकलन किया। कुछ देर बाद दूसरी बार लैंडिंग का प्रयास किया गया, जो सफल रहा और विमान सुरक्षित रूप से हलवारा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतर गया।

कृष्णा ज़िले में दुखद घटना एक ही घर में तीन महिलाओं ने की आत्महत्या

कृष्णा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कृष्णा ज़िले के गुडूरु मंडल के अनंतय्यापेट गाँव में आज (शनिवार) एक दुखद घटना हुई। एक ही घर की तीन महिलाओं - हनुमकोंडा रजनी कुमारी, मधुबाला और गौरी देवी - ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और जानकारी जुटाई। पुलिस ने इस घटना का मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस ने तीनों महिलाओं के शव बरामद किए, पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए उन्हें अस्पताल भेजा।

इस घटना के पीछे पारिवारिक विवाद, आर्थिक तंगी, निजी समस्याएँ या अन्य कारण हो सकते हैं। गुडूरु पुलिस इन पहलुओं पर गहन जाँच कर रही है। पुलिस मृतकों के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों से जानकारी इकट्ठा कर रही है।

एक महीने में बिके 1.26 करोड़ लड्डू

तिरुपति देवस्थानम ने जारी किया डेटा, पिछले साल से 6% ज्यादा बिक्री

तिरुपति, 4 जुलाई (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने जून के महीने में रिकॉर्ड 1.26 करोड़ लड्डू बेचे हैं। इसके साथ ही मंदिर में लड्डुओं की बिक्री के पुराने सभी रिकॉर्ड टूट गए। टीटीडी ने कहा कि उसने जून 2026 में 1.26 करोड़ लड्डू की रिकॉर्ड बिक्री की। पिछले साल के जून से तुलना करें तो इस छह परसेंट से ज्यादा लड्डू बिके हैं। एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने लड्डू का उत्पादन काफी हद तक बढ़ाया और बिना किसी कमी के बिना रुके लड्डुओं का वितरण पक्का किया। प्रेस रिलीज में कहा गया है, जून 2026 में 1.26 करोड़ लड्डुओं की बिक्री एक बड़ी उपलब्धि है।

जून 2025 की तुलना में, 7.5 लाख ज्यादा लड्डू बिके, जिससे लड्डुओं की बिक्री में 6.37 परसेंट की बढ़ोतरी हुई। पिछले तीन महीनों की तुलना में जून में लड्डू की बिक्री में काफी बढ़ोतरी देखी गई। जून 2024 की तुलना में, लड्डू की बिक्री में 24 लाख से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। दो साल पुराने आंकड़ों से तुलना

करें तो लड्डुओं की बिक्री में 23.5 परसेंट की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल 2026 में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने 1.1 करोड़ से ज्यादा लड्डू बेचे। इसके बाद मई 2026 में 1.2 करोड़ से ज्यादा लड्डू बेचे गए। रिलीज में कहा गया है कि तिरुमाला में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के साथ तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम लड्डुओं के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन की अच्छे से प्लानिंग कर रहा है, ताकि भक्तों को बिना किसी परेशानी के पवित्र प्रसाद मिल सके।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने अपने खाद्य प्रबंधन तंत्र में वैज्ञानिक मानकों को शामिल करने के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, मैसुरु (सीएसआईआर-सीएफटीआरआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी खाद्य सामग्री और प्रसाद उच्चतम गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों पर खरे उतरें। मंदिर प्रशासन के अनुसार यह समझौता सुरक्षा, पोषण और गुणवत्ता के सबसे उच्च मानकों का पालन करते हुए टीटीडी के भोजन और प्रसाद की पारंपरिक विशेषता को बनाए रखेगा।

यह साझेदारी सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करने, प्रणालियों को आधुनिक बनाने, प्रसाद की पारंपरिक विशेषता को बनाए रखने, क्षमता निर्माण और विशेषज्ञों को शामिल करने पर केंद्रित है। सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करने के लिए संयुक्त टीम खरीद, तैयारी और वितरण के लिए सख्त गुणवत्ता-नियंत्रण मानक, मानक संचालन प्रक्रिया और निगरानी प्रणालियां विकसित और लागू की जाएंगी।

प्रणालियों के आधुनिकीकरण के तहत, सीएसआईआर-सीएफटीआरआई भंडारण, परीक्षण और खरीद प्रक्रियाओं को उन्नत बनाने संबंधी सलाह देगा। साथ ही, संदूषण के जोखिम को कम करने और गुणवत्ता में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तकनीकों तथा सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की सिफारिश करेगा।

मोहाली हत्याकांडः 6.3 फीट लंबे पति का मर्डर कर सूटकेस में छिपाई थी लाश, 9 साल बाद कोर्ट ने पत्नी को सुनाई उम्रकैद

मोहाली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बहुचर्चित एकम सिंह ढिल्लों हत्याकांड में करीब नौ साल बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पत्नी सीरत कौर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामला 19 मार्च 2017 का है। करीब 6.3 फीट लंबे ऑटो चालक एकम सिंह ढिल्लन (40) की हत्या के बाद उनके शव को करीब दो बाय ढाई फीट के सूटकेस में पैक कर फेज-3बी1 में खड़ी उनकी बीएमडब्ल्यू कार की पिछली सीट पर रख दिया गया था। शव इतनी बेरहमी से मोड़कर सूटकेस में रखा गया था कि पुलिस अधिकारी भी मौके पर हैरान रह गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि एकम सिंह की मौत गोली लगने से हुई थी। जांच में यह भी पाया गया कि हत्या के बाद घर में मौजूद खून के निशान और अन्य साक्ष्यों को मिटाने का प्रयास किया गया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरदीप सिंह की अदालत ने हत्या, साक्ष्य मिटाने और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार दे सीरत को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कठोर कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

'ट्रिपल-इंजन सरकार वोट, सीट और चंदे की चोरी में लगी है'

जयराम रमेश ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

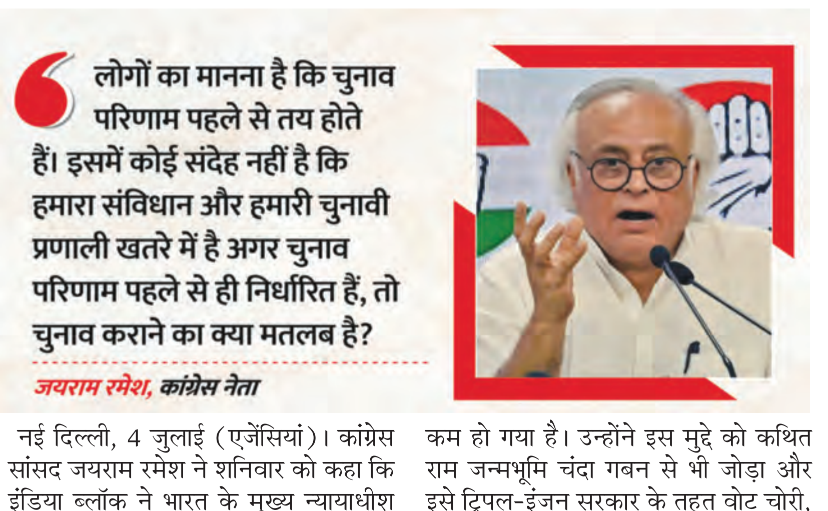

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई है। विपक्षी दलों ने पत्र में चुनाव आयोग के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि आयोग की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण है।

जयराम रमेश ने 'वोटों और सीटों की चोरी' का आरोप लगाते हुए दावा किया कि चुनावी प्रणाली में जनता का विश्वास बुरी तरह से कम हो गया है। उन्होंने इस मुद्दे को कथित राम जन्मभूमि चंदा गबन से भी जोड़ा और इसे ट्रिपल-इंजन सरकार के तहत वोट चोरी, सीट चोरी और चंदा चोरी का मामला बताया। उन्होंने एएनआई को बताया, 'यह 'एसआईआर' प्रक्रिया और भारत निर्वाचन आयोग के पक्षपातपूर्ण कामकाज से संबंधित विशिष्ट चिंताओं को संबोधित करता है। यह आज हो रही वोटों और सीटों की चोरी और इस तथ्य से संबंधित है कि लोगों का हमारी चुनावी प्रणाली पर जो विश्वास कभी था, वह बुरी तरह से कम हो गया है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया 'लोगों का मानना है कि चुनाव परिणाम पहले से तय होते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारा संविधान और हमारी चुनावी प्रणाली खतरे में है। अगर चुनाव परिणाम पहले से ही निर्धारित हैं, तो चुनाव कराने का क्या मतलब है?' उन्होंने आरोप लगाया, 'ऐसा लगता है कि ज्ञानेश कुमार पाखंड की बीमारी से ग्रस्त हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा में उनका आचरण यह दर्शाता है कि चुनाव आयोग गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन करता है।'

जयराम रमेश ने आगे कहा 'वैसे, अयोध्या में चंदे की चोरी भी हो रही है। यह एक 'ट्रिपल इंजन' सरकार है जहां वोट की चोरी, सीटों की चोरी और चंदे की चोरी होती है।' ये टिप्पणियां तब आईं जब आम आदमी पार्टी और डीएमके सहित इंडिया ब्लॉक की पार्टियां भारत के चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से संबंधित अन्य मुद्दों पर चिंता जताने के लिए एक साथ आईं।

इस गुट ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र लिखकर अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

कुएं में जहरीली गैस से बड़ा हादसा, बैल को बचाने की कोशिश पड़ी भारी, 3 ग्रामीणों की हुई मौत

मैहर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले से दिल को दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक पशु को बचाने के चक्कर में तीन लोगों की जान चली गई। इन तीनों व्यक्तियों के परिवार वालों की रो-रोकर हालत खराब हो गई है। दरअसल, मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के खरमसेड़ा गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके के लोगों का दिल झकझोर कर रख दिया है। पुलिस की दी गई जानकारी के अनुसार एक बैल कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए तीन ग्रामीण एक-एक कर कुएं में उतरे, लेकिन कुएं के भीतर मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। कुएं के अंदर जाते ही तीनों का दम घुटने लगा और मौका पर दम तोड़ दिया।

मामले की जांच में पुलिस को पता चला की हादसे के दौरान एक अन्य ग्रामीण भी कुएं में उतरा, जो जहरीली गैस के असर से बेहोश हो गया। उसे तत्काल बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही अमरपाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन हालत बिगड़ते गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सवाल सटीक होगा तो जवाब भी सटीक मिलेगा

विधानसभा में प्रश्नकाल सबसे प्रभावी हथियारःनरेंद्र सिंह

भोपाल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विधानसभा में सरकार से जवाबदेही तय कराने का सबसे प्रभावी माध्यम प्रश्नकाल है। यदि विधायक का प्रश्न और पूरक प्रश्न स्पष्ट, तथ्यपरक और सार्थक होगा तो सरकार को भी सटीक जवाब देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कमजोर या भटकाने वाले प्रश्नों से न केवल समय नष्ट होता है, बल्कि सरकार भी स्पष्ट जवाब देने से बच जाती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नव निर्वाचित विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तोमर ने सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए संसदीय प्रश्न एवं अन्य संसदीय उपकरणों की महत्ता विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सहित विभिन्न राज्यों के पीठासीन अधिकारी और विधानसभा एवं लोकसभा के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। तोमर ने कहा कि विधायक को प्रश्न पूछने से पहले विषय का गंभीर अध्ययन करना चाहिए। कई बार तैयार प्रश्न मिल जाने पर बिना समझे उन्हें प्रस्तुत कर दिया जाता है, जबकि प्रश्न स्वयं तैयार करने या उसे गहराई से समझने पर उसकी वास्तविक भावना और उद्देश्य स्पष्ट होता है। उन्होंने कहा कि प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष को लक्ष्य बनाकर नहीं होना चाहिए, बल्कि जनहित और नीतिगत विषयों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल को किसी भी स्थिति में स्थगित नहीं किया जाना चाहिए।

पूरक प्रश्न पूछते समय लंबा भाषण देने के बजाय सीधे मुद्दे पर सवाल करना चाहिए। यदि सरकार के पास जवाब नहीं होगा तो वह सदन में निरुत्तर होगी और यदि जवाब देगी तो जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के लोगों के सामने प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका निभा सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सत्र शुरू होने से पहले विधायकों को अपने क्षेत्र का दौरा करना चाहिए। इससे स्थानीय समस्याओं की सही जानकारी मिलती है और सदन में उठाए जाने वाले मुद्दे अधिक प्रभावी बनते हैं। उन्होंने ध्यानाकर्षण और काम रोको प्रस्ताव जैसे संसदीय उपकरणों का भी सोच-समझकर उपयोग करने की सलाह दी।

सुविचार: संबंध सुदामा और कृष्ण जैसा होना चाहिए.. एक ने कुछ मांगा नहीं और दूसरे ने सब दे दिया।

शहरी आवास योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दें अधिकारी : मंत्री पोंगुलेटी

सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण की समीक्षा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से संचालित विकास कार्यक्रमों में तेजी लाई जाए तथा सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य किया जाए।

उन्होंने शनिवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर क्योर क्षेत्र के अंतर्गत अफोर्डेबल एलआईजी अर्बन हाउसिंग योजना तथा उप-पंजीयक (सब-रजिस्ट्रार) कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण की समीक्षा की। बैठक में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप गरीबों के अपने घर के सपने को साकार करने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित इंदिरम्मा आवास योजना सफल रही है और देश के लिए आदर्श बनी है।

उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ क्योर क्षेत्र में शुरू की जाने वाली अफोर्डेबल एलआईजी अर्बन हाउसिंग योजना को भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि क्योर क्षेत्र में गरीबों की आजीविका प्रभावित न हो, इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को इकाई मानते हुए लाभार्थियों के वर्तमान निवास क्षेत्रों के निकट ही मकानों का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने राजस्व और आवास विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों का चयन पहले ही किया जा चुका है, वहां शीघ्र कब्जा लेकर आवास निर्माण की कार्ययोजना को तेज गति से तैयार किया जाए ताकि गरीबों को जल्द से जल्द घर उपलब्ध कराए जा सकें। जिन विधानसभा क्षेत्रों में भूमि का चयन अभी शेष है, वहां तत्काल उपयुक्त स्थलों की पहचान कर उन्हें अंतिम रूप दिया जाए। क्योर क्षेत्र के 26 विधानसभा क्षेत्रों में प्रथम चरण के तहत प्रत्येक क्षेत्र में 500 मकानों का निर्माण किया जाएगा और इससे संबंधित निविदाओं को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाएगा। मंत्री पोंगुलेटी ने बताया कि राज्यभर में 10 राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) कार्यालयों, 107 तहसीलदार कार्यालयों, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के दो डीआईजी कार्यालयों, चार जिला उप-पंजीयक कार्यालयों तथा 52 उप-पंजीयक कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी भवन एक समान डिजाइन में निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन भवनों का निर्माण आधुनिक सुविधाओं से युक्त तथा आम जनता के लिए सुविधाजनक तरीके से किया जाएगा। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से सोलर पार्किंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में आवास विभाग के सचिव वी.पी. गौतम, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के महानिरीक्षक राजीव गांधी हनुमंतु तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम के ऑटोनगर क्षेत्र में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इसके कुछ ही देर बाद पीछे से आ रही एक वैन पलटी हुई कार से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, कार वनस्थलीपुरम से ऑटोनगर की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने कथित रूप से तेज गति के कारण वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के तुरंत बाद पीछे से आ रही एक वैन पलटी हुई कार से जा टकराई। दुर्घटना के समय कार में चार लोग सवार थे, जिनमें से दो घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मांसपेशियां बढ़ाने वाले स्टेरॉयड इंजेक्शन की अवैध बिक्री का भंडाफोड़

छह गिरफ्तार आरोपियों से करीब 6.50 लाख रुपये की सामग्री जब्त

हैदराबाद सिटी पुलिस ने जिम संचालकों को दी कड़ी चेतावनी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की कमिश्नर टास्क फोर्स (सिकंदराबाद जोन) टीम ने मुशीराबाद पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मांसपेशियों की त्वरित वृद्धि के लिए उपयोग किए जाने वाले स्टेरॉयड इंजेक्शन और बॉडी सप्लीमेंट्स की अवैध खरीद-बिक्री करने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कमिश्नर टास्क फोर्स डीसीपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ ने बताया कि पुलिस ने उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित इंजेक्शन, सप्लीमेंट्स, टैबलेट्स और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 6.50 लाख रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बट्टे शिवा (32), मोहम्मद फुरकानुद्दीन फैसल (28), मोहम्मद सैफ उर्फ मोहम्मद एहसान उल हक (20), फरजान खान (20), मोहम्मद यूसुफ (26) तथा सोम्बट्टिनी अभिलाष (24) के रूप में हुई है। इनमें बट्टे शिवा और मोहम्मद फुरकानुद्दीन फैसल मुख्य विक्रेता बताए गए हैं, जबकि अन्य आरोपी उप-विक्रेता के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मामले में उत्तर प्रदेश निवासी मुदिद चौहान तथा पंजाब निवासी राजन प्रीत सिंह फरार हैं। पुलिस के अनुसार बट्टे शिवा, जो पहले आयरन हाउस जिम का संचालक और प्रशिक्षक रह चुका है। वर्तमान में ऑनलाइन जिम ट्रेनर के रूप में कार्य कर रहा है। ऑनलाइन माध्यम से टर्मिन (नियॉन) और मेफेनटर्मिन सल्फेट इंजेक्शन खरीदता था। डीसीपी ने बताया कि इन इंजेक्शनों की युवाओं में मांसपेशियों की तेजी से वृद्धि के लिए काफी मांग है। वह इन्हें ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मेडहाउस फार्मा से मंगवाकर अधिक कीमत पर बेचता था। इसी प्रकार मोहम्मद फुरकानुद्दीन फैसल शिप रैकेट नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से इंजेक्शन और सप्लीमेंट्स खरीदकर अपने सहयोगियों के जरिए बाजार में बेचता था। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स और मुशीराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने उनके कब्जे से इंजेक्शन, सप्लीमेंट , टैबलेट्स तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस संबंध में मुशीराबाद थाने में अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है तथा मामले की आगे जांच जारी है। हैदराबाद सिटी पुलिस ने जिम संचालकों, फिटनेस प्रशिक्षकों और युवाओं से अपील की है कि वे मांसपेशियों की वृद्धि के लिए इंजेक्शन आधारित स्टेरॉयड और अन्य खतरनाक पदार्थों का उपयोग न करें। पुलिस ने चेतावनी दी कि त्वरित फिटनेस परिणामों के लालच में युवा गलत सलाह और भ्रामक जानकारी का शिकार होकर अपने स्वास्थ्य को गंभीर जोखिम में डाल सकते हैं। पुलिस ने बताया कि शहर के सभी जिम संचालकों, प्रशिक्षकों और सदस्यों पर नजर रखी जा रही है तथा नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण भी किए जाएंगे।

आईआईआईटी हैदराबाद के बीटेक छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी) हैदराबाद में शनिवार को बीटेक के एक 20 वर्षीय छात्र ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभिरूप के रूप में हुई है, जो खम्मम जिले का निवासी था और आईआईआईटी हैदराबाद में कंप्यूटर विज्ञान विषय से बीटेक की पढ़ाई कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, छात्र संस्थान परिसर की एक इमारत से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की साजिश की आशंका नहीं जताई गई है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आगे की जांच कर रही है।

कार और बाइक की टक्कर में एक की मौत, दूसरा घायल

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इब्राहिमपटनम क्षेत्र के डोनडू मैलाराम में शनिवार को कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान शिव कुमार (38) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शिव कुमार अपने एक मित्र के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक एक कार से टकरा गई। हादसे में शिव कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके मित्र को भी चोटें आईं। घायल को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही इब्राहिमपटनम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए इब्राहिमपटनम के सरकारी अस्पताल के शवगृह भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

पांच जूनियर कॉलेजों में लगेगा शिक्षुता-सह-रोजगार मेला

चयनित अभ्यर्थियों को मिलेगा 9,600 रुपये मासिक वजीफा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माध्यमिक शिक्षा विभाग क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता निदेशालय (आरडीएसडीई) के सहयोग से राज्य के पांच जूनियर कॉलेजों में 6 से 14 जुलाई तक शिक्षुता-सह-रोजगार मेला-2026 आयोजित करेगा। इस मेले में अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसरों के साथ करियर मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। मेले में भाग लेने वाले उम्मीदवार मौके पर ही साक्षात्कार दे सकेंगे तथा पैरामेडिकल और नॉन-पैरामेडिकल क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण के दौरान 9,600 रुपये प्रतिमाह का वजीफा दिया जाएगा।

विभाग के अनुसार, 6 जुलाई को कुथबुल्लापुर स्थित एसकेपीएम गवर्नमेंट वोकेशनल जूनियर कॉलेज तथा 7 जुलाई को सिकंदराबाद के मारेडपल्ली स्थित कस्तूरबा गांधी जूनियर कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके बाद 13 जुलाई को हनमकोंडा स्थित गवर्नमेंट वोकेशनल जूनियर कॉलेज में मेला लगाया जाएगा। 14 जुलाई को महबूबनगर और नालगोंडा के गवर्नमेंट वोकेशनल जूनियर कॉलेजों में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

इन दोनों स्थानों पर सुबह के सत्र में पैरामेडिकल तथा दोपहर के सत्र में नॉन-पैरामेडिकल स्ट्रीम के अभ्यर्थियों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित होगी। यह मेला वर्ष 2023-2026 बैच के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के छात्रों, नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं तथा मार्च 2026 में इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षा (आईपीई) या जून 2026 में आईपीएएसई उत्तीर्ण करने वाले एवं पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए खुला रहेगा। केवल वही उम्मीदवार पात्र होंगे जिन्होंने पहले किसी शिक्षुता प्रशिक्षण में भाग नहीं लिया हो या उसे पूरा नहीं किया हो। अभ्यर्थियों को अपने बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड की दो-दो प्रतियां साथ लाने की सलाह दी गई है।

कालेश्वरम बैराजों का संचालन एनडीएसए की मंजूरी के बाद ही : उत्तम रेड्डी

मंत्री ने वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों का संचालन केवल राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) से पूर्ण मंजूरी मिलने के बाद ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार सिंचाई परियोजनाओं की सुरक्षा और स्थायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शनिवार को नागार्जुन सागर बांध के पास विजय विहार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री ने वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता राजनीतिक दिखावे के बजाय सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित कालेश्वरम परियोजना के बैराजों की प्रत्येक तकनीकी खामी को दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बिना पूर्ण सुधार कार्यों के किसी भी प्रकार का संचालन गंभीर परिणाम ला सकता है, जिससे लगभग 40 गांवों के साथ-साथ भद्राचलम और उसके प्रसिद्ध मंदिर क्षेत्र पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने बताया कि बैराजों की मरम्मत के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनाई जा रही है, जिसके तहत विस्तृत भू-तकनीकी जांच, नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग, ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार सर्वेक्षण, ड्रोन आधारित अध्ययन तथा 100 से अधिक बोरहोल के माध्यम से संरचनाओं की स्थिति का आकलन किया गया है। मंत्री ने कहा कि फिलहाल बैराजों को बिना लोड स्थिति में रखा गया है और सभी गेट खुले रखे गए हैं, जो एनडीएसए की सिफारिशों के अनुरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, सेंट्रल वॉटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन (सीडब्ल्यूपीआरएस) तथा सीडब्ल्यूसी संयुक्त रूप से पुनर्स्थापन डिजाइन की समीक्षा कर रहे हैं ताकि सभी तकनीकी खामियों को दूर किया जा सके। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी मरम्मत कार्य व्यवस्थित तरीके से पूरे किए जाएंगे और किसी भी स्तर पर सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री ने नागार्जुन सागर बांध के सुरक्षित संचालन और रखरखाव को भी राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

भू-भारती पोर्टल में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए विशेष समिति गठित

बीआरएस ने सरकार पर साधा निशाना, 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भू-भारती पोर्टल को लेकर सामने आई कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बीच तेलंगाना सरकार ने धरानी और भू-भारती दोनों पोर्टलों की जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। समिति को 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को भूमि अभिलेखों की सुरक्षा के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से युक्त नई प्रणाली विकसित करने को कहा गया है। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि मूल्यवान भूमि के रिकॉर्ड रातोंरात अन्य व्यक्तियों के नाम स्थानांतरित किए गए, वास्तविक भूमि को प्रतिबंधित श्रेणी में दर्ज कर दिया गया तथा किसानों और अन्य आवेदकों से पंजीकरण शुल्क लेने के बावजूद कई मामलों में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं।

सरकार ने इससे पहले दावा किया था कि भू-भारती पोर्टल धरानी पोर्टल की कमियों को दूर करेगा और भूमि अभिलेखों में अधिक पारदर्शिता लाएगा। हालांकि हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को बताया कि एनआईसी द्वारा विकसित भू-भारती पोर्टल में भी धरानी पोर्टल जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे इसकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। सरकार को संदेह है कि धरानी पोर्टल के लिए पहले मॉड्यूल विकसित करने वाले कुछ लोग कथित अनियमितताओं से जुड़े हो सकते हैं। इसके बाद मंत्री के निर्देश पर एनआईसी को नई और अधिक सुरक्षित प्रणाली विकसित करने को कहा गया है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक को रोका जा सके।

विशेष समिति में जिला कलेक्टरों के अलावा पंजीकरण एवं स्टाम्प विभाग, तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो तथा एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। समिति को कथित अनियमितताओं की जांच कर जिम्मेदार लोगों की पहचान करने, उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय सुझाने का दायित्व सौंपा गया है। इस बीच भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भू-भारती पोर्टल को लेकर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। पूर्व विधायक गडारी किशोर ने धरानी और भू-भारती पोर्टलों के तहत प्राप्त, निस्तारित और अस्वीकृत आवेदनों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भू-भारती पोर्टल के माध्यम से जमा किए गए लगभग 98 प्रतिशत आवेदन खारिज किए जा रहे हैं, जबकि प्रभावशाली लोगों से जुड़े केवल एक-दो प्रतिशत मामलों में ही कार्रवाई हो रही है। किशोर ने यह भी आरोप लगाया कि पोर्टल का दुरूपयोग रियल एस्टेट लेनदेन को बढ़ावा देने तथा करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि प्रभावशाली लोगों के करीबी व्यक्तियों के नाम कराने के लिए किया जा रहा है।

एच-फास्ट का बड़ा अभियान, 121.87 टन मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त

सौ दिनों में मिलावट के अवैध कारोबार के 185 मामले दर्ज

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हैदराबाद फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीम (एच-फास्ट) ने अपने गठन के पहले 100 दिनों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हैदराबाद सिटी पुलिस के तहत 19 मार्च 2026 को गठित इस विशेष टीम ने 185 मामले दर्ज करते हुए लगभग 121.87 टन खतरनाक और मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की है।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), खाद्य सुरक्षा तथा पशुपालन विभागों के साथ समन्वय में कार्य करते हुए एच-फास्ट लगातार छापेमारी और औचक निरीक्षण कर मिलावट के अवैध कारोबार पर शिकंजा कस रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि खाद्य मिलावट केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य पर गंभीर हमला है। रासायनिक पदार्थों और निम्नस्तरीय संरक्षकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे कैंसर, किडनी रोग और हृदय संबंधी बीमारियों जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। 36 प्रशिक्षित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम द्वारा संचालित एच-फास्ट ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मिलावट के अड्डों की पहचान कर कार्रवाई की। दर्ज 185 मामलों में सर्वाधिक 55 मामले राजेंद्रनगर जोन में, 44 गोलकोंडा जोन में, 35 सिकंदराबाद जोन में, 21 चारमीनार जोन में, 13 शमशाबाद जोन में, 12 जुबली हिल्स जोन में तथा पांच मामले खैरताबाद जोन में दर्ज किए गए।

कार्रवाई के दौरान 27 मामलों में 27,024.7 किलोग्राम मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट, 16 मामलों में 25,845 किलोग्राम रासायनिक रूप से पकाए गए फल, छह मामलों में 60 टन से अधिक चिकन अपशिष्ट और निम्न गुणवत्ता वाला मांस, तीन मामलों में 9,260 किलोग्राम बासी अथवा मिलावटी अचार, चार मामलों में 4,030 किलोग्राम मिलावटी खोया, सात मामलों में 3,897 किलोग्राम नकली चाय पाउडर तथा 12 मामलों में लगभग 15 टन निम्न गुणवत्ता वाला चिकन और मांस जब्त किया गया। इसके अलावा 3,260 किलोग्राम मिलावटी क्रीम, 530 किलोग्राम मिलावटी घी, 2,706 किलोग्राम निम्न गुणवत्ता वाले सूखे मेवे और खजूर, 2,500 किलोग्राम मिलावटी दही, पांच मामलों में 1,514 किलोग्राम सिंथेटिक पनीर तथा दो मामलों में 120 किलोग्राम अस्वच्छ तरीके से तैयार फ्राइड चिकन जब्त किया गया। आइसक्रीम, बिस्कुट, आरओ वाटर प्लांट और जंक फूड से जुड़े अन्य 34 मामले भी दर्ज किए गए। एच-फास्ट ने नियामकीय और कानूनी कार्रवाई के लिए 247 मामलों को जीएचएमसी के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को भेजा है। इनमें पनीर निर्माण इकाइयों के खिलाफ 70 मामले, जन शिकायतों के आधार पर 90 मामले, समोसा निर्माण केंद्रों के खिलाफ 11 मामले, जल पैकेजिंग इकाइयों के खिलाफ नौ मामले, मसाला इकाइयों के खिलाफ सात मामले, बेकरी और फास्ट फूड केंद्रों के खिलाफ छह-छह मामले, ज़ेप्टो से संबंधित पांच मामले, छात्रावासों और मांस दुकानों के खिलाफ चार-चार मामले तथा बर्फ निर्माण इकाइयों और समुद्री खाद्य/चिकन अपशिष्ट इकाइयों के खिलाफ तीन-तीन मामले शामिल हैं। प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ हैदराबाद सिटी पुलिस ने रोकथाम संबंधी उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया है। होटल, रेस्तरां, बेकरी और खाद्य निर्माण इकाइयों के संचालकों के साथ आयोजित विशेष बैठक में स्पष्ट किया गया कि आर्थिक लाभ के लिए जनस्वास्थ्य से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी खाद्य व्यवसायों के लिए वैध एफएसएसएआई लाइसेंस रखना, स्वच्छता मानकों का पालन करना, कर्मचारियों के लिए दस्ताने और मास्क का उपयोग सुनिश्चित करना, 'फर्स्ट इन-फर्स्ट आउट' (एफआईएफओ) प्रणाली अपनाना तथा खाना पकाने के तेल का बार-बार उपयोग न करना अनिवार्य किया गया है।

खाने-पीने के सामान में मिलावट, हत्या के प्रयास के समान गंभीर अपराध : सज्जनार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने एच-फास्ट टीम की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में उल्लेखनीय परिणाम हासिल कर टीम ने अंतर-विभागीय समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने सहयोगी विभागों और आम जनता का भी आभार व्यक्त किया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आयुक्त कार्यालय को प्रतिदिन औसतन 15 शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि खाद्य मिलावट को पुलिस महज नियामकीय उल्लंघन नहीं, बल्कि हत्या के प्रयास के समान गंभीर अपराध मानती है और आवश्यक होने पर मिलावट माफिया के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की खाद्य मिलावट या अस्वच्छ खाद्य निर्माण की जानकारी डायल-100 अथवा एच-फास्ट हेल्पलाइन नंबर 8712661212 पर कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से दें। पुलिस ने आश्वासन दिया कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

बोलेरो में छिपाकर ले जाई जा रही थी 1.24 क्विंटल गांजे की खेप पुलिस ने दो तस्करों को दबोचा

पश्चिम चंपारण, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 क्विंटल 24 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक बोलेरो वाहन जब्त किया, दो तस्करों को गिरफ्तार किया और फरार हुए दो अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार थानाध्यक्ष अमर कुमार के नेतृत्व में टीम मझौलिया-महना मुख्य सड़क पर चेईलाभार गांव के समीप वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध बोलेरो को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में छिपाकर रखा गया 1 क्विंटल 24 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने मौके से वाहन को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रक्सौल के कौड़िहार चौक निवासी दीपक कुमार (27) और बेतिया आईटीआई निवासी अनुज कुमार (18) को गिरफ्तार कर लिया।

क्या फिर से चले गए वनवास?

चढ़ावा चोरी विवाद के बीच अखिलेश यादव ने शेयर किया एआई वाला वीडियो

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव लगातार राम मंदिर विवाद के बीच सरकार पर निशाना साध रहे हैं। सपा चीफ ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर भगवान राम का एक एआई वाला वीडियो शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या फिर से चले गए वनवास?

अब सपा चीफ के वीडियो पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। उनके वीडियो पर पक्ष-विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। सपा चीफ के इस वीडियो पर केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने अखिलेश यादव के राम मंदिर वीडियो पर कहा, ये लोग राम मंदिर की बात ना करें। जिन लोगों ने कारसेवकों पर गोली चलवाई, हमेशा भगवान राम पर सवाल उठाया वो राम मंदिर की बात करे रहे हैं।

इनको 2027 में कोई लाभ मिलने वाला नहीं है। उन्होंने आगे कहा, योगी सरकार ने एसआईटी बनाई, जांच चल रही है, कोई बचेगा नहीं। अखिलेश यादव के राम वाले वीडियो पर एआईएमआईएम की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई

है। एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने अखिलेश पर मुसलमानों के मुद्दे न उठाने और अनदेखी करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव के मुसलमानों की मोबलिंचिंग, मुसलमानों के कारोबार पर हुए हमले, फर्जी एनकाउंटर, बुलडोजर कार्रवाई, मस्जिद मदरसों और खानकाहो पर न बोलने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, पिछले 9 सालों उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की मस्जिद, मदरसों और खानकाहो को टारगेट किया गया, मुसलमानों की मोबलिंचिंग हुई,मुसलमानों के कारोबार पर हमले हुए, फर्जी एनकाउंटर हुए, बुलडोजर का दुरूपयोग हुआ लेकिन एक बार भी आपने मुसलमान पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ मोर्चा नहीं खोला।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अयोध्या के एक मंदिर में दान और चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़ी खबरें उत्तर प्रदेश के गांवों तक पहुंच गई हैं और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को इस मुद्दे पर जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। अयोध्या में एक मंदिर में चढ़ावे की चोरी की खबर हर गांव तक पहुंच गई है। इस बार बीजेपी को न तो चंदा मिलेगा, न दान और न ही वोट।"

सपा प्रमुख ने बीजेपी पर इस मुद्दे को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "वे लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। वे कहानियां गढ़ रहे हैं और वास्तविक मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए दूसरों का नाम घसीट रहे हैं।

यूपी में चुनावी बिगुल फूंकेंगे चिराग पासवान विपक्ष के इस खास नैरेटिव को बनाएंगे निशाना

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है। पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान रविवार 5 जुलाई को लखनऊ में बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन करेंगे। चिराग पासवान लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। यहां तैयारियां अंतिम चरण में हैं। लोजपा (रामविलास) के उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि लोकसभा 2024 में विपक्ष ने "संविधान और आरक्षण खतरे में है" का झूठा नैरेटिव चलाया था। चिराग पासवान हर मंच से कहते रहे कि जब तक रामविलास पासवान का वंशज जिंदा है, तब तक न संविधान को खतरा है और न आरक्षण को। अब चिराग पासवान यूपी आकर इसी संदेश को जनता तक पहुंचाएंगे। सम्मेलन में चिराग पासवान कार्यकर्ताओं को चुनावी मार्गदर्शन देंगे और दलित प्रतिनिधित्व को लेकर पार्टी की रणनीति बताएंगे।

अरुण भारती ने कहा कि चुनावी साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष जनता के बीच रहेंगे। अरुण भारती ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हार दिखते ही कांग्रेस दलित चेहरों को आगे कर देती है। उन्होंने राजेंद्र पाल गौतम को यूपी में आगे करने को कांग्रेस की हार की स्वीकारोक्ति बताया। उन्होंने मीरा कुमार, के। सुरेश जैसे नामों का भी जिक्र किया। एनडीए सहयोगी होने के बावजूद यूपी में नई जमीन तलाश पर अंदरूनी खींचतान से इनकार करते हुए भारती ने कहा कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है।

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारी

आमने-सामने होंगे सम्राट-तेजस्वी, भरत तिवारी एनकाउंटर से राबड़ी आवास तक उठेंगे कई मुद्दे

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र आने वाले दिनों में शुरू हो सकता है। इसके बेहद हंगामेदार रहने के आसार हैं। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित किया जा सकता है। फिलहाल, आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में सरकार सत्र की तारीखों का औपचारिक ऐलान कर सकती है।

जानकारी के मुताबिक, सत्र के पहले दिन सरकार की ओर से अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश किए जाएंगे। प्रश्नकाल, शून्यकाल और कई विभागों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी। सरकार विकास योजनाओं और उपलब्धियों को सामने रखेगी। जबकि विपक्ष जनहित और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना चुका है। इस बार सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिल सकती है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। विपक्ष पहले से ही कई मुद्दों को लेकर सरकार पर हमलावर है।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भरत तिवारी एनकाउंटर का मामला प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष इस एनकाउंटर को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है। इसके अलावा राबड़ी देवी को सरकारी आवास खाली कराने और 10 सर्कुलर रोड बंगला विवाद को भी सदन में जोर-शोर से उठाने की तैयारी है। वहीं, हाल के दिनों में चर्चा में रहे रिशु श्री टेंडर घोटाले को लेकर भी विपक्ष सरकार को कटघरे में खड़ा कर सकता है। इसके अलावा कानून-व्यवस्था, अपराध, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है।

बुलेटप्रूफ गाड़ी, 22 जवान तैनात

सियासी बवाल के बाद लालू-राबड़ी को फिर मिली जेड सुरक्षा

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में सरकार बैकफुट पर आ गई है। सरकार ने अब दोनों नेताओं को जेड कैटेगरी की सुरक्षा बहाल कर दी है, जिसमें बुलेटप्रूफ गाड़ी भी शामिल है। यह फैसला सियासी दबाव के बाद लिया गया है। दरअसल, लालू-राबड़ी की सुरक्षा में कटौती के बाद लालू परिवार ने अपनी सारी सुरक्षा वापस कर दी थी। लगभग पिछले दो हफ्ते से लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव बगैर किसी सुरक्षा के हैं। लालू-राबड़ी ने सबसे पहले अपनी सभी सुरक्षा वापस कर दी थी, जिसके बाद राबड़ी आवास के बाहर राजद कार्यकर्ता ही सुरक्षा देते रहे। दरअसल, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के बाद पांच जून को आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की जेड सुरक्षा वापस ले ली गई थी और उसकी जगह पर उन्हें बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की सुरक्षा दी गई थी।

सरकार के इस फैसले से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। आरजेडी ने आरोप लगाया था कि सुरक्षा में कमी राजनीतिक रूप से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के

उद्देश्य से की गई है। वहीं, लालू और राबड़ी ने इसके विरोध में अपनी बाकी की सरकारी सुरक्षा भी लौटा दी थी, जबकि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी अपनी सरकारी सुरक्षा त्याग दी थी।

आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने सुरक्षा स्तर में कटौती को लालू परिवार का 'अपमान' बताया था। उन्होंने कहा था कि लालू और राबड़ी दोनों बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और लालू एक वरिष्ठ राष्ट्रीय राजनीतिज्ञ हैं। पार्टी का कहना है कि सुरक्षा में कटौती से उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। शक्ति यादव ने राज्य सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। हालांकि अब केंद्र सरकार ने लालू और राबड़ी दोनों को फिर से जेड कैटेगरी की सुरक्षा दे दी है। संशोधित व्यवस्था के तहत, उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स यानी सीआरपीएफ के जवानों द्वारा दी जाने वाली बुलेटप्रूफ गाड़ी और एस्कॉर्ट वाहन सहित केंद्रीय सुरक्षा कवर मिलेगा। जेड कैटेगरी के सुरक्षा घेरे में प्रशिक्षित कमांडो और सशस्त्र पुलिस कर्मियों सहित लगभग 22 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं। ये सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे सुरक्षा देते हैं। सुरक्षाकर्मी एमपी5 सबमशीन गन सहित अत्याधुनिक हथियारों से लैस होते हैं।

सुबह सुबह खूनी खेल, मंदिर जा रहे एक स्टेशनरी दुकानदार सह प्रोपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के व्यस्त डेरा चौक बाजार पर मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों ने एक स्टेशनरी दुकानदार सह प्रोपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। इस वारदात को अपराधियों ने तब अंजाम दिया जब व्यवसायी श्याम सुंदर प्रसाद मंदिर जा रहे थे।

व्यवसायी श्याम सुंदर प्रसाद रोज की तरह मंदिर में पूजा करने जा रहे थे, तभी पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली चलने से मौके पर अफ़रा तफरी मच गई। वहीं घटना के बाद वहां स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल व्यवसायी को एसकेएमसीएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबिन शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

15 माह से फरार दो गांजा तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, डीसीएम से बरामद हुआ था आठ क्विंटल गांजा

सोनभद्र, 4 जुलाई (एजेंसियां)। करीब 15 माह पूर्व आठ क्विंटल गांजा बरामदगी के आरोप में फरार दो गांजा तस्करों के खिलाफ शाहगंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। करमा थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभान राम की तहरीर पर यह कार्रवाई हुई है। दोनों फरार तस्करों संत कबीरनगर के थाना दुधारा सेमरिहवा गांव निवासी सदन चौरसिया उर्फ बबलू और तिलजा गांव निवासी कादिम अली के खिलाफ न्यायालय से कुर्की की कार्रवाई का आदेश जारी होने के बाद पुलिस उनके घर नोटिस भी चस्पा कर चुकी है। साथ ही मुनादी भी कराई जा चुकी है। इसके बाद भी अब तक दोनों आरोपित न्यायालय में हाजिर नहीं हुए हैं। करमा थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभान राम ने शाहगंज थाना में दी तहरीर में कहा है कि वर्ष 2025 में थाना शाहगंज में गांजा तस्करी से जुड़े दर्ज मुकदमा की वह विवेचना कर रहे हैं। उस दौरान तस्कर जगमोहन, डेविड कुमार चौरसिया, सदन चौरसिया उर्फ बबलू, कादिम अली, सिद्धि विनायक व अन्य अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था।

पटना कोचिंग विवाद से सुर्खियों में आए मुसल्लहपुर हाट पहुंचेंगे राहुल गांधी, छात्रों से करेंगे संवाद

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। फैजल खान-रौशन आनंद सर कोचिंग विवाद के बाद चर्चा में आए मुसल्लहपुर हाट में राहुल गांधी 15 जुलाई को पदयात्रा करेंगे। नेता प्रतिपक्ष पटना में छात्रों के साथ संवाद भी करेंगे। बता दें कि राहुल गांधी पहले11 जुलाई को यहां आने वाले थे, लेकिन अब वे 15 जुलाई को पटना आएंगे। वहीं वह कोचिंग विवाद के बाद चर्चा में आए मुसल्लहपुर हाट में पदयात्रा भी करेंगे। राहुल गांधी के कार्यक्रम की तारीख में बदलाव किया गया है। वे अपने 1 दिवसीय दौरे पर पटना आएंगे। इस दौरान राहुल गांधी पटना छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी देश में नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षा घोटालों के खिलाफ 'छात्रों की गूंज' नाम से राष्ट्रव्यापी छात्र सम्मेलनों का नेतृत्व कर रहे हैं।

इसी के तहत वे पटना आएंगे। इस तरह के कार्यक्रम के जरिये राहुल गांधी युवाओं, परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों और शिक्षा से जुड़े संगठनों को एकजुट कर पेपर लीक और भर्ती

में देरी जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। हालांकि इस तरह की पहल को युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। पटना का मुसल्लहपुर हाट कोचिंग संस्थानों का सबसे बड़ा हब माना जाता है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और कई प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान संचालित होते हैं। बिहार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के आगामी बिहार दौरे को सफल बनाने की तैयारियों में जुटे हैं। पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राहुल गांधी का यह पहला बिहार दौरा होने जा रहा है। बिहार की राजधानी पटना के मुसल्लहपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार (2 जून) की रात चर्चित शिक्षक और यूट्यूबर खान सर के कैंपस के पास फायरिंग की घटना सामने आई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई। यह घटना ऐसे स्थान के पास हुई है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले हजारों छात्रों के लिए एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। खान सर का कैंपस पटना के सबसे चर्चित शैक्षणिक संस्थानों में शामिल है और यहां रोज बड़ी संख्या में छात्र पहुंचते हैं। फायरिंग की खबर के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की उठी मांग पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर लगा पोस्टर

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग उठ गई है। इसको लेकर पटना में जेडीयू कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाया गया है। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार बताया गया है। पोस्टर में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सीएम नीतीश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की तस्वीर दिखाई दे रही है। इस पोस्टर के जरिए बतौर सीएम नीतीश कुमार के बीस सालों के कामकाज की तारीफ की गई है। इस पर 'बीस साल बेमिसाल', मिशन विकसित बिहार 2040 लिखा है। वहीं भारत रत्न की मांग को लेकर लिखा, जान सेवा की स्वर्णिम मिसाल, जो रच चुके हैं एकता न्याय और समावेशी विकास का विश्व कीर्तिमान, नीतीश सेवक मांग रहा है- भारत रत्न सम्मान। इसमें निशांत कुमार को लेकर लिखा गया है कि नीतीश कुमार का मिशन अधूरा, निशांत कुमार करेंगे पूरा। यह पोस्टर बिहार प्रदेश छात्र जेडीयू के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण पटेल द्वारा लगाया गया है। इससे पहले भी कई बार नीतीश कुमार को भारत का सर्वोच्च सम्मान देने की मांग की जा चुकी है। वहीं पीएम मोदी के अगुवाई वाली मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मोदी कैबिनेट में कोई बड़ा पद दिए जाने की बात कही जा रही है।

बता दें कि नीतीश कुमार को मंत्रिमंडल में जगह मिलने की चर्चाएं ने तूल पकड़ी हुई है। बता दें कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री के पद पर हैं। बीते दिनों उन्होंने फिल्म अभिनेता पवन सिंह के साथ विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की है। निशांत समेत 10 सदस्यों ने पद की शपथ ली है।

पत्नी ने पेट्रोल डालकर पति को जिंदा जलाया

बीड़ी से जलने का बनाया बहाना, एक गलती से पकड़ी गई चाल

फतेहपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने पति के नशे से तंग आकर पति को पेट्रोल डालकर आग के हवाले दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी ने उसे नशे की हालत में बीड़ी जलाने से लगी आग का हवाला दे दिया। घटना के बाद गांव में अफरा तफरी मच गई और तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। पुलिस ने पूरे मामले की जांच की तो मामला खुलकर सामने आया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश करते हुए जेल भेज दिया।

मालवा थाना क्षेत्र के असवार तारापुर गांव में 27 जून को अवधेश कुमार उर्फ पवन की संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से जलकर मौत हो गई थी। सूचना पर पुलिस अधीक्षक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे के लेकर पोस्टमार्टम कर जांच शुरू किया। मृतक की पत्नी प्रीति उर्फ विनीता ने बताया कि दोपहर में पति शराब के नशे में घर आये और

खटिया में लेट गए और बीड़ी जलाकर पीने लगे। मुझे बैंक से कुछ पैसे निकालने थे, इसलिए मैं पासबुक लेकर बैंक चली गई। वापस आई तो देखा कि घर से धुआं निकल रहा है।

पड़ोसियों को आवाज लगाई तो सभी आकर दरवाजा खोले तो देखा कि खटिया और घर में आग लगी है। हम सब ने आग बुझाई और झुलसे अवधेश को लेकर अस्पताल निकले, लेकिन रास्ते में ही अवधेश ने दम तोड़ दिया। मृतक के भाई राजकुमार ने प्रीति उर्फ विनीता के खिलाफ हत्या की आशंका की तहरीर दी। इसके बाद पुलिस मामले की दोबारा छानबीन करने में जुट गई और मृतक अवधेश की पत्नी विनीता को थाने लेकर पहुंची।

यहां कड़ाई से पूछताछ की गई तो मामला खुलकर सामने आया। प्रीति ने कबूल किया कि उसने अपने पति को आग के हवाले कर घर के बाहर निकल गई थी। बाद में घर के पास आकर चीखकर पड़ोसियों को इकट्ठा किया, ताकि उस पर कोई सक न कर सके।

काशी-विश्वनाथ मंदिर गेट पर कार्बाइन से गोलियां चलीं: जवान पकड़े था, अचानक फायर हुए; गोली सड़क पर लगी, पत्थर उखड़कर लगने से 3 जख्मी

वाराणसी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट पर शनिवार सुबह 6:44 बजे पर पीएसी जवान की कार्बाइन से फायरिंग हो गई। दो गोलियां चलीं। गनीमत रही कि गोलियां सीधे सड़क पर लगीं। इसके बाद सड़क की गिट्टी उखड़कर लगने से 3 लोग घायल हो गए। अचानक भीड़ के बीच गोलियां चलने से वहां भगदड़ जैसा माहौल हो गया। कुछ देर किसी को समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ। गोलियों की आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी अलर्ट हो गए। मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। लोगों को बताया कि गलती से गोलियां चल गई हैं। बाकी, सब ठीक है। घटना का 57 सेकेंड का सीसीटीवी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि पीएसी जवान बाएं हाथ में कार्बाइन पकड़े हुए था। फिर दाहिने हाथ में पकड़ ली।कार्बाइन का मुंह सड़क की तरफ था। तभी अचानक फायरिंग होती है। आवाज सुनकर खुद जवान चौंक जाता है। वो अपने कार्बाइन को देखने लगता है और फिर वहां से निकल जाता है। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने तीनों घायल निक्की गुप्ता, रामबाबू और विकास यादव को अस्पताल पहुंचाया।

राम मंदिर ट्रस्ट की 6 जुलाई को बैठक

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा एजेंडा में शामिल

अयोध्या, 4 जुलाई (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट 6 जुलाई को एक अहम बैठक करेगा। इसमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा, मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने और राम मंदिर के मैनेजमेंट से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की एसआईटी जांच पर भी चर्चा होगी। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की मंजूरी से यह बैठक बुलाई गई है। इसमें कई जरूरी मामलों पर चर्चा होगी जिन पर तुरंत फैसले लेने की जरूरत है। नृत्य गोपाल दास अभी अस्पताल में भर्ती हैं।

नोटिस में कहा गया है, सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि अध्यक्ष की अनुमति से कोषाध्यक्ष ने सोमवार, 6 जुलाई को एक बैठक बुलाई है। यह बैठक जरूरी मामलों पर चर्चा करने और जरूरी फैसले लेने के लिए कम समय के नोटिस पर बुलाई गई है। यह बैठक 6 जुलाई को दोपहर 3 बजे उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम में मणि राम दास छावनी में शुरू होगी। नोटिस में एजेंडा के बारे में भी जानकारी दी गई है। इनमें चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार करना, ट्रस्ट के दान बक्सों में मिले फंड की गिनती के बारे में एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट की जानकारी, भविष्य में मंदिर के मैनेजमेंट से जुड़ी व्यवस्थाओं पर चर्चा, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिना ऑडिट किए गए आय-व्यय विवरण, बैलेंस शीट और अन्य वित्तीय विवरणों के बारे में जानकारी और मंजूरी शामिल है।

इसमें सभी सदस्यों से बैठक में शामिल होने की अपील भी की गई है। नोटिस में कहा गया है, सभी संबंधित सदस्यों से अनुरोध है कि वे तय समय और जगह पर बैठक में शामिल हों और इसे सफल बनाने में योगदान दें।

दिल्ली कोर्ट ने 2020 दंगों की साज़िश के मामले में

उमर खालिद और शरजील इमाम की ज़मानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साज़िश के मामले में एक्टिविस्ट उमर खालिद और शरजील इमाम की ज़मानत याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। एडिशनल सेशंस जज समीर बाजपेयी ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद मामले पर आदेश सुरक्षित रख लिया। उम्मीद है कि अदालत आज ही अपना आदेश सुनाएगी।

खालिद और इमाम ने इस आधार पर ज़मानत मांगी कि बिना ट्रायल शुरू हुए उन्हें लगातार जेल में रखना उनकी व्यक्तिगत आज़ादी के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। रिपोर्ट के अनुसार, खालिद ने तर्क दिया कि हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी को उनकी पिछली ज़मानत याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन बाद में हुई न्यायिक घटनाओं को हालात में बदलाव माना जा सकता है, जिससे उनकी नई याचिका सुनवाई योग्य हो जाती है। उन्होंने एक अन्य मामले में मई के आदेश में सुप्रीम

कोर्ट की टिप्पणियों का ज़िक्र किया, जिसमें कोर्ट ने दोहराया था कि गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामलों में भी ज़मानत नियम है। उनकी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों - जैसे 'यूनियन ऑफ़ इंडिया बनाम के ए नजीब' और 'वर्नन गोंसाल्वेस बनाम महाराष्ट्र राज्य' - का भी हवाला दिया गया। इन फैसलों के आधार पर तर्क दिया गया कि जब उचित समय में ट्रायल पूरा होने की संभावना न हो, तो यूएपीए के तहत ज़मानत पर कानूनी पाबंदियां संवैधानिक सुरक्षा उपायों से ऊपर नहीं हो सकतीं। रिपोर्ट के मुताबिक, खालिद ने आगे कहा कि बिना आरोप तय हुए उन्होंने लगभग छह साल हिरासत में बिताए हैं। उन्होंने तर्क दिया कि बड़ी संख्या में आरोपियों, गवाहों और अभियोजन पक्ष के दस्तावेज़ों को देखते हुए जल्द ही ट्रायल शुरू होने की संभावना कम है।इमाम ने अपनी याचिका में कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ज़मानत देने से इनकार करने के छह महीने बाद भी कार्यवाही में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी तर्क दिया कि बिना ट्रायल के वे लगभग छह साल से हिरासत में हैं और मामले में अभी आरोप तय किए जाने बाकी हैं। ये नई ज़मानत याचिकाएं तब दायर की गईं जब सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी को यूएपीए मामले में खालिद और इमाम दोनों को ज़मानत देने से इनकार कर दिया था, जबकि सह-आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को राहत दी थी।

उस समय, जस्टिस अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की बेंच ने माना था कि यूएपीए के तहत खालिद और इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। बेंच ने यह भी कहा था कि भागीदारी के स्तर के कारण सभी आरोपियों के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीछे एक बड़ी साज़िश में शामिल होने के आरोप में खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

यमुनानगर के कलेसर जंगल में तेंदुए की मौत

यमुनानगर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कलेसर वन एवं वन्य प्राणी विहार के शाहजादवाला गांव के समीप जंगल में बीमार हालत में मिले एक वर्ष के किशोर नर तेंदुए की मौत हो गई। घटना ने वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों की सूचना पर विभाग ने तेंदुए का रेस्क्यू कर उपचार के लिए छछरौली पशु चिकित्सालय ले जाने का प्रयास किया, पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर हो पाएगी, पर प्रथम दृष्टया मौत का कारण मल्टीपल आर्गन फेलियर प्रतीत हो रहा है। वहीं, कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) के लक्षण भी मिले हैं। फिलहाल मौत की सही वजह पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम के बाद विसरा हिसार स्थित लुवास लैब भेजा दिया गया है।

आंध्र प्रदेश के छात्र की बेंगलुरु में हत्या, बदमाशों ने बाइक समेत जिंदा जलाया

बेंगलुरु, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके सरजापुर में एक छात्र की हत्या से सनसनी फैल गई। बताया गया कि बेंगलुरु में नौकरी की तलाश में आए युवक को कुछ अज्ञात लोगों ने बाइक समेत जिंदा जला दिया। युवक की हत्या से उसके माता-पिता और दोस्त सदमे में हैं। छात्र की पहचान 25 वर्षीय वामशी कृष्णा के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के गुंटूर का रहने वाला था। उसने हाल ही में बेंगलुरु के एक कॉलेज से अपना डिप्लोमा पूरा किया था और नौकरी की तलाश में था। वामशी कृष्णा गुंटूर से बैंगलोर तब आया था, जब इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक पुराने दोस्त ने उसे नौकरी दिलाने का वादा किया था। लेकिन, यहां आने के बाद उस दोस्त का मोबाइल फोन बंद मिला।

परेशान होकर, वामशी कृष्णा ने शाम करीब 4:45 बजे सरजापुर में अपने दोस्त को आखिरी बार फोन किया। इसके बाद यह भयानक घटना हुई। यह घटना आनेकल पुलिस सब-डिविजन के सरजापुर पुलिस थाना क्षेत्र में शाम करीब 6:15 बजे हुई। एक वाहन चालक ने सड़क के किनारे कुछ जलते हुए देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

50 बांग्लादेशी नागरिकों को डिपोर्ट करने के लिए ट्रेन से पश्चिम बंगाल भेजा गया

सलेम, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने शनिवार को बताया कि 50 बांग्लादेशी नागरिकों के समूह को डिपोर्ट किया गया और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया के तहत ट्रेन से पश्चिम बंगाल भेजा गया।डिपोर्ट किए जा रहे इन लोगों में 44 पुरुष और छह महिलाएं शामिल थीं। इन्हें पहले सलेम जिले के अत्तूर तालुक ऑफिस कॉम्प्लेक्स में बने स्पेशल डिटेंशन कैंप में रखा गया था।

डिपोर्टेशन के आधिकारिक आदेशों के बाद, 3 जुलाई को कड़ी सुरक्षा के बीच इस समूह को तीन वैन में सड़क मार्ग से तिरुचिरापल्ली ले जाया गया। तिरुचिरापल्ली पहुंचने पर, ये लोग हावड़ा एक्सप्रेस के एक खास कोच में सवार हुए। ट्रेन के सफर के दौरान सलेम आर्म्ड रिजर्व के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) शक्तिवेल की अगुवाई में 40 सदस्यों वाली हथियारबंद पुलिस टीम उनके साथ है।

अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु पुलिस पश्चिम बंगाल में हरिदासपुर लैंड बॉर्डर पर इन नागरिकों को औपचारिक रूप से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) को सौंपेगी। इसके बाद बीएसएफ बांग्लादेशी अधिकारियों को उन्हें सौंपने की अंतिम प्रक्रिया पूरी करेगी। अत्तूर स्पेशल कैंप, जिसे बिना दस्तावेजों वाले प्रवासियों की आवाजाही को अस्थायी रूप से रोकने के लिए बनाया गया था, में अभी भी 130 से ज़्यादा विदेशी नागरिक रह रहे हैं जिनके मामले पेंडिंग हैं या जो ज़मानत पर बाहर हैं।

एकनाथ शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे को शनिवार (4 जुलाई) को ठाणे के जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें कल (शुक्रवार) से हल्का बुखार, , शरीर में दर्द और थकान शिकायत थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार शिवसेना प्रमुख का रूटीन चेकअप किया जा रहा है। उनकी हालत स्थिर है और घबराने की कोई बात नहीं है। दरअसरल शिंदे शुक्रवार से ही अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें रूटीन मेडिकल जांच कराने की सलाह दी थी।

फिलहाल अस्पताल में डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है और कई टेस्ट किए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर बुखार और थकान का कारण जानने के लिए जरूरी जांच कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल या उपमुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से कोई आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही शिंदे के स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की जा सकती है। इधर शिवसेना के वरिष्ठ नेता और सरकारी अधिकारी डॉक्टरों और अस्पताल अधिकारियों के संपर्क में हैं।

आतंक और नशे पर बड़ा वारः अवंतिपोरा में आतंकी मददगार पीएसए में बंद, ड्रग तस्कर को एनडीपीएस एक्ट में जेल

जम्मू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकवाद और नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक आतंकी मददगार को पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) और एक कुख्यात ड्रग तस्कर को पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत बुक किया है। पुलिस के मुताबिक, आतंकी मददगार की पहचान सुहैल फारूक लोन उर्फ साहबा पुत्र फारूक अहमद लोन निवासी लोन मोहल्ला नगींनपोरा रेशीपोरा त्राल के रूप में हुई है।

सक्षम प्राधिकारी से हिरासत के आदेश मिलने के बाद उसे पीएसए के तहत बुक कर जिला जेल भद्रवाह भेजा गया। पुलिस ने बताया कि सुहैल फारूक इलाके में सक्रिय आतंकी संगठनों को रसद, पनाह, वाहन और अन्य मदद पहुंचाता था। बार-बार रोकथाम के बावजूद वह राज्य की सुरक्षा के लिए नुकसानदेह गतिविधियों में लगा रहा, जिसके चलते पीएसए के तहत एहतियातन हिरासत जरूरी हो गई। माना टाइगर कोट भलवाल जेल में बंदवहीं, कुख्यात ड्रग तस्कर की पहचान मंजूर अहमद मीर उर्फ माना टाइगर पुत्र अब्दुल खालिक मीर निवासी कादलबल पंपोर के रूप में हुई है। सक्षम प्राधिकारी से आदेश मिलने के बाद उसे पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत बुक कर सेंट्रल जेल कोट भलवाल, जम्मू भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मंजूर अहमद मीर आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ एनडीपीएस के कई मामले दर्ज हैं।

वह पंपोर और पुलिस के अन्य इलाकों में स्थानीय युवाओं को नशा सप्लाई करता था। नशा तस्करी में लगातार लिप्त रहने से समाज को गंभीर खतरा था, इसलिए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत उसे हिरासत में लिया गया।

'पति होटल में दूसरी औरत के साथ'

पत्नी ने पूछा सवाल तो सुप्रीम कोर्ट पहुंचा शख्स, चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पति-पत्नी के रिश्ते, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, निजता के अधिकार और हनन पर बड़ा फैसला सुनाया है। महिला ने अपने पति से दूसरी औरत के साथ ठहरने को लेकर सवाल पूछा तो पति निजता के हनन की शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद ऐतिहासिक फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशवासियों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार मिला है, लेकिन इस अधिकार का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति या पत्नी निजता के अधिकार को अपने जीवनसाथी से मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और होटल में रुकने की जानकारी छिपाने का आधार नहीं बना सकते, विशेषकर तब जब मामला जीवनसाथी को व्यभिचारी साबित करने से जुड़ा हो। सुप्रीम

कोर्ट ने पत्नी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दलील दी थी कि पत्नी के साथ निजी जानकारियां शेयर करना या उन्हें सार्वजनिक करना उसके निजता के अधिकार का हनन है। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के। विनोद चंद्रन की बेंच ने फैसला सुनाया और दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि निजता के अधिकार पर भलाई के मद्देनजर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया था, जिसमें पति के निर्देश दिए गए थे कि उसे पत्नी को होटल में ठहरने की डिटेल और कॉल डिटेल रिकॉर्ड देना होगा। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ पति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाला खटखटाया था। 1998 में शादी हुई और साल 2000 में एक बेटी हुई।

कुछ समय बाद पत्नी को पति के दूसरी महिला के साथ संबंधों का पता चला। पति उस दूसरी महिला के साथ जयपुर के होटल में ठहरा था। धोखे का पता चलने पर पत्नी ने पति के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और व्यभिचार के आधार पर तलाक मांगा। आरोप साबित करने के लिए पत्नी ने पति की फोन कॉल रिकॉर्ड और होटल स्टे की डिटेल्स मंगवाने की मांग की। लेकिन पति ने इस मांग को अपनी निजता का हनन बताया।

'तुम्हारे जैसे 1,000 पति रख सकती हूं', पत्नी के इस कमेंट से गुस्साए पति ने पत्थर मारकर की हत्या

जबलपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने सात महीने की गर्भवती पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी की उम्रकैद की सजा को घटाकर सात साल के कठोर कारावास में बदल दी। न्यायालय का मानना है कि हमला पूर्व नियोजित नहीं था, बल्कि अचानक और गंभीर उकसावे के कारण घटना घटी।

18 जून को अपने फैसले में जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनींद्र सिंह की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने पत्नी के उन शब्दों पर गौर किया जो उसने विवाद के दौरान कहे थे। पत्नी ने कहा था, "वह तुम्हारे जैसे हजारों पति रख सकती है"। कोर्ट ने कहा कि यह टिप्पणी पति के सम्मान और गरिमा पर सीधा हमला थी। इसे कानून की नजर में 'गंभीर और अचानक उकसावा' माना जा सकता है। कोर्ट ने पाया कि पति ने हत्या की कोई पूर्व योजना नहीं बनाई थी। उसने मौके पर मौजूद पत्थर का इस्तेमाल किया और वारदात के बाद तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, छिंदवाड़ा जिले के चौराही ब्लॉक के निवासी शिव कहार ने 18 सितंबर, 2021 को अपनी पत्नी किरण की हत्या कर दी थी। किरण उस समय सात महीने की गर्भवती थी और कहार द्वारा कथित तौर पर बहस के दौरान पत्थर से सिर पर वार करने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। अपने बयान में कहार ने बताया कि घटना वाले दिन पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। इस दौरान किरण ने कहा था, "मैं तुम्हारे जैसे हज़ार पति रख सकती हूं।" इस टिप्पणी से क्रोधित होकर उसने पास पड़ा एक पत्थर उठाया और किरण के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। बाद में उसने घटना की जानकारी अपने ससुर को दी और पुलिस में भी सूचना दर्ज कराई।

बेंच ने कहा, "मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, हम पाते हैं कि यह पूर्व नियोजित अपराध नहीं था।" अदालत ने आगे टिप्पणी की, "जब कोई पत्नी अपने पति के बारे में कहती है कि 'वह उसके जैसे हज़ार पति रख सकती है', तो यह पति की अक्षमता की ओर अप्रत्यक्ष/छिपी हुई टिप्पणी है। इसलिए, इसे अचानक और गंभीर उकसावा कहा जा सकता है।" छिंदवाड़ा की एक निचली अदालत ने कहार को दोषी ठहराया था और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने उसकी अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कहा कि यह अपराध जानबूझकर हत्या करने के इरादे से किए गए अपराध की श्रेणी में नहीं आता है।

ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका, टीएमसी चीफ ने छोड़ा साथ, चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

कोलकाता, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। उनकी करीबी मानी जाने वाली और बंगाल टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी को पत्र लिखकर न केवल प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ा, बल्कि पार्टी और उससे जुड़े सभी अन्य दायित्वों से भी खुद को अलग कर लिया। चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने इस्तीफे में लिखा कि वह 3 जून 2026 को कालीघाट में हुई बैठक में उन्हें सौंपे गए ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी में वर्तमान में संभाल रहे सभी अन्य पदों से भी त्यागपत्र देने की घोषणा की।

अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और उससे जुड़े अन्य संगठनों के विभिन्न बैंकों में संचालित खातों की अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता (ऑथराइज्ड सिग्नेटरी) के रूप में अपनी जिम्मेदारी भी वापस ले रही हैं। चंद्रिमा भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि वह अब ममता बनर्जी की ओर से भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष अधिकृत प्रतिनिधि (ऑथराइज्ड पर्सन) के रूप में भी कार्य नहीं करेंगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी का भूमि विवाद हाईकोर्ट पहुंचा लोगों को हटाने, महिलाओं-बच्चों को रोकने का आरोप

ऊधम सिंह नगर (रुद्रपुर), 4 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी सायरा वाड्रा से जुड़ा किच्छा का चर्चित 8 एकड़ खान फार्म भूमि विवाद अब उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंच गया है। जबरन कब्जे और प्रशासन की कथित मिलीभगत के आरोपों वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित एसडीएम और किच्छा कोतवाली के थानाध्यक्ष को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। साथ ही सिविल कोर्ट के 11 जून के आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन की कथित मिलीभगत से विवादित खान फार्म पर कब्जा कर लिया गया। याचिकाकर्ता सिकंदर आलम खान का दावा है कि फार्म में रह रहे पुरुषों को बाहर निकाल दिया गया, जबकि महिलाओं, बच्चों और पशुओं को परिसर के भीतर ही रोक दिया गया। हाईकोर्ट ने इन आरोपों पर प्रशासन से जवाब तलब करते हुए मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई को तय की है।

वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल को मिला 'देश रत्न अवार्ड'

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं विश्लेषक योगेश कुमार गोयल को नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में 'देश रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें यह सम्मान उनकी चर्चित पुस्तक 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' के लिए नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने देशभर से आए शिक्षाविदों, चिकित्सकों, पत्रकारों, उद्योगपतियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया। इसी अवसर पर उनकी इसी पुस्तक का विधिवत विमोचन भी किया गया।

साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से पत्रकारिता एवं शोधपरक लेखन के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय योगेश कुमार गोयल ने राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण, सामाजिक सरोकारों और समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर अपने सशक्त एवं तथ्यपरक लेखन से विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने वर्ष 1993 में मात्र 19 वर्ष की आयु में नशामुक्ति विषय पर अपनी पहली चर्चित एवं पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखकर साहित्य और जनजागरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय शुरुआत की थी। अब तक 14 हजार से अधिक लेखों तथा कई चर्चित पुस्तकों के माध्यम से उन्होंने जनजागरण और राष्ट्रीय विमर्श को नई दिशा दी है। उनकी प्रमुख कृतियों 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति', 'प्रदूषण मुक्त सांसें', 'जीव-जंतुओं की अनोखी दुनिया' तथा 'दो टूक' को हिन्दी अकादमी, दिल्ली एवं हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा आर्थिक अनुदान प्राप्त हो चुका है, जो उनके लेखन की गुणवत्ता और सामाजिक उपयोगिता का प्रमाण है।

योगेश कुमार गोयल को 17 वर्षों तक देश की तीन प्रमुख फीचर एजेंसियों के संपादन का अनुभव भी प्राप्त है। उनकी नवीनतम पुस्तक 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' भारत की बदलती रक्षा रणनीति, स्वदेशी सैन्य तकनीक, आत्मनिर्भरता, अंतरिक्ष एवं समुद्री सुरक्षा, आधुनिक युद्धक क्षमताओं और भविष्य की रक्षा चुनौतियों का व्यापक एवं शोधपरक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

मेयर ऋतु तावड़े और पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर विवाद पहुंचा पुलिस थाने

मुंबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने पूर्व महापौर और मुंबई महानगरपालिका में विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऋतु तावड़े ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर उनके मेयर दफ्तर में कुछ लोगों के साथ जबरन घुसीं और कार्यालय में पहुंचीं और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की वीडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरें लेने की कोशिश की। ऋतु तावड़े ने इस मामले में आजाद मैदान पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

वहीं, किशोरी पेडणेकर ने अपने बचाव में कहा कि रितु तावड़े बचकाने आरोप लगा रही हैं, वो केवल कार्यालय में अपने एक लेटर का स्टेटस जानने के लिए गईं थीं। मेयर ऋतु तावड़े के

अनुसार, दोपहर करीब 3:45 बजे वो अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थीं। उस समय वो सड़कों पर मैनहोल निरीक्षण और उससे जुड़े कार्यों की निगरानी करने गई हुईं थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी अनुपस्थिति में विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर उनके कार्यालय परिसर में पहुंचीं। ऋतु तावड़े ने कहा कि भले ही पेडणेकर यह कहें कि वो उनके निजी केबिन में नहीं गईं, लेकिन उनका कार्यालय परिसर मुख्य प्रवेश द्वार तक फैला हुआ है, जहां महत्वपूर्ण पत्रों और दस्तावेजों पर काम होता है।

ऋतु तावड़े ने आरोप लगाया कि पेडणेकर ने ऑफिस स्टाफ के साथ बहस की, उन्हें धमकाया, कार्यालय की जगह का वीडियो बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पेडणेकर ने जरूरी और गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें लीं। तावड़े ने कहा कि हर चुने हुए जनप्रतिनिधि से जानकारी मांगने का अधिकार है, लेकिन गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें लेना नियमों के खिलाफ है। रितु तावड़े ने कहा कि वो किशोरी पेडणेकर के खिलाफ केस रजिस्टर करने की मांग करते हुए पुलिस स्टेशन में शिकायत पत्र देंगी। वहीं, इन आरोपों को किशोरी पेडणेकर ने बचकाना बताया। उन्होंने कहा कि उनके आरोप बचकाने हैं, मेयर से मेरा कोई पर्सनल रिश्ता नहीं है। वो मेयर कार्यालय उस लेटर के बारे में पता करने गई थीं जो उन्होंने बीएमसी की एक स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग बुलाने की मांग के लिए लिखा था। ये लेटर उन्होंने मुंबई में मानसून से जुड़ी दुर्घटनाओं के संबंध में लिखा था। पेडणेकर ने बताया कि उन्होंने कई लेटर लिखे थे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने पर वो उसके स्टेटस के बारे जानने के लिए मेयर कार्यालय गईं थीं। पेडणेकर ने दावा किया कि उनका एकमात्र उद्देश्य सिविक एडमिनिस्ट्रेशन से जवाब मांगना था। पेडणेकर ने कहा कि हम भी मेयर थे, लेटर का जवाब आठ दिन में देना जरूरी होता, मैं उस जगह नहीं गई जहां मेयर बैठती हैं,

ग्रेट निकोबार के दरवाजे पर बसा है इंडोनेशिया

ब्रह्मोस देकर क्या हासिल करने जा रहे मोदी, चीन का है कब्जा

जकार्ता/नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जुलाई से तीन देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। ये देश हैं इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया। पीएम मोदी सबसे पहले इंडोनेशिया जाएंगे जहां भारत एक ऐसी डील करेगा जो भविष्य में भारत को एक मजबूत डिफेंस एक्सपोर्टर और फ्यूचर एनर्जी सिक्योरिटी भी देगा। इंडोनेशिया ने भारत से और ज्यादा ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है जबकि भारत वहां के क्रिटिकल मिनिरल्स की सप्लाई चेन हासिल करना चाहता है।

मार्च में भारत और इंडोनेशिया के बीच एक ब्रह्मोस बैटरी के लिए समझौता हो चुका है। लेकिन इंडोनेशिया इसे खरीदने के लिए आसान शर्तों वाली क्रेडिट लाइन (लोन सुविधा) की मांग कर रहा है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने 'द प्रिंट' को बताया है 'इंडोनेशिया के साथ संबंधों में रक्षा सहयोग एक अहम

इंडोनेशिया में पीएम मोदी करने जा रहे बहुत बड़ी डिफेंस डील

हिस्सा है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि अभी इस बारे में विस्तार से बात करने की जरूरत है खासकर इसलिए क्योंकि अभी हम इस प्रक्रिया में शुरुआती दौर में ही हैं और सारी चीजें अभी तैयारी के चरण में हैं।'

इंडोनेशिया ने भारत से एक ब्रह्मोस मिसाइल बैटरी खरीदने के लिए प्रारंभिक समझौता किया था। लेकिन अब इंडोनेशिया ने कहा है कि वो और ज्यादा ब्रह्मोस मिसाइल बैटरी खरीदना चाहता है। इंडोनेशिया ने दूसरी ब्रह्मोस मिसाइल बैटरी खरीदने के लिए भारत से क्रेडिट लाइन मांगा है। यानि उसने आसान शर्तों पर कर्ज की मांग की है।

इंडोनेशिया दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता का मुकाबला करना चाहता है। वो अपनी नौसेना की तटीय सुरक्षा और हमला करने की क्षमता को अत्याधुनिक बनाना चाहता है।

फिलीपींस पहले ही ब्रह्मोस खरीद चुका है जबकि वियतनाम से ब्रह्मोस सौदा हो चुका है और अब इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस खरीद रहा है। ये एक बहुत बड़ी डिफेंस डील होगी।

इंडोनेशिया दुनिया में सबसे ज्यादा निकल का प्रोडक्शन करता है जो एक क्रिटिकल मिनिरल्स है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी बनाने के साथ साथ क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी के निर्माण में किया जाता है।

भारत अपने स्टील प्रोडक्शन के लिए 80 फीसदी से ज्यादा फेरोनिकल इंडोनेशिया से ही खरीदता है। मोदी की यात्रा के दौरान भारतीय कंपनियां इंडोनेशिया की कंपनियों के साथ खनिज प्रसंस्करण और रिफाइनिंग के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए समझौता कर सकती हैं। फिलहाल इंडोनेशिया के निकल प्रोडक्शन क्षमता पर 75 प्रतिशत से ज्यादा चीन का कंट्रोल है। इंडोनेशिया भी चीन के कंट्रोल को कम करना चाहता है जबकि भारत चीन पर अपनी निर्भरता तेजी से घटाना चाहता है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

एक साल पहले हुई थी शादी हादसे में बाइक दो टुकड़ों में बंटी ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

गोड्डा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह घटना पुनसिया गांव के पास गोड्डा-हंसडीहा फोरलेन सड़क पर हुई। मृतक की पहचान पुनसिया गांव निवासी राजन कुमार (पिता हरिमोहन मंडल) के रूप में हुई है। गोड्डा की ओर से आ रही एक काले रंग की स्कॉर्पियो ने पल्सर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक दो टुकड़ों में बट गई और उसके पुर्जे 200 फीट से अधिक दूर जा गिरे। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

राजन कुमार अपने नए घर की ओर जा रहे थे, जो राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बन रहा है। उनके पिता हरिमोहन मंडल पुनसिया गांव के प्रधान हैं।

नेपाल से आई टॉप 5 देशों की लिस्ट

चीन पर भारत पड़ा भारी, अमेरिका भी रहा पीछे

काठमांडू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का पड़ोसी देश नेपाल के साथ सदियों से रोटी और बेटी का साथ रहा है। पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तराखंड तक नेपाल और भारत के बीच सीमा खुली हुई है। यह दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे को दर्शाता है। नेपाल के हजारों लोग भारत में काम करते हैं, वहीं भारत के भी बड़ी संख्या में लोग नेपाल में काम करने जाते हैं। दोनों देशों के बीच दोस्ती में अब पर्यटन भी बहुत महत्वपूर्ण पहलू जुड़ गया है। भारत से भर-भरकर पर्यटक नेपाल पहुंच रहे हैं। बालेन सरकार के गाड़ियों के परमिट और पासपोर्ट को लेकर सख्ती के बाद भी नेपाल में इस महीने सबसे ज्यादा भारतीय पर्यटक पहुंचे हैं। भारत के बाद अमेरिका और फिर चीन का नंबर है।

नेपाल के टूरिज्म बोर्ड ने ताजा आंकड़े जारी करते हुए बताया कि देश में जमकर विदेशी पर्यटक आ रहे हैं। जून महीने में ही रेकॉर्ड 91,363 वदिशी पर्यटक नेपाल आए हैं। यह पिछले साल जून

नेपाल में सबसे ज्यादा पहुंचे भारतीय पर्यटक

महीने के 76,425 की तुलना में 19.5 फीसदी ज्यादा है। नेपाल में विदेशी पर्यटकों के आने का आलम यह है कि यह कोरोना के पहले के आंकड़े को पार कर गया है। इससे पहले जून 2019 में नेपाल में 74,883 विदेशी टूरिस्ट आए थे। उससे तुलना करें तो इस साल जून महीने में 22 फीसद की ग्रोथ हुई है। नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने बताया कि भारत नेपाल के लिए विदेशी टूरिस्ट का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। भारत से इस साल जून महीने में 41,809 टूरिस्ट नेपाल पहुंचे। यह नेपाल के कुल विदेशी टूरिस्ट का 45.76 फीसदी है। इसके बाद अमेरिका का नंबर है जिसके 11,836 टूरिस्ट नेपाल पहुंचे। वहीं तीसरे नंबर पर पड़ोसी चीन है जो दावा करता है कि वह नेपाल के साथ हमेशा खड़ा है। चीन के मात्र 9,995 टूरिस्ट ही नेपाल आए। चीन टूरिस्ट को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल करता है। चीन जिन देशों को दंडित करना चाहता है, वहां चीनी पर्यटकों के जाने रोक देता है या संख्या कम कर देता है।

आयकर विभाग की बलथर पंचायत मुखिया के घर छापेमारी

देवघर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड स्थित बलथर पंचायत के मुखिया के आवास पर शनिवार को आयकर विभाग ने छापेमारी की। यह कार्रवाई मोहनपुर स्थित आवास के साथ-साथ कुण्डा थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर स्थित उनके दूसरे घर पर भी एक साथ की गई। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की संयुक्त टीम में पटना, धनबाद और देवघर के अधिकारी शामिल थे। टीम ने सुबह से ही दोनों परिसरों में आवश्यक दस्तावेजों, वित्तीय अभिलेखों और अन्य महत्वपूर्ण कागजातों की गहन पड़ताल शुरू कर दी। जांच के दौरान संबंधित परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर निगरानी रखी। विभाग के अधिकारियों ने जांच को लेकर पूरी गोपनीयता बरती और मीडिया से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय लोगों की नजरें पूरे दिन आयकर विभाग की गतिविधियों पर टिकी रहीं।

देर शाम तक आयकर विभाग की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि छापेमारी किन कारणों से की गई है। जांच के दौरान क्या-क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली है, इसकी भी जानकारी नहीं दी गई। अधिकारियों ने केवल इतना संकेत दिया कि जांच प्रक्रिया जारी है और सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। जांच पूरी होने और विभाग की आधिकारिक रिपोर्ट सामने आने के बाद ही इस छापेमारी के उद्देश्य तथा उससे जुड़े तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

अमेरिका 250 साल के लिए टाइम कैप्सूल दफन करेगा

408 किलो वजन, इसमें व्हेल की हड्डी से एआई की भविष्यवाणी तक, आखिर इसकी जरूरत क्यों

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 4 जुलाई को अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के मौके पर 408 किलो का एक टाइम कैप्सूल जमीन में दफनाया जाएगा। इसे फिलाडेल्फिया के इंडिपेंडेंस नेशनल हिस्टोरिकल पार्क में दफनाया जाएगा और 250 साल बाद यानी 2276 में खोला जाएगा।

इसकी जानकारी नेशनल पार्क सर्विस के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी दर्ज की गई है, ताकि 250 साल बाद आने वाली पीढ़ियां इसे ढूंढ़ सकें और इसके बारे में जान सकें।

इस कैप्सूल में 50 राज्यों और आम लोगों की ओर से चुनी गई यादगार चीजें रखी गई हैं, जिसमें व्हेल की हड्डी, दुनिया के सबसे बड़े जिप्सम रेगिस्तान की रेत, राइट बंधुओं के विमान का

कपड़ा, एआई की भविष्यवाणी और कई ऐतिहासिक दस्तावेज शामिल हैं।

टाइम कैप्सूल बंद पेटी या कंटेनर होता है, जिसमें किसी दौर की चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं, ताकि भविष्य की पीढ़ियां उस समय के समाज, तकनीक, संस्कृति और जीवन को समझ सकें।

टाइम कैप्सूल बनाना जितना मुश्किल नहीं था, उससे बड़ी चुनौती उसे 250 साल तक सुरक्षित रखना था। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि जमीन के नीचे रखी चीजें ढाई सौ साल बाद भी सुरक्षित कैसे मिलें। इस वजह से प्रोजेक्ट से जुड़े कई विशेषज्ञों को इसमें शामिल किया गया। कई साल की रिसर्च के बाद ऐसा डिजाइन तैयार किया गया, जो पानी, नमी, जंग और मौसम के असर से कैप्सूल को बचा सके।

यह कैप्सूल चौकोर नहीं, बल्कि बेलन (सिलेंडर) के आकार का है। वैज्ञानिकों के अनुसार चौकोर डिब्बों के कोने समय के साथ कमजोर पड़ जाते हैं और वहीं से पानी अंदर जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।

टाइम कैप्सूल को कैसे सील किया गया?

कैप्सूल को कार्यक्रम के दिन सील नहीं किया जाएगा। इसे पहले ही पूरी तरह सील किया जा चुका है। 4 जुलाई को इसे सिर्फ फिलाडेल्फिया में जमीन के नीचे स्थापित किया जाएगा।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने लाखों लोग पहुंचे

खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए, ट्रम्प बोले- ईरान को 1 हफ्ते की छुट्टी दी

तेहरान, 4 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है।

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी।

थाइलैंड में बच्चे ने 10 बौद्ध भिक्षुओं को कुचला

बिना इजाजत पिकअप ट्रक चला रहा था, पुलिस ने अभी तक केस दर्ज नहीं किया

बैंकॉक, 4 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड के मुकदाहन शहर में गुरुवार को एक बच्चे ने पिकअप ट्रक से बौद्ध भिक्षुओं के जुलूस को कुचल दिया। जिसमें कम से कम 10 भिक्षुओं की मौत हो गई और 5 गंभीर रूप से घायल है।

पुलिस के मुताबिक, 11 साल का एक लड़का अपने माता-पिता का पिकअप ट्रक बिना इजाजत लेकर निकला था। करीब 10 किलोमीटर चलाने के बाद उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया और तीर्थयात्रा पर निकले भिक्षुओं के जुलूस में जा घुसा।

यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे हुआ। भिक्षुओं का समूह सड़क किनारे एक लाइन में पैदल चल रहा था। स्थानीय रेस्क्यू संगठन की ओर से जारी सीसीटीवी फुटेज में पिकअप ट्रक तेज रफ्तार में जुलूस को

टक्कर मारता नजर आया। बच्चे के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने अभी तक कोई केस दर्ज नहीं किया है।

थाईलैंड की 93% से ज्यादा आबादी बौद्ध धर्म को मानती है। सार्वजनिक धार्मिक यात्राएं और जुलूस आम बात हैं। मुकदाहन के गवर्नर वोरायन बुन्नारात के मुताबिक, गुरुवार को कुल 35 बौद्ध भिक्षु और पांच आम श्रद्धालु एक मंदिर से दूसरे मंदिर तक पैदल तीर्थयात्रा कर रहे थे। यात्रा शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह हादसा हो गया।

अधिकारियों के अनुसार, पांच भिक्षुओं की मौत मौके पर हुई, जबकि अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कई घायलों का इलाज चल रहा है। मुकदाहन अस्पताल ने घायलों के इलाज के लिए लोगों से तत्काल रक्तदान की अपील भी की है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि लड़का घर पर अकेला था। वह उस दिन अस्वस्थ होने के कारण स्कूल नहीं गया था। इसी दौरान उसने अपने माता-पिता का पिकअप ट्रक बिना अनुमति ले लिया। जब परिजनों को पिकअप घर पर नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने हादसे के बाद वाहन को जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

प्रांतीय पुलिस प्रमुख मेजर जनरल पैरोज थाइफुत्सा ने कहा कि लड़का नाबालिग है। फिलहाल उससे पूछताछ नहीं हो सकी है क्योंकि वह सदमे में है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। इसी वजह से अभी तक कोई आरोप तय नहीं किया गया है।

पाकिस्तान का पिछलग्गू बनने की जरूरत नहीं

भारतीय राजदूत की दो टूक, कहा- चीन की तरह नीति

बीजिंग, 4 जुलाई (एजेंसियां)। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने कहा है कि ईरान संकट पर पहले से ही कई देशों की मौजूदगी वाले मामले में मध्यस्थता करने से भारत को कोई खास फायदा नहीं होता। विक्रम दोरईस्वामी 4 जुलाई को 14वें वर्ल्ड पीस फोरम में 'संरक्षणवाद और वैश्विक आर्थिक शासन' पैनल में बोलते हुए ये बातें कही हैं। ग्लोबल फोरम पर भारत की भूमिका और ईरान संकट में पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों की तुलना को भारतीय राजदूत ने सिरे से खारिज कर दिया है।

इस कार्यक्रम को बीजिंग में वर्ल्ड पीस फोरम ने आयोजित किया था। इसमें ईरान संकट में पाकिस्तान की मध्यस्थता और वैश्विक संकट में भारत की

ईरान युद्ध में भारत को पाकिस्तान को फॉलो करने की जरूरत नहीं है

भूमिका को लेकर उनसे सवाल किया गया था। राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने कार्यक्रम में कहा 'आप जिस मध्यस्थता की बात कर रहे हैं उसके बारे में यह तय करना अलग-अलग देशों का काम है कि क्या इससे उनकी बड़ी राष्ट्रीय स्थिति में कोई मूल्य जुड़ता है। हमने अतीत में ऐसा किया है। मुझे नहीं लगता कि इस समय जब पहले से ही कई देश इसमें शामिल हैं इससे हमें किसी खास तरह का फायदा होगा।'

भारतीय राजदूत ने आगे कहा कि दो बड़ी ताकतों के तौर पर भारत और चीन दोनों ने ही यूक्रेन या ईरान में मध्यस्थता के लिए अपनी सेवाएं नहीं दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की तुलना पाकिस्तान से करना गलत है खासकर उनकी अलग-अलग आर्थिक स्थिति या दुनिया के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव को देखते हुए। उन्होंने कहा 'जहां तक मैं देख पा रहा हूं हाल के संकटों में चाहे वह पश्चिमी एशिया हो या पूर्वी यूरोप हमारी स्थिति काफी हद तक चीन जैसी ही रही है। मुझे नहीं लगता कि चीन या भारत इनमें से किसी भी मामले में मध्यस्थता करने के लिए आगे आ रहे हैं।

और सच कहूं तो अगर मैं थोड़ा साफ-साफ कहूं तो पाकिस्तान के साथ तुलना करना हमारे लिए थोड़ा अनुचित है। मुझे लगता है कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं ही बहुत कुछ बता देंगी।

सौर पैनल लगाते समय बड़ा हादसा

दो मजदूरों की करंट लगने से मौके पर मौत, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए

रायपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। एक घर की छत पर सौर पैनल लगाते समय हाईटेंशन लाइन की संपर्क में आने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। घटना पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के प्रोफेसर कॉलोनी की है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुरानी बस्ती थाने के प्रभारी विनय बघेल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हादसा शनिवार को करीब 11 बजे प्रोफेसर कॉलोनी के एक घर में हुआ। यहां एक घर में सौर पैनल लगाए जा रहे थे। जहां तीन तकनीशियन सौर पैनल लगा रहे थे। इसी दौरान दो तकनीशियन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान प्रमोद चंद्राकर और आशीष चंद्राकर के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार, छत के किनारे रखा सौर पैनल गलती से इमारत के पास से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन को छू गया। जैसे ही दोनों तकनीशियनों ने पैनल को छुआ, उन्हें बिजली का झटका लगा और वह वहीं गिर गए।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। विनय बघेल ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा आगे की जांच जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तेज करंट लगते ही दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं सोलर पैनल लगाने वाला तीसरा मजदूर बाल-बाल बच गया।

बासमती की जंग में भारत से हारा पाकिस्तान

तालिबान से दुश्मनी भी पड़ रही भारी, 2 अरब डॉलर का झटका

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) की वाणिज्य समिति की बैठक में वाणिज्य सचिव जवाद पॉल ने कहा है कि भारत के सस्ते और आक्रामक चावल निर्यात की वजह से पाकिस्तान का चावल उद्योग पूरी तरह तबाह होने की कगार पर पहुंच गया है। इसके अलावा क्षेत्रीय विवादों के कारण पाकिस्तान को कुल 3.1 बिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है।

शुक्रवार को नेशनल असेंबली की कॉमर्स पर बनी स्टैंडिंग कमेटी को बताया गया है कि अफगानिस्तान बॉर्डर बंद होने की वजह से पाकिस्तान के एक्सपोर्ट में 1.1 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है जबकि मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के कारण विदेशी शिपमेंट में भी अनुमानित 2 अरब डॉलर की कमी आई है। जावेद हनीफ खान की अध्यक्षता में हुई बैठक में कमेटी ने पाकिस्तान के विदेशी

व्यापार पर क्षेत्रीय संघर्षों के असर की समीक्षा की है।

पाकिस्तान के वाणिज्य सचिव जवाद पॉल ने सांसदों को बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में ट्रांजिट ट्रेड और एक्सपोर्ट में 1.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि फूड सेक्टर के एक्सपोर्ट में 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सस्ते भारतीय चावल से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण चावल के शिपमेंट में भारी कमी आई है।

पाकिस्तानी अखबार ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक वाणिज्य सचिव ने कहा कि पाकिस्तानी चावल क्वालिटी में बेहतर है लेकिन भारतीय चावल कम कीमत पर बिकने के कारण वह बाजार में अपनी हिस्सेदारी खो रहा है।

मंत्रालय के अधिकारियों ने कमेटी को बताया कि भारतीय चावल लगभग 1,100 डॉलर प्रति टन बिक रहा है जबकि पाकिस्तानी चावल की कीमत लगभग 1,300 डॉलर प्रति टन है जिससे पाकिस्तान का निर्यात बुरी तरह से गिरा है।

इसके अलावा पाकिस्तानी अधिकारी ने भारत पर फर्जी आरोप लगाने की भी कोशिश की।

ईरान में दुनिया का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार

37 साल पहले बना था रिकॉर्ड, अब टूटने जा रहा

तेहरान, 4 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस दौरान ईरान के शहरों में विशाल जुलूस निकाले जाएंगे। ईरानी अधिकारियों का मानना है कि इसमें 1.5 से 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। अंतिम संस्कार में जुटने वाला यह जमावडा एक विश्व रिकॉर्ड बना सकता है। अगर ऐसा होता है तो ईरान अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ेगा जो 37 साल पहले बना था।

ईरान में 37 साल पहले 1989 में उस समय के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह रुहोल्लाह खुमैनी के अंतिम संस्कार में ईरान की आबादी का छठा हिस्सा जमा हो गया था। उसे मानव इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार माना जाता है, जिसमें 1.02 करोड़ लोग शामिल हुए थे। 1979 में ईरान की सफल इस्लामिक क्रांति का नेतृत्व करने वाले रुहोल्लाह खुमैनी का 10

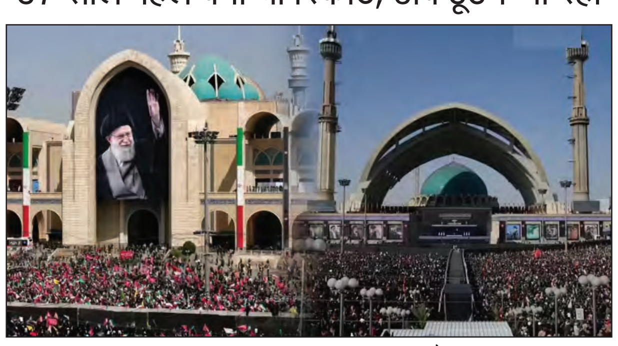

साल बाद 1989 में निधन हो गया। 6 जून 1989 को जब उन्हें दफनाया जा रहा था, उस दौरान लाखों ईरानी सड़कों पर उतर आए थे। समाचार एजेंसी एपी ने उस क्षण का नजारे का वर्णन करते हुए बताया कि भीषण गर्मी में लाखों लोगों की भीड़ जुटी थी और लोग गम में अपनी छातियां पीट रहे थे। ताबूत आगे बढ़ रहा था, तभी भीड़ ताबूत को छूने के लिए लपकी और 86 साल के धार्मिक नेता का सफेद कफन में लिपटा शव भीड़ में गिर पड़ा। इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कम से कम 8 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 11000 लोग घायल हुए थे।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने खुमैनी के अंतिम संस्कार को दुनिया का सबसे बड़े अंतिम संस्कार के रूप में मान्यता दी, जिसमें आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा शामिल हुआ था। अनुमान के अनुसार, इसमें 1.02 करोड़ लोग शामिल हुए थे। यह उस समय ईरान की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा था।

एपी की उस समय की रिपोर्ट में बताया गया कि भीड़ इतनी बेकाबू हो गई थी कि अधिकारियों को दफनाने का काम टालना पड़ा।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में क्यों हैं 22 सीढ़ियां?

जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने से पहले श्रद्धालुओं को इन 22 सीढ़ियों को पार करना होता है। माना जाता है कि इन सीढ़ियों का संबंध केवल निर्माण कला से नहीं, बल्कि आत्मा की आध्यात्मिक प्रगति से भी है। आइए समझते हैं कि आखिर इन सीढ़ियों की संख्या 22 ही क्यों है और इनका क्या आध्यात्मिक महत्व है।

जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने से पहले श्रद्धालुओं को इन 22 सीढ़ियों को पार करना होता है। माना जाता है कि इन सीढ़ियों का संबंध केवल निर्माण कला से नहीं, बल्कि आत्मा की आध्यात्मिक प्रगति से भी है।

आइए समझते हैं कि आखिर इन सीढ़ियों की संख्या 22 ही क्यों है और इनका क्या आध्यात्मिक महत्व है।ओडिशा के पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर हिंदू धर्म के प्रमुख और अत्यंत पवित्र तीर्थों में गिना जाता है। यह मंदिर भगवान विष्णु के चार धामों में शामिल है और अपनी भव्य वास्तुकला, विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा तथा अनोखी परंपराओं के लिए जाना जाता है। यहां की हर संरचना और परंपरा अपने भीतर गहन आध्यात्मिक अर्थ समेटे हुए है। इन्हीं में एक विशेष रहस्य मंदिर के मुख्य द्वार तक ले जाने वाली 22 सीढ़ियां हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'बाइसी पहाचा' कहा जाता है। माना जाता है कि इन सीढ़ियों का संबंध केवल निर्माण कला से नहीं, बल्कि आत्मा की आध्यात्मिक प्रगति से भी है। आइए समझते हैं कि आखिर इन सीढ़ियों की संख्या 22 ही क्यों है और इनका क्या आध्यात्मिक महत्व है।

बाइसी पहाचा का महत्व

मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने से पहले श्रद्धालुओं को इन 22 सीढ़ियों को पार करना होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह चढ़ाई सांसारिक जीवन से आध्यात्मिक चेतना की ओर बढ़ने का प्रतीक मानी जाती है। कहा जाता है कि जो भक्त इन्हें श्रद्धा और नम्रता के साथ पार करता है, उसे भगवान जगन्नाथ के दर्शन का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

22 सीढ़ियों से जुड़ी मान्यताएं

एक प्रचलित धारणा के अनुसार ये 22 सीढ़ियां मनुष्य के भीतर मौजूद 22 प्रकार के दोषों, कमजोरियों और सांसारिक बंधनों का प्रतीक हैं। जब कोई भक्त इन सीढ़ियों को चढ़ता है, तो वह प्रतीकात्मक रूप से अपने अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह और अन्य विकारों को पीछे छोड़ते हुए भगवान की शरण में प्रवेश करता है।

आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक

कुछ विद्वानों का मानना है कि ये सीढ़ियां आत्मा की प्रगति के 22 चरणों को दर्शाती हैं। उनके अनुसार, ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल शारीरिक यात्रा नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा की शुद्धि से होकर गुजरता है। यही कारण है कि मंदिर में प्रवेश से पहले इन सीढ़ियों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

शास्त्रीय दृष्टिकोण

कई धार्मिक विचारकों का मत है कि इन 22 सीढ़ियों का संबंध वैदिक सिद्धांतों और आध्यात्मिक तत्वों से भी हो सकता है। कुछ लोग इन्हें मनुष्य की इंद्रियों, पंचमहाभूत, मन, बुद्धि और आत्मा जैसे तत्वों का प्रतीक मानते हैं। हालांकि, विभिन्न परंपराओं में इसकी अलग-अलग व्याख्याएं मिलती हैं, इसलिए किसी एक मत को अंतिम नहीं माना जाता।

प्रेरक कथा: जीवन की परेशानियों से निराश हो गया था युवक

दुखी व्यक्ति पहुंचा संत के पास, संत ने कैसे दी सुखी जीवन की सीख

पुराने समय की लोक कथा है, एक व्यक्ति जीवन की परेशानियों की वजह से निराश हो गया था। उसके पिता का देहांत हो चुका था और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसके कंधों पर थी। वह सोचता था कि धीरे-धीरे जीवन आसान हो जाएगा, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा था। उसकी शादी हुई, उसे उम्मीद थी कि अब उसे एक सहारा मिलेगा, लेकिन परिस्थितियां और कठिन हो गईं। कभी आर्थिक तंगी, कभी पारिवारिक तनाव, तो कभी स्वास्थ्य समस्याएं, उसके जीवन में एक समस्या खत्म होती तो दूसरी खड़ी हो जाती।

एक दिन वह निराश होकर गांव के बाहर रह रहे संत के पास पहुंचा। उसने संत से कहा, "गुरुदेव, कृपया मुझे अपना शिष्य बना लीजिए। मैं अब और संघर्ष नहीं सह सकता। मेरे जीवन में समस्याएं खत्म ही नहीं हो रही हैं।" संत ने उसकी बात सुनी और उसे अपना शिष्य स्वीकार कर लिया। फिर उन्होंने पूछा, "बताओ, तुम्हें सबसे बड़ी परेशानी क्या लगती है?" दुखी व्यक्ति ने कहा, "गुरुदेव, एक समस्या खत्म होती नहीं कि दूसरी शुरू हो जाती है। मैं हर बार हार जाता हूं।"संत मुस्कुराए और बोले, "ठीक है, आज तुम्हारी समस्याओं का समाधान करेंगे। मेरे साथ चलो।"

संत के आश्रम के पास ही एक नदी बह रही थी। संत और नया शिष्य दोनों नदी किनारे पहुंचे। वहां पहुंचकर संत चुपचाप खड़े हो गए। कुछ देर बाद शिष्य ने पूछा, "गुरुदेव, हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों रुक गए हैं?" संत ने कहा, "हम नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं ताकि हम आसानी से पार कर सकें।"

यह सुनकर शिष्य हैरान रह गया। उसने कहा, "गुरुदेव, यह कैसे संभव है? नदी कभी नहीं सूखेगी।"

तब संत ने गंभीर होकर कहा, "यही तो मैं तुम्हें समझाना चाहता हूं। जीवन की समस्याएं कभी खत्म नहीं होतीं। अगर तुम उनके खत्म होने का इंतजार करोगे, तो तुम वहीं रुके रह जाओगे, लेकिन अगर तुम आगे बढ़ते रहोगे, तो रास्ता अपने आप बनता जाएगा। जिस तरह हमें नदी पार करने के लिए पानी उतरना पड़ेगा, ठीक उसी तरह समस्याओं को हल करने के लिए हमें समस्याओं का सामना करना चाहिए। समस्याओं से भागकर या दूर रहकर जीवन में सुख-शांति की कामना नहीं की जा सकती है।"

उस दिन शिष्य को गहरी समझ मिली। उसने जाना कि जीवन में रुकना नहीं है, बल्कि परिस्थितियों के साथ आगे बढ़ते रहना ही वास्तविक समाधान है। धीरे-धीरे उसकी सोच बदल गई और वही व्यक्ति आगे चलकर एक सफल और संतुलित जीवन जीने लगा।

कथा की सीख

जीवन में समस्याओं का आना स्वाभाविक है, लेकिन उनका समाधान हमारे दृष्टिकोण और आदतों पर निर्भर करता है। अगर हम सही तरीके से जीवन को प्रबंधित करें, तो बड़ी से बड़ी बाधा भी आसान लगने लगती है।

सबसे पहले, हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि समस्याएं कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होतीं। यह सोच हमें मानसिक रूप से तैयार करती है और हम हर परिस्थिति का सामना शांत मन से कर पाते हैं। स्वीकार्यता सुखी जीवन का पहला कदम है।

हमें निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। चाहे स्थिति कैसी भी हो, रुकना समाधान नहीं है। छोटे-छोटे कदम भी हमें लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। जीवन में गति बनाए रखना बहुत जरूरी है।

जीवन में समय प्रबंधन जरूरी है। अपने दिन को प्राथमिकताओं में बांटें, क्या ज्यादा जरूरी है, उसे पहले करें और जो जरूरी नहीं है, उसे छोड़कर आगे बढ़ें। इससे तनाव कम होता है और कार्यक्षमता बढ़ती है।

मन शांत रखना जरूरी है। इसके लिए ध्यान, व्यायाम और सकारात्मक सोच को अपनाना चाहिए। जब मन स्थिर और शांत होता है, तब हमारे निर्णय भी सही होते हैं।समस्या को अवसर के रूप में देखना चाहिए। हर कठिनाई हमें नई सीख देती है। यदि हम हर समस्या से सीख लें, तो वही हमारे विकास का माध्यम बन जाती है।

सही लोगों के साथ जुड़ें। सकारात्मक और प्रेरणादायक लोगों की संगति हमें ऊर्जा देती है, जबकि नकारात्मक लोग हमें कमजोर करते हैं।

लक्ष्य स्पष्ट रखें। बिना लक्ष्य के जीवन भटक जाता है। जब हमें पता होता है कि हमें कहां पहुंचना है, तो रास्ते की कठिनाइयां हमें रोक नहीं पातीं।

धैर्य रखें। हर चीज तुरंत नहीं मिलती। सफलता समय मांगती है और लगातार प्रयासों से ही मिलती है। इसलिए धैर्य न छोड़ें।

आत्मविश्वास सबसे बड़ा सहारा है। जब हमें अपने ऊपर भरोसा होता है, तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती।

गोस्वामी तुलसीदास की सीख : मंत्र जप भी एक बीज की तरह है

नियमित रूप से किए गए मंत्र जप का प्रभाव जीवन में धीरे-धीरे दिखाई देता है

जीवन में कभी-कभी हमारा मन किसी भी काम में नहीं लगता है। कभी थकान, कभी तनाव, कभी निराशा और कभी मन की उलझनें हमें पूजा-पाठ, ध्यान या मंत्र जप से भी दूर कर देती हैं। फिर भी कई लोग मन न लगने पर भी भगवान का ध्यान करते हैं। क्या ऐसी भक्ति का कोई फल मिलता है? इस संबंध में गोस्वामी तुलसीदास जी से जुड़ा एक प्रसंग प्रचलित है।

चर्चित प्रसंग के मुताबिक, एक दिन एक भक्त ने गोस्वामी तुलसीदास से पूछा, गुरुदेव, कई बार मन भक्ति करने का नहीं करता, लेकिन मैं फिर भी मंत्र जप करने बैठ जाता हूं। क्या ऐसी भक्ति भी भगवान स्वीकार करते हैं?

तुलसीदास मुस्कुराए और उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पंक्ति सुनाई-

तुलसी मेरे राम को, रीझ भजो या खीज।
भौम पड़ा जामे सभी, उल्टा सीधा बीज।।

इसके बाद तुलसीदास जी ने इस दोहे का अर्थ समझाते हुए कहा, जैसे किसान खेत में बीज बोता है, तब यह नहीं देखता कि बीज सीधा गिरा है या उल्टा। मिट्टी, पानी और समय मिलने पर हर बीज अंकुरित होता है और धीरे-धीरे फसल बन जाता है। उसी प्रकार भगवान का नाम जप भी एक बीज की तरह है। चाहे मन प्रसन्न हो या उदास, श्रद्धा कम हो या अधिक, यदि व्यक्ति नियमित रूप से मंत्र जप करता रहता है, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे उसके मन और जीवन पर अवश्य दिखाई देता है।

तुलसीदास जी ने समझाया कि भक्ति केवल भावनाओं का विषय नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास का मार्ग भी है। हर दिन

किया गया छोटा-सा प्रयास भी मन को धीरे-धीरे स्थिर बनाता है। कई बार परिणाम तुरंत दिखाई नहीं देते, लेकिन समय के साथ व्यक्ति के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है।

यह प्रसंग हमें सीख देता है कि जीवन में हर अच्छी आदत का प्रभाव धीरे-धीरे बनता है। चाहे पढ़ाई हो, व्यायाम हो, ध्यान हो या प्रार्थना—नियमितता ही सबसे बड़ी शक्ति है। मन हर दिन एक जैसा नहीं रहता, लेकिन जो व्यक्ति अपने अच्छे कर्मों में निरंतर बना रहता है, वह अंततः सफलता, शांति और आत्मविश्वास का अनुभव करता है।

प्रसंग की सीख

अच्छे काम के लिए मन बनने का इंतजार न करें, आदत बनाएं। अक्सर हम सोचते हैं कि जब मन करेगा, तभी अच्छा काम करेंगे, लेकिन सफल लोग मन के भरोसे नहीं, बल्कि अनुशासन के आधार पर आगे बढ़ते हैं। रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास बड़े परिणाम देता है।

छोटे प्रयासों को कभी कम न आंकें, हर मंत्र जप, हर सकारात्मक विचार और हर अच्छा काम एक बीज की तरह है। उसका परिणाम तुरंत नहीं दिखता, लेकिन समय के साथ वही जीवन में बड़ा बदलाव लाता है।

नियमितता सफलता की असली कुंजी है। चाहे पढ़ाई हो, योग हो, ध्यान हो या कोई नई कला सीखना, रोज थोड़ा समय देना अनियमित बड़े प्रयासों से अधिक प्रभावी होता है। सफलता के लिए नियमितता जरूरी है।

ध्यान और मंत्र जप से मानसिक शांति मिलती है। कुछ मिनटों का ध्यान मन की बेचैनी कम करता है। नियमित मंत्र जप और प्रार्थना से मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर होती है।

भावनाओं से अधिक कर्म पर भरोसा रखें। हर दिन उत्साह समान नहीं होता। ऐसे समय में भी यदि हम अपने अच्छे कार्य जारी रखते हैं, तो धीरे-धीरे मन भी उसी दिशा में ढलने लगता है।

धैर्य रखें, परिणाम समय पर मिलते हैं। जैसे बीज को पेड़ बनने में समय लगता है, वैसे ही अच्छी आदतों का प्रभाव भी धीरे-धीरे दिखाई देता है। जल्दबाजी छोड़कर निरंतर प्रयास करते रहें।

सकारात्मक दिनचर्या बनाएं। सुबह कुछ देर प्रार्थना, ध्यान, प्रेरणादायक पढ़ाई या आत्मचिंतन के लिए निकालें। यह पूरे दिन की ऊर्जा और सोच को सकारात्मक दिशा देता है।

असली नेतृत्व यह भी सिखाता है कि हारने पर क्या करना है

पहले सीखने-सिखाने के तरीके भी अलग थे। नहाते हुए पानी छींटना, तकिए से एक-दूसरे पर प्रहार करना, चादरें ओढ़ कर डराना। इन खेलों के पीछे एक मनोविज्ञान काम करता था। कैसे प्रहार करें, कैसे बचें और कैसे नेतृत्व करें? इसमें अपनापन था। खेल-खेल में सीख गए। अब तो सीख को भी खेल बनाया जा रहा है, क्योंकि मशीन हावी हो रही है।

इन दिनों अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को एक चीज सिखाना चाहते हैं- नेतृत्व। पर नेतृत्व का अर्थ केवल आगे रहना, ऊपर चढ़ना नहीं है। असली नेतृत्व एक बात और सिखाता है- हारने पर क्या करना है? जिंदगी की चुनौतियों में भी मजेदार बने रहें तो खेल-खेल में बड़ी-बड़ी विपत्तियां भी निपट जाएंगी। और हम ऐसा नेतृत्व करेंगे, जिसमें जीतेंगे तो भी अहंकार नहीं पालेंगे, हारेंगे तो भी उदासी नहीं ओढ़ेंगे। खेल-खेल में नेतृत्व सिखाया था राम ने। वे छोटे भाइयों के साथ गेंद का खेल खेलते तो हमेशा भरत को जिता देते। संतों ने इस प्रसंग की व्याख्या की है कि नेतृत्व जीत और हार में एक जैसा होता है।

जॉब और बिजनेस में प्रमोशन के लिए ये कुर्सी है बेस्ट

अगर आप नौकरी में प्रमोशन चाहते हैं तो फिर लाल रंग की कुर्सी का प्रयोग करें या फिर कुर्सी पर लाल रंग का कुशन या कवर लगा लें। ये भी आपको तरक्की और लाभ दिलाएगा। इसके अलावा अगर व्यवसाय में हैं तो इस रंग की कुर्सी के प्रयोग से आपका बिजनेस खूब अच्छा चलने लगेगा।

तो वहीं अगर आप दुकान या बिजनेस में तरक्की करना चाहते हैं तो पीले रंग की कुर्सी का प्रयोग करें। यदि ये संभव न हो तो कुर्सी पर पीले रंग का कवर या कुशन लगा दें। इससे धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और आर्थकि स्थिति में भी वृद्धि होती है। ये धन आगमन के स्रोत बनाती है।

व्यवसाय या नौकरी में परेशानयिां खत्म न हो रही हों तो सफेद रंग की कुर्सी रखें। वास्तु के अनुसार सफेद रंग का प्रयोग जीवन के सभी क्षेत्रों में लाभ दिलाता है। कार्यस्थल पर भी इस रंग की कुर्सी का प्रयोग करें। अगर सफेद कुर्सी न हो तो सफेद रंग के कुशन या फिर कुर्सी कवर का यूज कर सकते हैं। इससे कार्य संबंधी सभी समस्याओं का अंत हो जाता है।

वास्तु शास्त्र में जहां कुर्सियों से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया है। वहीं हानि का भी जिक्र किया गया है। वास्तु अनुसार काले रंग की कुर्सी या फिर काले रंग के कवर वाली कुर्सी पर बैठना अवॉयड करना चाहिए। इसके साथ ही कुर्सियों की धातु का भी ख्याल रखना ज़रूरी है यानि कि अगर आप किसी ऐसी कुर्सी पर बैठते हैं जो कि एल्युमुनियम धातु की है तो ये आपके लिए शुभ होगी लेकिन लोहे की कुर्सी पर बैठना अवॉयड करें। ये आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। वास्तु के मुताबिक लोहे की कुर्सी से व्यापार में धीरे-धीरे घाटा होना शुरू हो जाता है। ये आगे चलकर व्यवसाय को ठप भी करवा सकती है। इसके अलावा भूरे रंग की कुर्सी भी अत्यधिक हानि का योग बना सकती है।

अगर हर तरफ से बिगड़ने लगें हालात, तो घबराएं नहीं!

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब ग्रहों की चाल बदलने वाली होती है या व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करने वाली होती है, तब उससे पहले कुछ ऐसे संकेत दिखाई दे सकते हैं जिन्हें अक्सर लोग दुर्भाग्य समझ बैठते हैं। हालांकि इन संकेतों को भविष्य की गारंटी नहीं माना जा सकता, लेकिन पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार ये जीवन में नए अवसरों और भाग्य परिवर्तन की ओर इशारा कर सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जीवन में सुख और दुख दोनों का संबंध ग्रहों की स्थिति, दशा और कर्मों से माना जाता है। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रह परिवर्तन की स्थिति बनती है, तब कुछ समय के लिए संघर्ष बढ़ सकता है। कई ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि यह समय व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाने और नए अवसरों के लिए तैयार करने का भी काम करता है।

अचानक पुराने काम रुक जाना

अगर लंबे समय से चल रहे काम अचानक रुक जाएं या योजनाएं बार-बार बदलने लगें, तो इसे केवल नकारात्मक संकेत नहीं माना जाता। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार कई बार पुराने रास्ते बंद होते हैं ताकि व्यक्ति के लिए बेहतर अवसरों का मार्ग खुल

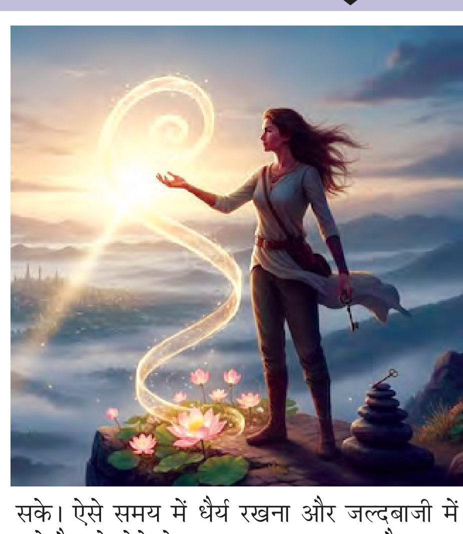

सके। ऐसे समय में धैर्य रखना और जल्दबाजी में बड़े फैसले लेने से बचना शुभ माना जाता है।

बार-बार एक ही शुभ संकेत दिखाई देना

ज्योतिष और आध्यात्मिक परंपराओं में माना जाता है कि यदि लगातार कुछ विशेष संकेत बार-बार दिखाई दें, जैसे मंदिर की घंटियों की आवाज सुनाई देना, सफेद या पीले रंग की चीजें बार-बार नजर आना या सुबह-सुबह शुभ पक्षियों का दिखना, तो यह सकारात्मक ऊर्जा का संकेत हो सकता है। हालांकि इन संकेतों को अंधविश्वास की बजाय व्यक्तिगत आस्था और सांस्कृतिक मान्यताओं के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

मन में अचानक सकारात्मक बदलाव महसूस होना

कभी-कभी बाहरी परिस्थितियां नहीं बदलतीं, लेकिन व्यक्ति का नजरिया बदलने लगता है। अगर लंबे समय से तनाव में रहने के बाद अचानक मन शांत रहने लगे, नई उम्मीदें जागने लगें और आत्मविश्वास बढ़ने लगे, तो ज्योतिष में इसे शुभ ग्रहों के प्रभाव का संकेत माना जाता है। यही सकारात्मक सोच आगे चलकर बेहतर निर्णय लेने में भी मदद कर सकती है।

पुराने रिश्ते सुधरने लगें

जब लंबे समय से दूर हुए लोग दोबारा संपर्क करने लगें या परिवार में चल रहे विवाद धीरे-धीरे खत्म होने लगें, तो कई ज्योतिषाचार्य इसे सकारात्मक ग्रह परिवर्तन का प्रभाव मानते हैं। अच्छे संबंध अक्सर जीवन में नई संभावनाओं और मानसिक शांति का कारण भी बनते हैं।

मेहनत के छोटे-छोटे परिणाम मिलने लगें

कई बार बड़े बदलाव आने से पहले छोटे-छोटे अच्छे परिणाम मिलने शुरू हो जाते हैं। जैसे लंबे समय से रुका हुआ भुगतान मिल जाना, इंटरव्यू का कॉल आना, किसी पुराने मित्र से लाभदायक संपर्क होना या नई नौकरी का अवसर मिलना। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ये संकेत इस बात की ओर इशारा कर सकते हैं कि जीवन धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में बढ़ रहा है।

धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ना

अगर अचानक पूजा-पाठ, ध्यान, मंत्र जाप या धार्मिक स्थानों पर जाने की इच्छा बढ़ने लगे, तो इसे भी कई परंपराओं में शुभ माना गया है। माना जाता है कि जब व्यक्ति की मानसिक ऊर्जा सकारात्मक होने लगती है, तब उसका मन स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिकता की ओर आकर्षित होता है। इस दौरान नियमित प्रार्थना, ध्यान और सकारात्मक सोच बनाए रखना लाभदायक माना जाता है।

क्या केवल संकेतों के भरोसे रहना सही है?

ज्योतिष हमें संभावनाओं और संकेतों के बारे में बताता है, लेकिन सफलता का सबसे बड़ा आधार कर्म ही माना गया है। यदि जीवन में कठिन समय चल रहा है, तो केवल शुभ संकेतों का इंतजार करने की बजाय लगातार मेहनत, सही निर्णय और सकारात्मक सोच बनाए रखना जरूरी है। कई बार परिस्थितियां बदलने की शुरुआत हमारे अपने प्रयासों से ही होती है।

अभिनय के जादूगर मनोज वाजपेयी

अब ऐसे कलाकार कम है जिनकी फिल्में उनकी अदाकारी और उसकी विविधता के लिये देखी जाती हों . स्टारडम की दौड और उसकी चकाचौध से हट कर अभिनय कला के बूते फिल्म को प्रभावी बनाना आसान नहीं होता .होता भी है तो कलाकार स्टिरियो टाइप्ड हो जाते हैं और मिली सफलता को ही आगे बढाने की कोशिश में लग जाते हैं वास्तव में वह इस धारणा का शिकार हो जाते हैं कि दर्शक उनको इसी रूप में देखना चाहते हैं . कामयाबी के साथ आयी मुनाफे की राशि को भी इस विचार में रखा जाता है कि इसे कैसे चार गुणा और बढाया जाये फिल्मी व्यापार की इस चली हुई सोच के बीच भी कुछ समर्पित और जुनूनी आर्टिस्ट है जो अपनी हर नयी फिल्म से एक नयी सक्सेस स्टोरी लिखने के लिये उत्सुक रहते हैं . यद्यपि समानांतर सिनेमा का युग बीत गया जिसने उम्दा अभिनेता दिये जिन्होंने बेमिसाल अभिनय की छाप छोडी . उसी श्रेणी में ऐक्टर मनोज वाजपेयी को रखा जाता तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी .किसी शायर ने खूब लिखा " किरदार में वो इस कदर ढल जाता है ,कि देखने वाला खुद को भूल जाता है /हुनर ऐसा है उसकी हर अदा में ,पर्दे पर जैसे कोई जादू उतर आता है // अभिनेता मनोज वाजपेयी ने अपनी ऐक्टिंग से यही किया .

उन्होंने " सत्या " "गैंग्स आफ वासेपुर " और " द फैमिली मैन " जैसे प्रोजेक्ट्स से दर्शकों के दिलों में जगह बनायी . और हिंदी सिनेमा में यथार्थवाद को नयी उंचाइयां दीं . पहली बार फिल्म " सत्या ' में भीखू म्हात्रे के प्रभावी रोल को निभा चर्चा में आये जिसे पर्दे पर देख दर्शक हैरान हुए .इस भूमिका ने मनोज वाजपेयी को रातों रात नामी सितारा बना दिया . डायलाग डिलीवरी में नया तरीका पेश किया जिसने हिंदी फिल्मों के खलनायकों की पुरानी रुढियों को तोडा . यह किरदार बेंच मार्क बना जिसको दर्शक भूले नहीं हैं . पिछले दिनों एक फिल्म प्रदर्शित हुई " गवर्नर " जो नब्बे के दशक की कमज़ोर पडी अर्थ व्यवस्था और उसे पटरी पर लाने के लिये किये प्रयासों पर आधारित है शीर्षक भूमिका को मनोज ने जिस दमदार अंदाज़ में खेला वह उनके अभिनय कौशल को उजागर करता है . अपने सहज ,यथार्थवादी अभिनय और इमोशनल गहराई को स्क्रीन पर शिद्दत से पेश करने की महारत उनको लीक से हटाती है .भाव – भंगिमाएं उनके खेले चरित्रों का मज़बूत और खूबसूरत किला होती हैं जो अभेद्य होता है . अपारंपरिक भूमिकाओं को निभाने में उनकी मास्टरी है .वही

उनकी पहचान बना . . डांस ,ऐक्शन और रोमांस को ही जब फिल्मों की सफलता की ग़ारंटी माना जा रहा हो और उसी त्रिकोण में फिल्मी ताने बानों को बुना जा रहा हो तब कुछ अपारंपरिक फिल्में बेहतर कंटेंट की ओर ध्यान आकर्षित करती हैं.

मनोज वाजपेयी की फिल्मों ने बीते 30 सालों में नरेशन कि जिस रीति को स्थापित किया वो ताज़ा हवा के झोंके का एहसास करवाती हैं . वर्ना अकारण के ऐक्शन ने दर्शकों को ऊबा दिया है . उल्लेखनीय तथ्य है कि इन फिल्मों की इतनी ज़बर्दस्त मार्केटिंग की जाती है कि दर्शक उसे देखे या देखने का इंतज़ार करें . इस प्रवृत्ति ने कंटेंट फुल फिल्मकारों का नुकसान किया है जिससे सिनेमा ने कथाओं की रंगत , रौनक और रमणीयता को खो दिया है . फिल्म उद्योग में कडे संघर्ष के बाद मनोज वाजपेयी ने जो मकाम हासिल किया वह प्रेरक है कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि मुंबई में शुरुआती दिनों में वह फिल्मों की शूटिंग के लंच के दौरान पहुंच जाते जिससे कि बिरियानी मिल जाए .

प्रसंगानुसार बचपन से ही अभिनेता बनने का सपना देखते थे दिल्ली की नाट्यशाला में दाखिला लेने के लिये चार बार आवेदन किया लेकिन हर बार उनको रिजेक्ट कर दिया गया .यह उनके जीवन का सबसे निराशाजनक वक्त था लेकिन हार नहीं मानी .बाद में एक मज़ेदार मोड आया जिस संस्थान ने उनको छात्र के रूप में लेने से रिजेक्ट कर दिया था उन्होंने उनको वहां पढाने का प्रस्ताव दिया . हिंदी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार डा रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां हैं ' नरता का आदर्श तपस्या के भीतर पलता है ,देता वही प्रकाश आग में जो अभीत जलता है ,झेलते दंश वीर व्रतधारी हो पाते कहीं अमरता के पद अधिकारी ,प्रण करना है सहज, कठिन है उसे निभाना सबसे कठिन है प्रण को साकार करना " अभिनेता मनोज वाजपेयी ने अपनी ज़िद से इसे साकार किया ..

उनकी फिल्म " शूल " एक ईमानदार पुलिस वाले की कथा थी जिसने उनके ऐक्टिंग कैरीयर को नये आयाम दिये .फिल्म " अलीगढ " " भोंसले " " सिर्फ एक बंदा काफी है " "पिंजर ' और " सोनचिरिया "इत्यादि ने ख्याति की खूब सुर्खियां बटोरीं .उनके अभिनय की विशेषता है कि कमज़ोर पटकथा से ऊपर उठकर उसे दिलचस्प बना देते है. किसान के बेटे वाजपेयी अक्सर कहते हैं कि वह भोजपुरी में सोचते हैं कि अपनी ऐक्टिंग व चरित्र को कैसे दमदार बनाया जाए .23 अप्रैल 1969 को बिहार के बेतिया शहर के पास बेल्वा गांव में जन्मे इस अभिनेता ने मेथड आफ ऐक्टिंग की परिभाषाओं को नया रूप और कलेवर दिया .उनके अभिनय कौशल को इसी से समझा जा सकता है कि उन्हें अभी तक 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 4 फिल्मफेयर पुरस्कार और 2 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त चुके हैं .भारत सरकार द्वारा उनको अभिनय के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये सन 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया है . मनोज वाजपेयी ने अपने तीन दशकों के ऐक्टिंग कैरीयर से जिस सफल गाथा को लिखा है वह चरित्रों तथा शब्दों को नहीं बल्कि उन शब्दो के पीछे के मौन और जज़्बातों को आवाज़ व भाव भंगिमाएं देता है जो दिलों में याद छोडता है .

काव्य कुंज

मन और मौसम

मौसम बड़ा ही चंचल है
टिकता नहीं कहीं पल भर ।
पल भर में रूप बदलता है,
कहीं काली घटा रिमझिम बनकर,
मयुरों से नृत्य कराता है ।
कहीं तपिश -ताप भट्टी बनकर,
धरती को खूब जलाता है ।
कभी तेज पवन के झोंकों से
तरुओं का दिल दहलाता है।
मन भी वैसा ही चंचल है,
वश में नहीं वो रहता है,
मस्तमौला है मनमौजी है
अपने मन की करता है ।
कभी हँस कर स्वागत करता है
कभी दिल को बङा दुखाता है
कभी दया की मूर्ति बन जाता है
कभी कुटिल कठोर बन जाता है ।
जो कभी जान से प्यारा था
वही दुश्मन बन जाता है।
कभी घंटों चुपचाप रहता है
कभी वह वाचाल दूत बन जाता है ।
मन और मौसम एक से है
पल में सँवरते पल में बिगड़ते है
दोनों ही अनसुलझे से रहते हैं।
उनको सुलझा पाना बहुत ही मुश्किल है
मन और मौसम एक से हैं
उनको समझ पाना बड़ा मुश्किल है।

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

महंगाई की मार

मोनिका डागा,
चेन्नई

रोज मिल रहे हैं बस नए-नए ज़ख्म,
किसे कहें अपना दर्द खुलकर हम,
आम आदमी तो टूट रहा है हर दिन,
दैनिक जीवकोपार्जन है बड़ा कठिन ।
कमर तोड़ती हुई ये महँगाई की मार,
चक्रवृद्धि ब्याज सी दरें बढ़ती तीव्र धार,
आमदनी होती जा रही धीरे-धीरे कम,
महँगाई ने भैया कर रखा नाक में दम ।
सरकारें बस बदलती और बनती है नई,
पर महँगाई पर अंकुश नहीं लगाता कोई,
आम आदमी को देते हैं झाँसा अक्सर,
सब स्वविकास की दौड़ में है बस तत्पर ।
सोना-चाँदी ख़्वाबों में भी नहीं खरीद सकें,
पहले दाल-रोटी तो नसीब से पूरी मिल सकें,
आम आदमी केवल बोझा ढोता रहता सारा ,
पेट्रोल गैस राशन तेल सबने बार-बार मारा ।
गरीबी की रेखा से है ऊपर पर अमीर कहाँ,
तड़पता खड़ा उसी बिन्दु पर बरसों से वहाँ,
चिंताओं के घेरे में व्याकुल किस्मत को कोसें,
जीवन ₹आनंद₹ मिल सकता कभी क्या उसे ।
अमीरों को नहीं पर पड़ता हैं ज्यादा फर्क,
आम आदमी देखता जीवन को होते नरक,
बस चुनावों के समय बनाया जाता महाराजा,
काम निकलते ही सरकारें बजाती उसका बाजा ।

आंगन की क्रिकेट

नन्हे हाथों में बल्ला है,
आँखों में अरमान।
आँगन ही बन गया आज,
सपनों का मैदान॥
हँसी-ठिठोली, दौड़-भाग,
मस्ती की भरमार।
जीत-हार से दूर हैं,
प्यारा यह संसार॥
बहना फेंके पीली गेंद,भैया दे ललकार।
मिल-जुलकर जो खेलते, वही सच्चे परिवार॥
मोबाइल को छोड़कर,खेलें सब मिल साथ।
बचपन ऐसे ही खिले, हँसी रहे दिन-रात॥

प्रियंका सौरभ

हर दिन योग करें

गजानन पाण्डेय

योग - में शक्ति अपार
ये जीवन का आधार
सांस से जीवन है
ध्यान से संतुलन है ।
ऋषि - मुनियों ने अपनाया
जीवन में सिद्धि पायी।
जब तन - मन स्वस्थ हो
हर सफलता हासिल हो
सुख - शांति का यही राज
हर दिन करें योगाभ्यास ।

जिंदगी की दौड़

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जिंदगी की दौड़ में -
कभी आगे तो कभी पीछे
कबड्डी का खेल खेलते रहे
अब जाकर जब सांस ली -
तो देखा पीछे मुड़कर
आधी से ज्यादा उम्र ही निकल गई
और हमें पता तक नहीं चला।
आज हो रहा है यह एहसास
काश ! कुछ पल हमने चुरा लिए होते
या गुल्लक में रख दिए होते तो आज उसे बाहर निकाल
बचपन की उसी दहलीज पर जा पहुंचते
जहां हमारी मुस्कान के भी कुछ कद्रदान थे
जहां हमारी खुशियों की बारिश में
सहेलियां भीग -भीग जाती थीं, ' मैं ' फुर्र से उड़ जाता था
और ' हम ' की गहराई में सब डूब जाते थे।
वे बेबाक बातें और किस्से आज आंखों को भिगो जाते हैं
चेहरे की मुस्कान से जब , अश्रु जल का सामना होता है
वहां उम्र की परछाई दस्तक दे रही होती है
उम्र का घेरा अकेलेपन की हथेलियों से पूछता है
कहां गई वह नफासत , नजाकत ?
किंतु मुझे पता है , अब कलम ही मेरी सहचरी है
यही मेरी मुस्कान और अब यही मेरी धड़कन है
इस कलम ने तो इतिहास रचे थे
रणभेरी के समय कसीदे गढ़े थे
नवभारत में नव चेतना का चिंतन दिया
जीजीविषाओं का मंथन किया , नव जागरण के गीत लिखे
समय अब भी कुछ ऐसा ही आया है कि
नव चेतना जगाई जाय , उस उम्र को ढूंढ कर लाया जाय
और तब उसी जोश से , एक नई गीतांजलि लिखी जाए
जिसमें हुंकार हो और हिमनंदिनी का तांडव भी हो
जो वामा तो हो पर
सुभद्रा की ज्वाल के साथ मैथिली की उबाल हो
वाह सुकुमार हो पंत सी पर जिसमें सांकृत्यायन का राग हो
द्विवेदी सी कोशिश को चुनौती दे
और दुष्यंत के गजल की आग बने
जब इतनी चुनौतियों की पतंग हो साथ
फिर उम्र से क्या डरना?
यह गहन निशान छोड़े या निशान को गरल बनाए
हम तो वह चट्टान हैं अब
जहां विरल भी सरल बन मुस्कान बिखेरेंगे
क्या अब भी बचा है कोई कद्रदान ?

दर्द ने ख़ुद ही अपना राज़दार किया

संजीव ठाकुर,
रायपुर

तन्हाइयों ने मुझे इतना सँवार लिया,
किस्मत ने ही मुझे दूर से पुकार लिया।
हर एक ज़ख़्म को सीने से जब लगा बैठे,
दर्द ने ख़ुद ही हमें अपना राज़दार किया।
हवा के रुख़ ने कई बार आज़माया मगर,
शजर ने धूप में भी ख़ुद को सायेदार किया।
अपने ही बुरे वक्त में छोड़ गए साथ
दिल ने मगर सबको ख़ुशगवार किया।
नज़र में ख़्वाब,पैरों में छाले भी बहुत,
सफ़र ने हौसलों का फिर इम्तिहान लिया।
झूठ ने सच को दबाने की कोशिश की
समय ने सच के साथ ईकरार किया।
झुकाए सिर जो चले बुलंद होते गए,
गुरूर वालों के झूठ का इजहार हुआ।
संजीव दर्द को अश्आर में ढलने तो दिया,
ग़ज़ल ने फिर तुझे दुनिया में यादगार किया।

आषाढ़

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

गया जेठ अब आषाढ़ आया है।
होगी बारिशें ख़ूब,मन हर्षा या है।
हरी चूनर ओढ़े धरती माता ने,
अन्न से अब खेत भरा भराया है।
ये ऊँचे पेड़ मन को लुभाते है।
कचनार आम खूब सुहाते हैं।
रंगीले फूलों से लदी डालियाँ।
जिसे देख मन को भरमाते हैं।
परिवर्तन ही सृष्टि का नियम है।
पहाड़ी झरने, सब भर जायेंगे।
सरोवरों में पानी ऊपर आयेगा।
पेड़ों के पत्ते भी चमक जायेंगे।
हर मौसम की अदा निराली है।
बूँद बूंद की सदा निराली है।
हवा की आवाजें सूं सूँ करती है।
खिड़की से जब वो गुजरती है।
हवा में ठंड बढ़ गई है।
किशोरों के मन चढ़ गई है।
कीट पतंगे ज़्यादा उड़ रहे है।
हवा संग घर में घुस रहे है।
अब मौसम सुहाना होता है।
बस बारिशों में भीगना होता है।
कण कण धरती का हरा हो गया,
हर जगह दूब का उगना होता है।
धतूरा फूलों से लद गया है।
आम का सीजन जाने को है।
अब जामुन आये बेशुमार है,
खाओ ख़ूब अब खुमार है।

मंज़िल

टी तारासिंह
हैदराबाद

हाल हमारा पुछते है लोग
आंसू हमारे पोछते है लोग
दर्द भी इस जमाने ही दिया
खुशियाँ हमे कहाँ से नसीब होये ?
जीवन हमारा सवार ना सके
दिल का दर्द किससे बांटे
यहाँ सब ही है शरीफ इंसान
जीना - मरना है प्रित के संग
हमारी बाते तुम तक पहुंचे
हमारी खुशियाँ तुम तक पहुचे
हमारी मंज़िल बस तुम ही हो
हमारी मान - मर्यादा तुम ही हो ।।

भय से भरे हुए

डॉ टी महादेव राव

छीनने की दहशत से डरे हुए हैं
भीतर तक वे भय से भरे हुए हैं
डर में लफ़्ज़ हैं लड़खड़ाने लगे
पापों के परबत पर पसरे हुए हैं
लगे दूसरों की पीठ उन्हें गंदी
जबकि खुद गंदगी से भरे हुए हैं
गज़ब हैं खयाली तसव्वुर उनके
डराते हैं क्योंकि खुद डरे हुए हैं
देते हैं नकली मुस्कान से ढाढस
अंदर हर शिकस्त से उतरे हुए हैं
दिखावे का एहतमाद शान औ ठाठ
अन्दर खुद के अपने खतरे हुए हैं
भीड़ में भी एक दहशत चेहरे पे
दिल के हर कोने में बिखरे हुए हैं।

हकीक़त..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हकीकत समझ आ जाए
तो
ख़्वाब मर जाया करते हैं
आदमी
छलांगें
तो उच्ची लगाना चाहता है
सितारों को
झोली में भरना चाहता है
जैसे ही
गहराई का अंदाज..
अपनी औकात में
आ जाया करते हैं
हकीक़त..
ठीक है
पड़ोसी ने
तामझाम एकत्रित की है
ये भी तो हो सकता
एडी चोटी की तदबीर
लगा दी है
बेवजह हवा में उड़ना
खाई तैयार करते हैं
हकीक़त..
एक ही कोख से जन्में
भाग्य एक से नहीं होते
पैरेंट्स की अपार कोशिश
लेकिन
पूर्व कर्म
एक पंक्ति में
खड़ा नहीं होने देते
जान कर अंजान
मुंगेरी सपने
अपनी कब्र
स्वयं बना लिया करते हैं
हकीक़त..

क्यूं बिखरा है सन्नाटा!

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

बिखरा हुआ है सन्नाटा सा क्यूं?
कराहता है हर आहत मन क्यूं?
हर बार चढ़ाई जाती हैं,
बलि वेदी पर,
कुछ बेकसूर मासूम सी
जीवन गाथाएं,कैसे और क्यूं?
अपराध के लम्बे हाथों ने हर बार बनाया,
कानून का मज़ाक और ध्वस्त कर दिया,
तोड़ मरोड़ कर खंडित कर दिया,हर बार विश्वास का तार।
निरपराध हत्याओं का अब तो जैसे दौर ही चल पड़ा,
एक को भुला नहीं पाते, पुनः दूजे का मुद्दा उछल गया,
नृशंसता बर्बरता हावी हो रही समाज के,
तथाकथित ठेकेदारों पर, रखवालों पर,
सुरक्षित नहीं बचा है कोई भी घर परिवार,
अब ऊंची पहुंच के वारों से, हत्यारों से।।
कभी औरत बनी औरत की दुश्मन,
कभी इंसा का इंसा पर आक्रमण,
दफ़न कर दिया इंसानियत को,
समाज के कद्दावर गद्दारों ने।
जब रक्षक ही भक्षक बन जाये,
तो भोलाभाला, निरीह प्राणी किसकी शरण में जाये?
इक अंतहीन पहेली सा बन गया है व्यभिचार,
बंद करो अब घृणा का व्यापार,
बंद करो यह अत्याचार।।

“अल्फाज”

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

अल्फाज दिल के बहुत करीब,
कोई ना होता इससे गरीब
खामोशियों से जो समझ न पाए,
अल्फाजों से वह बयां कर पाए
कागज पर उतारे या लफ्जों से कहे,
पढ़ने वाले जज्बात को अल्फ़ाज़ न कहे
दास्तानें कई बयां कर जाते,
उम्मीद का आधार है बनते
आँखों से बह कर कागज पर उतर आते,
हृदय में छुपे भाव अल्फाजों से कह जाते
अल्फाजों के खेल निराले,
कभी हँसाए, कभी रुलाए,
कभी हँसाए, कभी रुलाए।

स्वप्न लोक

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

स्वप्न लोक में उड़ चली,
बनकर एक सुंदर परी।
सितारों से चमचमाते तन,
वस्त्रों पर चमकी जरी।।
अद्भुत से एक नगर में,
असत्य का न नाम था,
सिर्फ सत्यता की राह पर,
चलता हर गाँव था,
ऊँची नीची डगर पर भी,फिसलता न पाँव था
विजयपथ के गड़े झंडे,पराजय का न दाँव था,
दिव्यलोक की धरा पर,खुशियाँ ही खुशियाँ भरी।
स्वप्न लोक में उड़ चली,बनकर एक सुंदर परी।
सितारों से चमचमाते तन,वस्त्रों पर चमकी जरी।।
स्वच्छंद हर जीव जंतु , सबको सबसे प्यार था,
कोई किसी का भी , करता नहीं शिकार था,
कोई न राजा, न रंक,सबको सम अधिकार था
खुशनुमा मौसम में सुगँध का न्यारा संसार था,
प्रेम के अथाह समुंदर में, नावें भी ममत्व भरी।
स्वप्न लोक में उड़ चली, बनकर एक सुंदर परी।
सितारों से चमचमाते तन ,वस्त्रों पर चमकी जरी।।

बरसात आने की प्रसन्नता

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

ये काली घटाएँ
जब गगन में मुस्कुराती हैं,
सूखी धरती के होंठों पे
हरियाली छाती है।
रिमझिम बूँदों का
मधुर स्वर सुनाई देता है,
मन का हर कोना
खुशियों से भर जाता है।
धूप से व्याकुल जीवन को राहत मिलती है,
मिट्टी की सोंधी-सोंधी 'खुशबू' दिल छूती है।
पेड़-पौधे नया जीवन पाकर झूमते उठते हैं,
नदियाँ, तालाब व झरने गुनगुनाने लगते हैं।
बच्चे कागज़ की नावें लेके निकल पड़ते हैं,
बारिश की बूँदों संग 'मोती' भी बिखरते हैं।
छाता थामे हर चेहरा मुस्कान से खिलता है,
सावन का सुहाना मौसम मन को भाता है।
बारिश सिर्फ पानी नहीं, खुशियों का सन्देश,
प्रकृति का अनुपम उपहार जीवन हैं विशेष।
जब-जब सावन की फुहारें धरती पे आती हैं,
हर दिल में नई उमंग संग प्रसन्नता जगाती हैं।

उलाहना

कमलेश गुप्ता

खड़ी रह गई मै यहीं की यहीं,
बिन तुम्हारे मेरा कोई सहारा नहीं।
चली आती तुरत दौड़कर मैं वहीं,
तुमने मुझको दुबारा पुकारा नहीं।।
जाते हो आते हो, आते हो जाते हो,
कहां,कब और क्यों कुछ नहीं बताते हो।
होती हूं परेशान समझ कुछ पाती नहीं,
अक्सर ही जाने क्यों तुम यूं ही सताते हो।
जब से मिले हो तब से यही एक कहानी है
सताने की आदत तुम्हारी यह पुरानी है,
सोचती थी बदलोगे तुम भी समय के साथ,
लेकिन 'वही ढाक के तीन पात'
वाली कहावत दोहरानी है।

अनुपम भोर

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

सदा स्मरण रहता है मुझ को,
वह सागर तट का अनुपम भोर
कंक्रीट के जंगल में भ्रमित
मेरा यह संकुचित मन
शायद भूल गया था
अर्थ ही विस्तार का
यहाँ एक और क्षितिज तक
फैला था नीला सागर
और किनारे पर थे बिखरे
रजत कणों से सिक्ता ढ़ेर
मंत्रोच्चार सा गूंज रहा था
वहाँ सागर का ब्रह्म नाद
उसी नाद पर नर्तन करती
लहरें मचल रहीं थीं मचल
मचल कर आगे बढ़ती
फिर बाल सूर्य का करके वंदन
बारी बारी पीछे हटती थीं
बदले में वे पाती थीं स्वर्णिम किरणों का वरदान
जिसकी ऊष्मा में पलता है रत्नाकर का संसार
पूजन की इस बेला में मैं भी तो नतमस्तक थी
प्रकृति की इस रचना में डूबी मैं रोमांचित और ठगी थी
भींगेभींगे बालू पर चलना अंतःस्थल में भरती शीतलता
नन्हें नन्हें सीप बटोरते छलक छलक उठता था बचपन
स्मृति के मधुर पटल पर संचित होगें सदा सदा वे
जीवन के वे मीठे पल मीठे पल भी एक उपलब्धि है
जो मन को देते शक्ति हैं ये प्रकृति है,हमारी चिर सहचरी
इसीलिए तो मौन निमंत्रण देती है
पाने को इसका मधुर साहचर्य हम मानव दौड़े आते हैं ।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

गुलाबी पेट्रोल, टैंक में चींटी के वीडियो वायरल!

कहीं गुलाबी रंग का पेट्रोल, कहीं टैंक से चिपकी चीटियां, कहीं पेट्रोल के साथ दिखता पानी। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियोज वायरल हैं और सभी के साथ एक ही नाम जुड़ा है- एथेनॉल। इन वीडियोज की असलियत संदिग्ध हो सकती है, लेकिन देश में एथेनॉल पर बहस बिल्कुल असली है। आखिर पेट्रोल में जबरन एथेनॉल मिलाने पर क्यों तुली है सरकार, क्या हैं इसके फायदे-नुकसान और आगे का रास्ता; इसकी पडताल करती रिपोर्ट। ... एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो गन्ना, मक्का और चावल वगैरह से बनता है। ये ज्वलनशील होता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर ईंधन की तरह इस्तेमाल करने पर कई स्टडी हुईं और अच्छे नतीजे आए। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात करता है। जबकि एथेनॉल बनाने के लिए जरूरी गन्ना, मक्का और चावल जैसी फसलें देश में ही पैदा होती हैं। इसलिए 2001 में भारत सरकार ने एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुछ पेट्रोल पंपों पर 5% एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सप्लाई की। ये सफल रहा। इसके बाद 2003 में शुरू हुआ एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम...। शुरुआत में 9 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों में 5% एथेनॉल ब्लेंडिंग वाला पेट्रोल बेचने का टारगेट रखा गया। लेकिन 2013-14 तक पेट्रोल में सिर्फ 0.1% से 1.5% एथेनॉल मिला होता था। मई 2014 में मोदी सरकार आई। नितिन गडकरी परिवहन मंत्री बने। उन्होंने बायोफ्यूल और एथेनॉल ब्लेंडिंग पर जोर दिया। सरकार बनने के महीनेभर में एथेनॉल ब्लेंडिंग का टारगेट 5% से 10% कर दिया। जून 2022 में लक्ष्य पूरा भी कर लिया गया। 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग के लिए सरकार ने 2030 तक का टारगेट तय किया था, लेकिन इसे भी 2025 में हासिल कर लिया। 1 अप्रैल 2026 तक देशभर में E20 पेट्रोल रोलआउट हो चुका है। इसके अलावा देश के 48 पेट्रोल पंपों पर E85 पेट्रोल भी रोलआउट हो चुका है। यानी 85% एथेनॉल और सिर्फ 15% पेट्रोल। दिसंबर 2026 तक इसे 500 पंपों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। 10 जून को नितिन गडकरी ने कहा कि उनकी सरकार ने 100% एथेनॉल पर चलने वाले वाहनों को भी मंजूरी दे दी है।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के सरकार 3 बड़े फायदे गिना रही है...। 1. 1. पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की वजह से भारत को 302 लाख मीट्रिक टन कम तेल आयात करना पड़ा। इससे पिछले 12 सालों में 1.84 लाख करोड़ रुपए विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

सरकार पेट्रोल में जबरन एथेनॉल मिलाने पर क्यों तुली है, इसके पीछे की कहानी

2. एथेनॉल बनाने में तीन फसलों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है- मक्का, गन्ना और चावल। 2025-26 में 91.89 लाख हेक्टेयर जमीन पर मक्के की खेती हुई है, जो पिछले साल से 10.5% ज्यादा है। इसी तरह गन्ना और चावल की बुआई भी बढ़ी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक पिछले 12 साल में एथेनॉल प्रोजेक्ट से किसानों को 1.58 लाख करोड़ रूपए की कमाई हुई है।

3. नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल की तुलना में गन्ने और मक्के से बनने वाले एथेनॉल के इस्तेमाल करने से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन 60% से 65% तक कम होगा। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक १२ साल में एथेनॉल प्रोजेक्ट से 909 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कटौती हुई है।

इसके बावजूद भारत के एथेनॉल प्रोजेक्ट में मोटेतौर पर 5 दिक्कतें हैं...।

कम माइलेज और इंजन में खराबी की शिकायत

दिल्ली के पालिका भवन में 20 साल से कार रिपेयरिंग कर रहे दीपक राज बताते हैं, 'जब से पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ी है, तब से फ्यूल से जुड़े पार्ट्स फ्यूल सेंसर, पंप और फिल्टर तीनों में दिक्कते आ रही है। फ्यूल टैंक में काई जमने की शिकायतें भी आई हैं।' ऑटोमोटिव एक्सपर्ट कहते हैं, 'एथेनॉल से लोग गाड़ियों का माइलेज कम होने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन इसकी सही तरीके से टेस्टिंग नहीं हो रही है। सरकार और एजेंसी को माइलेज की टेस्टिंग करके डेटा पेश करना चाहिए।' 2023 से पहले के कार मॉडल्स के मैनुअल में कंपनियों ने साफतौर पर लिखा है कि उनमें ज्यादा से ज्यादा E10 फ्यूल इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसलिए कम माइलेज और इंजन में खराबी की शिकायतें थोक में आ रही हैं। पिछले महीने मारुति सुजुकी ने फ्लेक्स इंजन कार लॉन्च की है, लेकिन पहले 4 हफ्तों में ऐसी सिर्फ 3 कारें बिकीं। फ्लेक्स फ्यूल इंजन, जो 100% पेट्रोल, 100% एथेनॉल या दोनों के किसी भी ब्लेंड से चले।

एथेनॉल सस्ता, लेकिन जनता को पेट्रोल के रेट पर मिल रहा

2018 में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया था कि एथेनॉल ब्लेंडिंग से डीजल 50 रुपए लीटर और पेट्रोल 55 रुपए लीटर तक मिलने लगेगा।

ब्राजील के पेट्रोल पंपों में इस तरह से पेट्रोल के अलग-अलग नोजल होते हैं।

अप्रैल 2026 से सरकार ने पूरे देश में E20 फ्यूल अनिवार्य कर दिया है, लेकिन पेट्रोल-डीजल के दाम ज्यों के त्यों बने हुए हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग के बावजूद भी उनके दामों में कोई कमी नहीं आई है। एक लीटर एथेनॉल करीब 58 रुपए का है। हिसाब लगाएं, तो भोपाल में E20 पेट्रोल की अनुमानित कीमत 102 रुपए होनी चाहिए, जो फिलहाल 114 रुपए है। एथेनॉल के दाम अभी सरकार तय कर रही है। अगर सरकार ऐसा बंद कर दे तो एथेनॉल सस्ते दाम पर भी बिक सकता है, जिससे एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल के दाम और घट सकते हैं।

एक लीटर एथेनॉल बनाने में 10 हजार लीटर तक पानी खर्च

2021 में छपी नीति आयोग और पेट्रोलियम मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, एक टन गन्ने से 100 किलो चीनी और 70 लीटर एथेनॉल बन सकता है। एक लीटर एथेनॉल के लिए करीब 3000 लीटर पानी लगता है। मक्के में ये आंकड़ा 2570 लीटर, चावल और गेहूं में 4,480 से 4,900 लीटर है। 2024 में दिल्ली में हुए कार्यक्रम में देश के फूड सेक्रेटरी संजीव चोपड़ा ने डेटा दिए थे कि चावल से एक लीटर एथेनॉल बनाने के लिए करीब 10,790 लीटर पानी लगता है। वहीं मक्के में ये आंकड़ा 4670 लीटर और गन्ने में 3636 लीटर है। भारत के लिए ये चिंता की बात है। बीते कुछ सालों से दिल्ली, बेंगलुरू, चेन्नई जैसे शहर Day Zero के करीब पहुंच जाते हैं, यानी पानी के सभी सोर्स से सप्लाई बंद होने का खतरा।

मक्का-गन्ने की खपत बढ़ी, तो दाल-तिलहन पर संकट

भारत में हर साल करीब 50 करोड़ टन गन्ना, करीब 5 करोड़ टन मक्का और करीब 15 करोड़ टन चावल होता है। यहीं तीनों फसलें भारत में बनने वाले एथेनॉल का कच्चा माल हैं। 2024-25 में एथेनॉल प्रोडक्शन के लिए सरकार ने 52 लाख टन चावल आवंटित किया था और अब 2025-26 में 90 लाख टन का लक्ष्य रखा है। एथेनॉल प्रोडक्शन बढ़ने से गन्ना, मक्का और चावल की मांग बढ़ रही है। किसान इन्हें ज्यादा उगाना पसंद कर सकते हैं, जिससे दालों और तिलहन की पैदावार घट सकती है। जबकि भारत पहले से ही दाल और तिलहन विदेशों से खरीद रहा है।

नितिन गडकरी पर सवाल

एथेनॉल ब्लेंडिंग को प्रमोट करने में नितिन गडकरी सबसे आगे रहे हैं। उन पर कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट के आरोप भी लगते हैं। दरअसल, उनके बेटे सारंग गडकरी और निखिल गडकरी पूर्ति ग्रुप के जरिए चीनी और एथेनॉल प्रोडक्शन करते हैं। ग्रुप की मानस एग्रो इंडस्ट्रीज 2022 में सालाना करीब 2 करोड़ लीटर एथेनॉल बना रहा था। वहीं सियान एग्रो इंडस्ट्रीज ने कार्बन डाइऑक्साइड से एथेनॉल बनाने का एग्रीमेंट किया है। जुलाई 2021 में सियान एग्रो के एक शेयर की कीमत 36.4 रुपए थी, जो अभी 1659.8 रुपए पर पहुंच गई है। यानी 5 साल में करीब 4460% की बढ़त। इस बीच अक्टूबर 2025 में ये अपने रिकॉर्ड हाई लेवल 3122 रुपए पर पहुंचा।

अप्रैल 2026 में जब देश में E85 फ्यूल की चर्चा थी, तब इस कंपनी के शेयरों पर रोज अपर सर्किट लग रहा था। यानी शेयर का दाम हर रोज 5% बढ़ रहा था। कांग्रेस ने नितिन गडकरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि E20 को बढ़ावा देना क्या लोगों की भलाई के लिए है या फिर कंपनियों के लिए कथित मुनाफे के लिए? अक्टूबर 2025 में गडकरी ने कहा था कि सरकार हर साल 1400 करोड़ टन एथेनॉल खरीदती है। मेरे बेटों की कंपनी का देश के कुल एथेनॉल सप्लाई में 0.5% से भी कम हिस्सा है।

सरकार के लिए मुफीद यही होगा कि फ्लेक्स इंजन गाड़ियों की बिक्री बढ़ाएं और ब्लेंडिंग की रफ्तार धीमी करें। एथेनॉल ब्लेंडिंग के सबसे पुराने और कारगर मॉडल ब्राजील की तरह भारत में भी फ्लेक्स फ्यूल इंजन वाली गाड़ियों की बिक्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ब्राजील ने ऐसी गाड़ियों पर कम टैक्स लिया, जिससे लोगों को सस्ते दाम पर गाड़ियां मिलीं। आज वहां बिकने वाली करीब 85% कारें फ्लेक्स फ्यूल इंजन वाली हैं।

एथेनॉल अनिवार्य न कर लोगों को विकल्प मिले

ब्राजील के पेट्रोल पंपों पर लोगों को E27, E100 जैसे फ्यूल ऑप्शन मिलते हैं। यानी वो जो पेट्रोल चाहे खरीद सकते हैं। इसे भारत की तरह अनिवार्य नहीं किया गया है। ग्राहकों को सार्वजनिक टेस्टिंग के जरिए एथेनॉल के फायदों के साथ-साथ नुकसान के बारे में भी बताया जाना चाहिए था। लोगों को यह चुनने का मौका देना चाहिए कि वो एथेनॉल इस्तेमाल करना चाहते हैं या नहीं। जो एथेनॉल चुने, उन्हें प्रोत्साहन देना चाहिए।

पारदर्शिता लाई जानी चाहिए

भारत की गाड़ियों पर एथेनॉल के असर पर ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने स्टडी की थी, लेकिन इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। सरकार इसे गोपनीय बताती है। जबकि जो सच है वह पब्लिक को बताना चाहिए। जैसे ऐवरेज में कमी आएगी, इंजन में खराबी आएगी, पुरानी गाड़ियों की रीसेल वैल्यू घटेगी। लोगों को बताना चाहिए कि क्या टेस्ट हुए थे और उसकी क्या रिपोर्ट आई थी। 2021 में नीति आयोग ने सिफारिश की थी कि एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल सस्ते दाम पर बेचा जाना चाहिए। लेकिन E20 रोलआउट होने के बाद पेट्रोल की कीमतों में कोई कमी नहीं आई है।

भारत में अभी ज्यादातर एथेनॉल सीधे गन्ने या अनाज से बन रहा है, जो फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल है। इससे पानी और खाने की कमी हो सकती है। सरकार को सेकेंड जनरेशन एथेनॉल पर फोकस करना चाहिए, जो गन्ने की खोई, पराली, बांस, धान की भूसी और अन्य कचरे से बनाया जाता है। भारत में हर साल 16 करोड़ टन धान की पराली होती है। इसका इस्तेमाल एथेनॉल में करने से प्रदूषण भी कम होगा और फसल में लगने वाले ज्यादा पानी की भी बचत होगी।

'सेठजी शुद्ध गीता छपवानी है तो खुद का प्रेस लगा लीजिए'

इस एक ताने से शुरू हुई थी गोरखपुर की गीताप्रेस

यूपी का गोरखपुर वो शहर है, जहां नाथ संप्रदाय के गुरु गोरक्षनाथ कभी धूनी रमाया करते थे। अपने आखिरी दिनों में इस शहर में ही आकर निर्गुण संत कबीर को सुकून मिला। यह है उत्तर प्रदेश का शहर गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ की धरती गोरखपुर शहर एक बात के लिए और भी जाना जाता है। वह है धार्मिक पुस्तकों के प्रकाशन का सबसे बड़ा केंद्र गीताप्रेस माना जाता है। गीताप्रेस के शुरू होने की कहानी बेहद रोचक है, जिसकी शुरुआत सेठजी के नाम से मशहूर जयदयाल जी गोयन्दका ने की थी। इसी गीताप्रेस ने अपने बारे में चल रही अफवाहों को लेकर बीते दिनों जब खंडन किया तो एक बार फिर यह प्रेस चर्चा में आ गया है।

खबरों के अनुसार राजस्थान के चुरू में जन्मे सेठजी यानी जयदयाल गोयन्दका के बारे में कहा जाता है कि जब वह कोई तेरह वर्ष के रहे होंगे, तब नाथ-संप्रदाय के संत मंगलनाथजी महाराज चुरू आए। जयदयालजी के मन पर मंगलनाथजी के त्याग और वैराग्य की गहरी छाप पड़ी। जब वह 18 साल के थे, तब वह कारोबार के लिए पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा पहुंच गए थे। हालांकि, कुछ साल बाद व्यापार का कार्य घरवालों पर छोड़ कर श्रीमद्भगवद्गीता के प्रचार प्रचार में लग गए। 22 वर्ष की आयु में वह सत्संग व्याख्यान देने लगे थे। कोलकाता, चक्रधरपुर, खड़गपुर जहां कहीं भी वह रहते, वहां उनका सत्संग जरूर होता था।' बहरहाल, सेठ जी को उन दिनों सत्संग के लिए न कोई मंच बनता था और न ही कोई प्रचार होता था। कोलकाता में धीरे-धीरे सत्संगियों की संख्या बढ़ती गई। तब बांसतल्ला गली में गोविंद-भवन नाम से एक स्थान किराये पर लिया गया। यहीं उन्होंने गोविंद भवन ट्रस्ट की स्थापना की। सेठजी के दोनों मित्रों हनुमान प्रसाद पोद्दार और घनश्यामदास जालान के भरोसे 1923 में गोरखपुर में एक छोटा सा मकान लगभग दस रुपये किराये पर लिया गया और गीता प्रेस की स्थापना हुई। निष्काम सहयोग और समर्पण से धीरे-धीरे गीता प्रेस सनातन धर्म साहित्य का विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन केंद्र बन गया। कलकत्ता में पहली बार छपवाई गीता की प्रतियांः मगर, शुद्ध पाठ और सही अर्थ की गीता सुलभ नहीं हो पा रही थी। उसमें प्रूफ की भूलों को ठीक करने में बहुत दिक्कत हो रही थी। सेठजी ने पुस्तक छपने के दौरान इतनी बार संशोधन किया कि प्रेस मालिक हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। उसने कहा कि इतनी शुद्ध गीता छपवानी है तो अपना प्रेस लगवा लीजिए। जयदयाल जी ने इसे भगवान की इच्छा मानकर सत्संग में इसका जिक्र किया। उस वक्त सत्संग में उनके गोरखपुर के दो मित्रों घनश्याम दास जालान और महावीर प्रसाद पोद्दार भी थे। उन दोनों मित्रों के भरोसे 1923 में गोरखपुर में एक छोटा सा मकान लगभग दस रुपये किराये पर लिया गया और गीता प्रेस की स्थापना हुई। 600 रुपये में एक हैंडप्रेस मशीन खरीदी गई। समय के साथ प्रेस का विस्तार होता गया। सेठजी और हनुमान प्रसाद पोद्दारजी (भाईजी) द्वारा लिखित पुस्तकें, गीता (हिन्दी अनुवाद सहित) और रामचरितमानस वहां से प्रकाशित होने लगीं। सेठजी, भाईजी, स्वामी रामसुखदासजी तथा कुछ अन्य लोगों के निष्काम सहयोग और समर्पण से धीरे-धीरे गीता प्रेस सनातन धर्म साहित्य का विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन केंद्र बन गया।

जयदयाल गोयन्दका

गीता प्रेस की हिंदी मासिक पत्रिका 'कल्याण' के प्रारम्भिक अंकों की लगभग एक वर्ष (1926-27) तक छपाई श्री वेंकटेश्वर मुद्रणालय, मुंबई में हुई थी। बाद में इसकी छपाई गोरखपुर में होने लगी। ऐसा दावा किया जाता है कि गीताप्रेस अब तक 90 करोड़ से ज्यादा पुस्तकें छाप चुका है। इनमें करीब 17 करोड़ प्रतियां कल्याण की हैं।

तपती धरती के लिए हर पौधा जीवन का प्रहरी है

धरती आज केवल गर्म नहीं हो रही, बल्कि धीरे-धीरे अपनी जीवनदायिनी हरियाली भी खो रही है। जलवायु परिवर्तन, अल-नीनो का प्रभाव, रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी, घटते जल स्रोत और लगातार बढ़ते सूखे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। ऐसे समय में वृक्षारोपण को केवल एक वार्षिक अभियान या सरकारी औपचारिकता मानना सबसे बड़ी भूल होगी। आवश्यकता इस बात की है कि हर लगाए गए पौधे को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी उतनी ही गंभीरता से निभाई जाए। क्योंकि प्रकृति को केवल पौधे नहीं, बल्कि विकसित वृक्ष चाहिए। धरती की पहली बारिश जब सूखी मिट्टी को भिगोती है, तब केवल मौसम नहीं बदलता, बल्कि जीवन में नई उम्मीद जन्म लेती है। यही कारण है कि हर वर्ष मानसून के साथ देशभर में करोड़ों पौधे लगाने के अभियान शुरू होते हैं। सरकारें लक्ष्य तय करती हैं, विभाग प्रेस विज्ञप्तियां जारी करते हैं और लाखों स्वयंसेवक पौधारोपण में भाग लेते हैं। लेकिन हर साल एक बड़ा सवाल वहीं का वहीं रह जाता है—क्या केवल पौधे लगा देने से हरियाली लौट आती है? यदि ऐसा होता, तो आज भारत को रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी, अल-नीनो के प्रभाव, लगातार बढ़ते सूखे और गिरते भूजल स्तर जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ता। वास्तविक आवश्यकता पौधे लगाने से कहीं अधिक उन्हें जीवित रखने की है।

भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार देश का कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्र लगभग 14.55 लाख वर्ग किलोमीटर तक पहुंच चुका है और कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 25.17 प्रतिशत हिस्सा हरित आवरण के अंतर्गत है। यह उपलब्धि सकारात्मक अवश्य है, लेकिन इसके साथ कई चिंताजनक संकेत भी सामने आए हैं। 'ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच' के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2001 से 2024 के बीच भारत ने लगभग 23.1 लाख हेक्टेयर हरित आवरण खो दिया, जो वर्ष 2000 की तुलना में करीब 7.1 प्रतिशत की गिरावट है। इसके कारण लगभग 1.29 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ। विश्व स्तर पर इसी अवधि में वृक्ष आवरण के नुकसान के मामले में भारत शीर्ष देशों में शामिल रहा है। यह स्थिति बताती है कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण कहीं अधिक आवश्यक है।

विडंबना यह है कि देश में लाखों पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन उनकी निगरानी, सिंचाई, सुरक्षा और रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप अधिकांश पौधे कुछ महीनों के भीतर ही सूख जाते हैं। राजधानी दिल्ली इसका उदाहरण है, जहां वर्षों में करोड़ों पौधे लगाए गए, लेकिन जीवित रहने की दर अपेक्षा से काफी कम रही। कई राज्यों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है। सरकारी रिकॉर्ड में लक्ष्य पूरे हो जाते हैं, पर धरातल पर हरियाली नहीं बढ़ती। स्पष्ट है कि वृक्षारोपण को केवल संख्या का खेल बना देने से पर्यावरणीय संकट का समाधान नहीं होगा।

इसके साथ ही एक नई चुनौती तेजी से उभर रही है, जिसे वैज्ञानिक 'अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव' कहते हैं। शहरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, चौड़ी सड़कें और ऊंची इमारतें दिनभर गर्मी को अपने भीतर सोख लेती हैं और रात में भी उसे छोड़ती रहती हैं। परिणामस्वरूप महानगरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहता है। जहां पहले पेड़ प्राकृतिक शीतलता प्रदान करते थे, वहां अब सीमेंट और डामर गर्मी को बढ़ा रहे हैं। यदि शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्ष संरक्षण नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में हीटवेव सामान्य जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकती है।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी है, कहीं असामान्य वर्षा, कहीं जंगलों में आग और कहीं जल संकट। ऐसे समय में प्रत्येक पेड़ केवल ऑक्सीजन का स्रोत नहीं, बल्कि जल संरक्षण, तापमान नियंत्रण, जैव विविधता और मानव जीवन का सबसे विश्वसनीय साथी बन जाता है। एक विकसित वृक्ष प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में कार्बन अवशोषित करता है, वातावरण को शुद्ध बनाता है, वर्षा चक्र को संतुलित रखने में मदद करता है और भूजल स्तर बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए किसी भी पेड़ का कटना केवल लकड़ी का नुकसान नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों का हनन भी है।

दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। इथियोपिया ने कुछ वर्षों में करोड़ों पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया और इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया। वहां केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को संरक्षण की जिम्मेदारी भी दी गई। परिणामस्वरूप वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई और लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी मिले। यह मॉडल बताता है कि जब सरकार, समाज और स्थानीय समुदाय मिलकर काम करते हैं, तब हरियाली स्थायी बनती है। दूसरी ओर कनाडा के टोरंटो जैसे शहरों में बिना अनुमति पेड़ काटने पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। वहां पेड़ों को सार्वजनिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि जीवित प्राकृतिक धरोहर माना जाता है। कई देशों में स्थानीय निकायों को पेड़ों की सुरक्षा के लिए विशेष अधिकार दिए गए हैं और नागरिक भी उनकी निगरानी में भागीदार बनते हैं। भारत में भी समय की मांग है कि वृक्ष संरक्षण को कानूनी दायित्व का दर्जा दिया जाए। यदि कोई संस्था या व्यक्ति पौधे लगाता है, तो उनके जीवित रहने की जवाबदेही भी उसी की तय होनी चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि अब केवल पौधारोपण अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग, नियमित निगरानी, वर्षा जल संचयन, स्थानीय प्रजातियों का चयन, सामुदायिक भागीदारी और कम से कम पांच वर्षों तक अनिवार्य रखरखाव जैसी व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और निजी संस्थानों को केवल पौधे लगाने का लक्ष्य नहीं, बल्कि उन्हें जीवित रखने का वार्षिक मूल्यांकन भी दिया जाना चाहिए। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत भी संरक्षण आधारित परियोजनाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारत की सांस्कृतिक परंपरा स्वयं हमें प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। पीपल, बरगद, नीम, तुलसी और अनेक वृक्षों को धार्मिक आस्था से जोड़ने का उद्देश्य केवल पूजा नहीं, बल्कि संरक्षण था। आज आवश्यकता है कि आधुनिक विज्ञान और प्राचीन परंपरा को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए। जब तक प्रत्येक नागरिक एक पौधे को अपने परिवार के सदस्य की तरह अपनाकर उसकी देखभाल नहीं करेगा, तब तक करोड़ों पौधे लगाने के दावे धरती को हराभरा नहीं बना पाएंगे।

वसुधैव कुटुम्बकम भारत की वैश्विक धारणा और भावना

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन केवल अपने परिवार या राष्ट्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार मानने की उदात्त दृष्टि प्रदान की है। उपनिषदों का प्रसिद्ध वाक्य ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन जीने की ऐसी शैली है जिसमें समस्त सृष्टि के प्रति आत्मीयता, करुणा, सह-अस्तित्व और समरसता का भाव निहित है। आज जब दुनिया स्वार्थ, हिंसा, युद्ध, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब यह भारतीय जीवन-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। मनुष्य की महानता उसके धन के परिमाण से नहीं, बल्कि उसके हृदय की विशालता से आँकी जाती है। किसी धनी व्यक्ति द्वारा अपनी विपुल संपत्ति का थोड़ा-सा भाग दान करना निश्चित रूप से प्रशंसनीय है, किंतु उससे कहीं अधिक महान वह व्यक्ति है, जिसके पास सीमित संसाधन होने के बावजूद वह अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर किसी जरूरतमंद की सहायता करता है। यही वास्तविक परोपकार है। संत कबीर ने कहा है वृक्ष कबहुँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर, अर्थात प्रकृति का प्रत्येक तत्व दूसरों के लिए जीना सिखाता है। जियो और जीने दो का सिद्धांत तथा वसुधैव कुटुम्बकम की भावना जिस समाज में सशक्त होती है, उस समाज की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। ऐसे समाज में विश्वास, सहयोग, नैतिकता और संवेदनशीलता का वातावरण निर्मित होता है। महात्मा गांधी का कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि स्वयं को पाने का सर्वोत्तम तरीका है कि स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दिया जाए। मनुष्य का जीवन उत्साह, संघर्ष और निरंतर विकास की यात्रा है। जीवन में परिवर्तन स्वाभाविक है और विकास की संभावनाएँ भी परिवर्तन के साथ ही जन्म लेती हैं। जो व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और मानवता के कल्याण के लिए जीता है, वही जीवन की वास्तविक सार्थकता को प्राप्त करता है। स्वामी विवेकानंद का यह प्रेरक संदेश प्रत्येक व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है— उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

शास्त्रों में पुनर्जन्म की अवधारणा का विस्तार से वर्णन मिलता है। अनेक लोग यह मानते हैं कि इस जन्म के शुभ कर्म अगले जन्म को श्रेष्ठ बनाते हैं। यह आस्था भारतीय अध्यात्म का महत्वपूर्ण पक्ष है। किंतु यदि दार्शनिक दृष्टि से विचार करें तो वर्तमान जीवन ही हमारे हाथ में उपलब्ध सबसे बड़ा सत्य है। भविष्य या अगले जन्म की कल्पनाओं में वर्तमान के कर्तव्यों की उपेक्षा करना उचित नहीं कहा जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि हम इसी जीवन को उत्कृष्ट बनाएं, इसी जीवन में मानवता के लिए उपयोगी कार्य करें और समाज के लिए ऐसी विरासत छोड़ जाएँ, जो आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करे।

जीवन के उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। कोई आर्थिक समृद्धि चाहता है, कोई राजनीति में प्रतिष्ठा, कोई विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धि, कोई साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा या व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है। लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गए साधनों की शुद्धता ही व्यक्ति के चरित्र का वास्तविक परिचय देती है।

पीएम नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को ईशा समझ बैठीं असली

एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम ईशा मालवीय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में वह एक पल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को पीएम मोदी समझ बैठीं। जिसके बाद वहां मौजूद पैपराजी और दूसरे लोग हंसने लगे।

दरअसल, ईशा ग्राइट एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स 2026 के रेड कारपेट पर पहुंची थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात पीएम मोदी के हमशक्ल से हुई। उन्हें देखते ही ईशा चौंक गईं और मुस्कुराते हुए कहा, ओह, मोदी जी! हालांकि, बाद में उन्हें रियलाइज हुआ कि ये पीएम मोदी के हमशक्ल हैं। इसके बाद उन्होंने हमशक्ल से हाथ मिलाया और कैमरे की ओर देखकर कहा, गाइज, हमारे साथ मोदी जी हैं।

विकास महांते कौन हैं?

ईशा ने पीएम मोदी के जिन हमशक्ल से मुलाकात की, वह विकास महांते हैं। विकास महांते मुंबई के जाने-माने बिजनेसमैन, एक्टर और समाजसेवी हैं। उनकी शक्ल, दाढ़ी और बोलने का अंदाज पीएम मोदी से काफी मिलता-जुलता है, जिसकी वजह से लोग उन्हें देखते ही भ्रमित हो जाते हैं। विकास कई चुनावों के दौरान बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के प्रचार कार्यक्रमों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब समेत कई राज्यों में चुनावी रैलियों में हिस्सा लिया है।

एक्टिंग की दुनिया में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वह फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' में कैमियो रोल कर चुके हैं। इसके अलावा 'मोदी काका का गांव', 'द साबरमती रिपोर्ट' और 'एक नया सवेरा' जैसी फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में भी काम कर चुके हैं।

तृषा कृष्णन होम डिलीवरी पर भड़कीं

बोलीं- लगातार तीसरी बार शरीर की बदबू वाले कपड़े मिले, पैक करने से पहले सूंघकर जरूर देखें

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने अपैरल ब्रांड जारा की होम डिलीवरी सर्विस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दावा किया कि लगातार तीसरी बार उन्हें ऐसे कपड़े मिले, जिनसे शरीर की बदबू आ रही थी।

तृषा ने अपनी पोस्ट में लिखा, प्रिय @zara @zaracare, एक छोटी-सी रिक्वेस्ट है। अगली बार होम डिलीवरी भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित करें कि कपड़ों से शरीर की बदबू न आ रही हो। लगातार तीसरी बार ऐसा हुआ है। यह बहुत बुरा एक्सपीरियंस है। पैक करने से पहले कम से कम कपड़ों को सूंघकर देख लें।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा कृष्णन हाल ही में फिल्म 'करुप्पु' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ सूर्या ने अभिनय किया है। फिल्म 'करुप्पु' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। फिल्म ने दुनिया भर में करीब 309 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म में आरजे बालाजी ने विलेन की भूमिका निभाई, जबकि इंद्रंस, अनाघा माया रवि, नैट्टी सुब्रमण्यम, शिवादा, स्वासिका और सुप्रीत रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए। वहीं, अफेयर की खबरों के बीच एक्ट्रेस तृषा ने मुख्यमंत्री विजय के 52वें जन्मदिन के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने केक के साथ दोनों की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, उस इंसान को जन्मदिन मुबारक, जो हर चीज को मायने देता है। 10 मई को तृषा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुई थीं। वहीं, 4 मई को तमिलनाडु चुनाव रिजल्ट के दिन तृषा विजय के घर भी पहुंची थीं।

उर्वशी ढोलकिया के बेटे की कार पर गिरा पेड़

मुंबई में भारी बारिश के बीच बाल-बाल बचे क्षितिज

मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया के बेटे और एक्टर क्षितिज ढोलकिया हाल ही में एक हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए।

भारी बारिश के दौरान उनकी पार्किंग में खड़ी कार पर अचानक एक बड़ा पेड़ गिर पड़ा, जिससे कार को काफी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय क्षितिज कार के अंदर मौजूद नहीं थे और किसी को चोट नहीं आई। घटना के बाद क्षितिज ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिनमें उनकी कार पेड़ के नीचे दबी हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में फायर ब्रिगेड और अन्य अधिकारी पेड़ हटाने की कोशिश करते नजर आए।

क्षितिज ने बताया कि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने मुंबई पुलिस और फायर ब्रिगेड का आभार जताते हुए लिखा कि यह घटना याद दिलाती है कि जिंदगी कितनी अनप्रेडिक्टेबल हो सकती है। उन्होंने कहा कि वह खुद को खुशकिस्मत मानते हैं क्योंकि हादसे के समय वह कार में नहीं थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो क्षितिज ढोलकिया ने एकता कपूर के शो 'नागिन 7' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। एक्टिंग से पहले वह फिल्म इंडस्ट्री में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं और 'हमशक्ल्स' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों की टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

मातृभूमि' पर सेंसर बोर्ड ने रोक नहीं लगाई

सलमान खान फिल्म्स ने सर्टिफिकेशन रुकी होने की खबरों को बताया बेबुनियाद

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर चल रही खबरों पर सफाई दी। प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि फिल्म की सीबीएफसी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया रुकी होने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं।

बयान में कहा गया कि फिल्म को अभी तक सेंसर बोर्ड के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया। इसलिए इस तरह की रिपोर्ट्स पर भरोसा न करें। सलमान खान फिल्म्स ने मीडिया और लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। फिल्म से जुड़े सभी आधिकारिक अपडेट केवल उनके ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर ही शेयर किए जाएंगे। दरअसल, हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमि' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

फिल्म 'मातृभूमि' साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट टल गई।

इस फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है और इसके डायरेक्टर अपूर्व लाखिया हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह, अभिलाष चौधरी और अंकुर भाटिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है।

फिल्म 'मातृभूमि' का टीजर 27 दिसंबर 2025 को सलमान खान के 60वें जन्मदिन पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म में सलमान खान 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। कर्नल संतोष बाबू ने ही गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प के दौरान भारतीय टुकड़ी का नेतृत्व किया था। इस झड़प में वे शहीद हो गए थे।

रवीना टंडन ने 'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशक को सराहा

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने 22 साल बाद साथ काम किया है। बता दें कि एक दौर था जब रवीना टंडन और अक्षय कुमार रिलेशनशिप में थे, फिर इनका ब्रेकअप हो गया। दोनों अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए। अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना और रवीना ने अनिल थडानी से शादी की। एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ काम करने का अनुभव रवीना के लिए कैसा रहा? अहमद खान के निर्देशन को वह कैसे देखती हैं? और शूटिंग का एक्सपीरियंस उनके लिए कैसा था? हालिया के एक इंटरव्यू में रवीना ने यह बातें साझा की हैं।

आईएएनएस से की गई हालिया बातचीत में रवीना टंडन ने फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग एक्सपीरियंस के बारे में कहा, 'फिल्म में काम करने वाले ज्यादातर एक्टर्स के साथ मैंने काम किया। वे मेरे पुराने दोस्त हैं। उनके साथ शूटिंग करना मजेदार गेट-टुगेदर जैसा था। काम करते-करते हमने एक अच्छी फिल्म बना ली। इतने बड़े और अनुभवी कास्ट को इतनी आसानी से संभालने का क्रेडिट अहमद खान को देना चाहिए।'

मोटी या पतली हो जाओ', काजल अग्रवाल ने खूबसूरत दिखने के दबाव पर रखी राय

काजल अग्रवाल ने अभिनेत्रियों के परफेक्ट दिखने के दबाव को लेकर बात की है। उनका मानना है कि आज की एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आने के लिए ज्यादा कड़ी जांच-परख का सामना करना पड़ता है। उन्होंने माना कि उन्हें उन युवा एक्ट्रेस के लिए बुरा लगता है जो इंडस्ट्री के खूबसूरती के पैमानों से जूझ रही हैं।

जूम के साथ बातचीत में काजल ने खूबसूरत दिखने के दबाव को लेकर कहा 'समय बहुत अलग था। सोशल मीडिया नहीं था। बाहरी तौर पर एक्स्ट्रा जजमेंट नहीं होते थे। ऐसे कोई एयरपोर्ट लुक नहीं थे, जिनके लिए आपको सफाई देनी पड़े। आप बस जैसे हैं, वैसे ही रह सकते थे और किसी कमरे या एयरपोर्ट में आराम से जा सकते थे। पूरी तरह तैयार होकर ट्रैवल करना आसान नहीं है। शुक्र है कि उस समय मुझे इन सब चीजों का सामना नहीं करना पड़ा।'

काजल ने आगे कहा 'फिल्ममेकर्स की तरफ से जजमेंट जरूर आते थे, जैसे वे चाहते थे कि मैं मोटी या पतली दिखूं या कुछ और। ऐसी बातें होती थीं। मगर मुझे लगता है कि तब भी चीजें आसान थीं। तब इतना क्रूर माहौल नहीं था।

इसलिए मुझे अभी की युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे अपनी जगह बना पाएंगी।' काजल ने यह भी कहा कि उनमें हमेशा उन स्थितियों से बाहर निकलने का आत्मविश्वास रहा है, जिनमें वे सहज नहीं थीं। उन्होंने कभी भी सिर्फ मौके पाने के लिए 'हां' कहने का दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बात पर सहमत होने के बजाय 'ना' कहना सीखना कहीं ज्यादा जरूरी है।

'क्योंकि सास भी बहू थी' के सीन पर भड़के यूजर्स

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में हाल ही एक ऐसा सीन दिखाया गया, जिसमें तुलसी भगवान श्री कृष्ण से बात करती नजर आ रही है। लेकिन एकता ने क्या किया कि कृष्ण के किरदार में किसी एक्टर के बजाय एआई अवतार ही बना दिया और जो डायलॉग हैं, उन्हें सुनकर यूजर्स भड़क गए। सीन पर भी एकता को कोस रहे हैं।

एकता कपूर ने अपने शो 'नागिन 7' में एआई का इस कदर इस्तेमाल किया था कि दर्शक भड़क गए थे और उन्हें बुरी तरह लताड़ा था। अब कुछ ऐसा ही एकता ने अपने दूसरे हिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कर दिया है। पर इस बार तो एकता ने हद ही पार कर दी है। इस बार वह भगवान श्री कृष्ण वाला सीक्वेंस ले आईं, जिनसे तुलसी बात कर रही है और वो उसे उपदेश दे रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं कि पूरा संसार उसका परिवार है, और जो दुख वह झेल रही है, वो उनके मां-बाप ने भी झेला था। एकता ने कृष्ण के किरदार में किसी एक्टर को कास्ट करने के बजाय एआई से ही भगवान कृष्ण बनाकर दिखा दिए।

पूरा सीक्वेंस एआई से बनाया है। एआई निर्मित ही कृष्ण भगवान हैं, जो आम भाषा में डायलॉग बोल रहे हैं। यह सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, और यूजर्स ने अपना माथा पीट लिया है। न सिर्फ इस सीन के लिए एकता कपूर की आलोचना हो रही है, बल्कि जिस तरह के डायलॉग कृष्ण भगवान के एआई अवतार से बुलवाए गए हैं, उनका भी मजाक उड़ रहा है। लोगों का कहना है कि एकता डायलॉग भी एआई से ही लिखवा लेती।

'एकता कपूर नौकरी खा रही है'

एक का कमेंट है, 'जो बोलते हैं ना एआई नौकरी खाएगा। एक एक्टर जो श्री कृष्ण की जगह कास्ट होता, वहां एआई यूज कर लिया। किसी कलाकार के 3 हजार रुपये प्रतिदिन चले गए। एकता सबका रोजगार छीन रही है। ड्रैगन स्नेक चलता है, पर कृष्णा जी भी।'

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबीं प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए अमेरिका के 4 जुलाई के जश्न से पहले माहौल को दिखाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर देर रात का एक वीडियो शेयर किया। इसमें उनके घर से रात के समय आसमान में आतिशबाजी की रोशनी दिखाई दे रही है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जो वीडियो शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि उनके घर के बाहर रंग-बिरंगी आतिशबाजी दिखाई दे रही है। इससे एक शांत माहौल बन रहा है। सोशल मीडिया पर इस पल को शेयर करते हुए प्रियंका ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'विस्तार से 4 जुलाई की बधाई।' प्रियंका चोपड़ा का अमेरिका से जुड़ाव उनके बचपन से ही है। भारत लौटने से पहले उन्होंने वहां कई साल बिताए। उस दौरान, उन्होंने मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। इन अनुभवों ने उन्हें कम उम्र में ही एक अलग संस्कृति से परिचित कराया। भारत लौटने के बाद, प्रियंका ने बॉलीवुड में शानदार करियर बनाया और देश के प्रमुख स्टार्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। कई वर्षों बाद, उन्होंने हॉलीवुड में मौके तलाशने का फैसला किया। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिकी सिंगर निक जोनास से शादी की है। वह अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ अमेरिका में रहती हैं।

फोगाट फैमिली को आमिर खान की शादी का न्योता नहीं

गीता की शादी में भिवानी आ चुके, बर्थडे में भी निमंत्रण मिला; गौरी स्प्रैट से करेंगे शादी

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इस शादी में फोगाट फैमिली को न्योता नहीं मिला है। दंगल मूवी रिलीज होने के बाद ये पहला बड़ा मौका है, जब फोगाट फैमिली आमिर खान के निजी फंक्शन में शामिल नहीं होगी।

आमिर खान खुद भी गीता फोगाट के फैमिली फंक्शन में आ चुके हैं। आमिर ने बेटी इरा खान की शादी में भी फोगाट परिवार को निमंत्रण भेजा था। आमिर की बर्थ-डे पार्टी में भी ये परिवार शामिल हो चुका है।

अब आमिर खान 61 साल की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी करने जा रहे हैं। द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर फोगाट और उनकी बेटी गीता फोगाट का कहना है कि इस बार उन्हें कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

आमिर खान नवंबर 2016 में भिवानी में गीता फोगाट की शादी में आए थे। वे मुंबई से दिल्ली तक एयर प्लेन और दिल्ली से भिवानी चार्टर्ड प्लेन से आए थे। यहां गीता के फैमिली ने उनकी अगवानी की थी। इसके बाद आमिर सीधे गीता के गांव बलाली पहुंचे थे।

शादी में उनके साथ दंगल फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी, गीता की मां दयाकौर का किरदार निभा रही साक्षी तंवर, गीता का किरदार निभा रही फातिमा शेख, बबीता फोगाट का किरदार निभाने वाली सान्या मल्होत्रा भी शादी में शामिल हुई थी।

2017 में आमिर खान के 52वें जन्मदिन पर फोगाट परिवार शामिल हुआ था। आमिर के जन्मदिन की पार्टी में महावीर सिंह फोगाट और उनके परिवार को खासतौर पर आमंत्रित किया गया था। आमिर खान ने मुंबई स्थित घर पर जन्मदिन की पार्टी आयोजित की थी जिसमें फोगाट परिवार के कई सदस्य शामिल हुए थे।

कैटरीना कैफ से डरते थे आदित्य रॉय कपूर और परिणीति चोपड़ा! 'कॉफी विद करण' में हुआ बड़ा खुलासा

परिणीति चोपड़ा, आदित्य रॉय कपूर के साथ 'कॉफी विद करण' के काउच पर पहुंचीं थीं, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि वो कैटरीना कैफ के आसपास काफी नर्वस हो जाती हैं।

'कॉफी विद करण' के शो में एकदम फैनगर्ल मोमेंट पर बात करते हुए परिणीति ने कहा कि कैटरीना उनकी आइडल हैं और उन्हें उनका शांत और सधा हुआ स्वभाव बहुत पसंद है।

एक खास किस्सा बताते हुए परिणीति ने कहा, 'उस दिन वो (कैटरीना) जिम में आईं और मैंने तुरंत अपनी ट्रेडमिल की स्पीड बढ़ा दी।' फिर कैटरीना उनके पास आईं और पूछा, 'क्या कर रही हो?

कितने मिनट हो गए?' इस पर 'चमकीला' एक्ट्रेस ने जवाब दिया, '20 मिनट', तो कैटरीना ने थोड़ा सख्त अंदाज में कहा, '5 मिनट और।' ये सुनकर परिणीति ने तुरंत कहा, 'ठीक है, जैसा आप कहें।' उन्होंने आगे कहा, 'वो मेरी आइडल जैसी हैं।' जब होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर ने आदित्य से पूछा कि क्या वो भी कैटरीना से डरते हैं, तो उन्होंने कहा, 'हां, कभी-कभी।'

थिएटर में रो पड़े साकिब सलीम और हुमा कुरैशी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, इसमें हुमा कुरैशी, उनके भाई और एक्टर साकिब सलीम एक थिएटर में अपनी फिल्म 'बेबी डू डाई डू' का रेस्पॉन्स देखने पहुंचे। थिएटर में अच्छी-खासी संख्या में दर्शक बैठे थे। हुमा कुरैशी और साकिब ने फैंस को थिएटर में पहुंचकर सरप्राइज दिया। इसके अलावा दोनों भाई-बहन भावुक भी हो गए।

वायरल वीडियो में हुमा बताती हैं कि इस फिल्म के लिए साकिब कई साल से मेहनत कर रहे हैं। बता दें कि 'बेबी डू डाई डू' को साकिब ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में हुमा कुरैशी, रचित सिंह, चंकी पांडे अहम रोल में नजर आए हैं। हुमा थिएटर में फैंस की अच्छी खासी भीड़ देखकर खुश होती हैं।

वह कहती हैं, 'साकिब हमारे घर में सबको जोड़कर रखता है।' फिर वह रोने लगती हैं, साकिब भी भावुक होते हैं। दोनों भाई-बहन गले लगते हैं।

एमपी में पिछले 24 घंटे में 40 जिलों में बारिश

आष्टा में डूबने से दो बच्चों की मौत, हरदा में कई गांवों का संपर्क टूटा

इंदौर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरसा। पिछले 24 घंटे में 40 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर में ढाई इंच से ज्यादा बारिश हुई। मंडला में 2.2 इंच, खंडवा में पौने 2 इंच, भोपाल में डेढ़ इंच, दतिया, नौगांव और बालाघाट में सवा इंच, रतलाम, बैतूल और धार में 1 इंच, खरगोन में आधा इंच से ज्यादा, पचमढ़ी और दमोह में आधा इंच, जबकि नर्मदापुरम, जबलपुर और उमरिया में पौन इंच बारिश हुई।

प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। कई इलाकों में घरों और खेतों में पानी भर गया है, जबकि कई सड़कों और पुलों पर पानी बहने से यातायात प्रभावित हुआ है।

हरदा में तेज बारिश के कारण कई गांवों का संपर्क कट गया है। ग्राम मांदला के पास कालीमाचक नदी का पानी पुल से करीब तीन फीट ऊपर बह रहा है, जिससे नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे बंद हो गया है।

आष्टा क्षेत्र के बापचा दोनिया गांव में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन दोनों बच्चों को आष्टा के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खंडवा में नाले में बाढ़, आवागमन पूरी तरह बंद

खंडवा में पिछले कई घंटों से झमाझम बारिश जारी है। रेड अलर्ट के बीच यहां चार इंच तक बारिश होने का अनुमान है। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते खंडवा जिले के किल्लौद ब्लॉक के ग्राम गरवड़ी स्थित नाले में बाढ़ आ गई। उफनते नाले के कारण खिरकिया मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव कम होने तक नाले को पार करने की कोशिश न करें और सुरक्षित स्थानों पर ही रुकें।

लगातार बारिश के कारण क्षेत्र के कई निचले इलाकों में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन हालात पर लगातार नजर रखे हुए है।

बालू खनन को लेकर 20 राउंड फायरिंग, 6 को लगी गोली

पैर, पेट, सीने में फंसी बुलेट, जहानाबाद में 4 साल से बालू खनन पर रोक

जहानाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जहानाबाद में शनिवार दोपहर बालू खनन को लेकर 2 पक्षों के बीच लगभग 20 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान एक पक्ष के 5 और दूसरे पक्ष के एक शख्स के पेट, पैर और सीने में गोली लगी है। घटना घोसी थाना क्षेत्र के चैतीपीपर और गिज्जी गांव के लोगों में हुई।

घायलों को इलाज के लिए घोसी पीएससी में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। अब स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी को पीएमसीएच भेजा गया है। धीरज कुमार के सीने में गोली लगी है। उसे गंभीर हालत में पीएमसीएच रेफर किया गया है। चैतीपीपर गांव के दिनेश राम के पैर, अजय राम के पेट, सुधीर राम और विजय राम को पैर में गोली लगी है। गिज्जी गांव के विष्णु कुमार भी इस घटना में घायल हैं।

गांव की रूबी देवी ने बताया कि अचानक से 20-25 लोग आए और फायरिंग करने लगे। आवाज सुनकर लग रहा था पटाखे फूट रहे हैं। देखने के लिए जैसे ही मैं बाहर गई एक गोली मेरे सिर के पास गुजर गई। बाकी लोग बाहर निकले, जिससे उन्हें भी गोली लग गई। 15-20 मिनट तक दहशत का माहौल था। पुलिस के आने के बाद मामला शांत हुआ।

घायल अजय कुमार ने बताया कि मैं अपने दरवाजे पर बैठा था, तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई। जैसे ही घर से बाहर निकला, मुझे गोली लग गई।

बता दें कि जहानाबाद में बीते 4 साल पहले ही बालू खनन पर रोक लगा दी गई है। इसके बावजूद चैतीपीपर और गिज्जी गांव के लोग लगातार अवैध खनन कर बालू बेचते हैं। दोनों गांवों के लोगों ने बालू खनन के लिए अपना-अपना इलाका चुना था, लेकिन एक दूसरे के एरिया में जाने की वजह से आज ये फायरिंग हुई।

वन कर्मी का परिवार निकला बाघ का शिकारी

दो महीने बाद कब्र खोदकर अवशेष मिले, तीन हिरासत में

सतना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सतना जिले के मझगवां वन परिक्षेत्र के सरभंगा जंगल में बाघ के शिकार का मामला सामने आया है। इस घटना में जंगल की सुरक्षा में तैनात चौकीदार और उसके परिवार की संलिप्तता उजागर हुई है। वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को कब्र खोदकर बाघ के अवशेष बरामद किए। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और जांच तेज कर दी गई है। सतना वनमंडल के वरिष्ठ अधिकारियों को लगभग पांच दिन पहले एक मुखबिर से जानकारी मिली थी।

सूचना के अनुसार, सरभंगा जंगल में जंगली सुअर का शिकार करने के लिए लगाए गए बिजली के करंट की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई थी। घटना के बाद शिकार में शामिल लोगों ने बाघ के शव को जंगल में ही दफना दिया था।

सूचना मिलते ही वन विभाग ने अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और गोपनीय जांच शुरू की। कई दिनों तक क्षेत्र में जानकारी जुटाई गई और संभावित स्थानों की पहचान की गई। गुरुवार को वन विभाग ने डॉग स्क्वॉड, उड़नदस्ता दल और वन परिक्षेत्र अधिकारी रंजन सिंह परिहार सहित अन्य वनकर्मियों के साथ बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, लगातार बारिश, घने जंगल और सटीक जानकारी के अभाव में टीम को कोई सफलता नहीं मिली और बाघ के अवशेष नहीं मिल पाए।

गुरुवार रात को मुखबिर ने वन विभाग को एक महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसमें सरभंगा क्षेत्र में कार्यरत चौकीदार मिन्नता सिंह गोंड का नाम सामने आया। इसके बाद शुक्रवार को वन विभाग ने मिन्नता सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

उपवनमंडल अधिकारी चित्रकूट अभिषेक तिवारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी मझगवां रंजन सिंह परिहार और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई पूछताछ के दौरान मिन्नता सिंह ने पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया। उसने बताया कि लगभग दो महीने पहले कुछ लोगों ने जंगली सुअर के शिकार के लिए जंगल में बिजली का तार बिछाया था। उसी करंट की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई। घटना उजागर होने के डर से शव को वहीं पास में गड्ढा खोदकर दफना दिया गया था।

निशानदेही पर खोदी गई कब्र, मिले बाघ के अवशेष

आरोपी मिन्नता सिंह की निशानदेही पर वन विभाग की टीम बीट करारिया के कम्पार्टमेंट नंबर पीएफ-820 में पहुंची। यहां जमीन की खुदाई कराई गई, जहां से मृत बाघ के अंग-प्रत्यंग और अन्य अवशेष बरामद किए गए। हालांकि दो माह बीत जाने के कारण अवशेष काफी हद तक विघटित हो चुके थे। अवशेष मिलने के बाद खराब मौसम को देखते हुए उन्हें सरभंगा वन विश्राम गृह परिसर लाया गया, जहां आगे की कार्रवाई की गई।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोड शो में तलवार लहराई

मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हुईं, बुलडोजर से पहनाई 25 फीट की माला

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ में रोड शो किया। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक 18 किलोमीटर लंबा यह रोड शो सुबह 11:20 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1:55 बजे समाप्त हुआ। एयरपोर्ट से निकलने के बाद वह प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ विशेष रथ पर सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जमकर नारेबाजी की। रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने समर्थकों का अभिवादन करते हुए तलवार भी लहराई। बड़ी संख्या में बुर्का पहने मुस्लिम महिलाएं और टोपी पहने मुस्लिम पुरुष भी रोड शो में शामिल हुए। वहीं, पादरियों और ननों ने भी उनका स्वागत किया। भाजपा ओबीसी मोर्चा ने उन्हें क्रेन की मदद से 25 फीट की विशालकाय माला पहनाई।

जमशेदपुर से साणंद तक तनीषा की उड़ान

झारखंड की बेटी है सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली टीम का हिस्सा, प्रधानमंत्री करेंगे संवाद

जमशेदपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बागबेड़ा रोड नंबर-4 की रहने वाली तनीषा गौतम देश के सेमीकंडक्टर इतिहास के सबसे अहम क्षण की गवाह बनने जा रही हैं। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में एक नया अध्याय जुड़ने के इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के साणंद स्थित सीजी सेमीकॉन ओसैट प्लांट का उद्घाटन करेंगे।

इसी अवसर पर भारत में निर्मित पहली 'मेड इन इंडिया' कमर्शियल सेमीकंडक्टर चिप की पहली खेप वैश्विक बाजार के लिए रवाना की जाएगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के केंद्र में तनीषा जैसी युवा इंजीनियर हैं, जिन्होंने इस चिप के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। इस गौरवशाली मौके पर

तनीषा गौतम चर्चा के केंद्र में रहेंगी। वह उस कोर टीम की सदस्य हैं, जिसने इस कमर्शियल सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में वह साणंद स्थित सीजी सेमीकॉन ओसैट प्लांट में जूनियर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं।

उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री सेमीकंडक्टर चिप निर्माण से जुड़े 15 कर्मचारियों की टीम से संवाद करेंगे, जिसमें तनीषा भी शामिल होंगी। इस दौरान उन्हें तकनीकी चुनौतियों, अपने अनुभव और भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा।

तनीषा गौतम की सफलता की कहानी प्रेरणादायक है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय, टाटानगर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने जमशेदपुर स्थित एनटीटीएफ-टीएसटीआई से इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज से की, जहां उन्होंने तकनीकी अनुभव हासिल किया। बाद में वह देश के सबसे महत्वाकांक्षी कमर्शियल सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट से जुड़ गईं और आज इस ऐतिहासिक उपलब्धि का हिस्सा बनीं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। जिन्होंने हर कठिन परिस्थिति में उनका साथ दिया। तनीषा की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता त्रिपुरारी गौतम और मां प्रेमलता कुमारी ने इसे पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। उनकी मां ने बताया कि तनीषा बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी थीं, लेकिन इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई के कारण आर्थिक चुनौतियां सामने आईं।

मुख्तार को जेल में यातना दी, जहर देकर मार डाला

सांसद अफजाल बोले- अब्बास के साथ भी बेईमानी हुई, वरना ओलंपिक जीतकर लाता

मऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी ने मऊ में कहा कि मेरे भाई मुख्तार को जेल में यातना दी गई। जहर देकर जेल में उनकी हत्या कर दी गई।

जनता जानती है कि मेरे भाई को जालिम हुकूमत ने 18 साल तक जेल में रखा, वो शहीद हो गया।

शुक्रवार का ये वीडियो शनिवार को सामने आया।

अफजाल ने कहा कि हमने पांच बार मुख्तार को जिताया। उसने जेल से फॉर्म भरा, तब भी हमने वोट दिया।

मुख्तार को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने जिन लोगों की मदद की, वे आज भी उन्हें याद करते हैं। जो मुख्तार का है, मुख्तार का रहेगा। सोने में तौल दोगे तब भी वो मुख्तार की ही जय बोलेगा।

अफजाल मधुबन के बीबीपुर स्थित ब्रिगेडियर उस्मान के पैतृक आवास पहुंचे थे। उनकी 78वीं पुण्यतिथि के 'शहादत दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

इस दौरान सांसद धर्मेंद्र यादव, विधायक अब्बास अंसारी, विधायक राजेंद्र कुमार और सपा जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव भी मौजूद रहे।

गैंगस्टर प्रिंस खान के घर पर चला बुलडोजर

निरसा विधायक को 3 जुलाई को दी थी धमकी 6 थानों की पुलिस की मौजूदगी में एक्शन

धनबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस ने शनिवार को भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। वासेपुर स्थित उसके घर पर बुलडोजर चला। यह कार्रवाई एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर की गई।

मौके पर डीएसपी प्रकाश सोय सहित तीन डीएसपी, सीसीआर डीएसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और छह थानों की पुलिस तैनात थी। पूरे इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने मीडिया को घटनास्थल से दूर रखा। बुलडोजर से मकान को पूरी तरह ध्वस्त करने की कार्रवाई लगातार जारी रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे अभियान की

वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है।

यह भी बताया गया है कि 3 जुलाई शुक्रवार को ही में निरसा विधायक अरूप चटर्जी को धमकी मिलने के बाद प्रिंस खान के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई कानून के तहत की जा रही प्रक्रिया का हिस्सा है।

प्रिंस ने शुक्रवार की दोपहर 12 बजे विधायक को मोबाइल पर मैसेज कर जान मारने की धमकी दी थी। धमकी भरे मैसेज भेजने के बाद उसने पिस्टल से फायरिंग का वीडियो भी विधायक के मेबाइल पर भेजा। कहा-'उसे पैसा चाहिए। दोबारा मैसेज नहीं करेगा। रिजल्ट भी 24 घंटे के अंदर देगा।' कॉल और मैसेज +27613737683 नंबर से भेजा गया, जो साउथ अफ्रीका का बताया जा रहा है। धमकी मिलने के बाद विधायक ने मुख्यमंत्री, गृह मंत्रालय, डीजीपी एवं धनबाद एसएसपी को मामले की जानकारी दी। बता दें कि सप्ताहभर से धनबाद सांसद और विधायक के बीच जुबानी जंग चल रही है। विधायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांसद ढुलू का प्रिंस के साथ संबंध होने का आरोप लगाया था। आरोप लगाने के 48 घंटे के अंदर विधायक को धमकी मिली।

कॉन्स्टेबल ने शादी का झांसा देकर युवती से किया रेप

बिलासपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक आरक्षक ने युवती से पहले दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर 3 साल तक शारीरिक संबंध बनाया। जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो उसने खुद को पहले से शादीशुदा बताया और उसे धमकाने लगा। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, 2023 में 22 वर्षीय युवती की पहचान सोशल मीडिया के जरिए तखतपुर में पदस्थ आरक्षक सुमंत मिरी से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। आरोप है कि आरक्षक ने शादी का वादा कर युवती के साथ दुष्कर्म किया और करीब तीन साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा।

हेमंत सोरेन के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर भयंकर नाराज

लौटा दी सरकारी गाड़ी और सिक्योरिटी

रांची, 4 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के वित्त मंत्री अपनी ही हेमंत सोरेन सरकार पर बुरी तरह से बिफरे हुए हैं। बिहार की तरह ही यहां भी सुरक्षा पर जमकर सियासत शुरू हो गई है। हाल ये है कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपने सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस भेज दिया है। यही नहीं अपने काफिले की 3 गाड़ियां (बोलेरो जीप) भी उन्होंने लौटा दी है। अब मंत्री बिना सिक्योरिटी के इधर उधर जा रहे हैं।

झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इसी के साथ 29 जून 2026 को राज्य के डीजीपी को एक चिट्ठी भी लिख दी। वतौर एक मंत्री की लिखी चिट्ठी के मजमून तो काफी गंभीर हैं। राधाकृष्ण किशोर ने लिखा है कि 'मैंने आपको 21 अप्रैल 2026 को ही सूचित किया था कि मेरी सुरक्षा के लिए कुल 16 पुलिस बलों को उपलब्ध कराया

गया है।'

मंत्री ने अपने खत में आगे लिखा है कि 'पत्र के माध्यम से मैंने ये भी बताया था कि मात्र तीन सरकारी वाहनों में 16 पुलिस बलों को एडजस्ट करने में परेशानी होती है। वाहनों में पुलिस के जवानों को ठूस कर बिठाना सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से उचित प्रतीत नहीं होता है। मैंने आवश्यकता अनुसार 4 वाहनों के आवंटन के लिए आपको पत्र लिखा था। लेकिन इसका कोई उत्तर नहीं मिला।'

वित्त विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा मेरे आप्त सचिव को दिया नोटिस मेरे लिए लज्जाजनक है। अतः मैं वाहन सहित पुलिस बलों को वापस कर रहा हूं।

इसके बाद आगे मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लिखा है कि 'संयुक्त सचिव, वित्त विभाग के द्वारा मेरे आप्त सचिव को दिया नोटिस मेरे लिए लज्जाजनक है। अतः मैं वाहन सहित पुलिस बलों को वापस कर रहा हूं।' मंत्री की इस चिट्ठी की चर्चा अब झारखंड के सियासी गलियारों में भी हो रही है।

बताया जा रहा है कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की सुरक्षा में 16 कमांडो लगे हुए थे। इसके अलावा स्पेशल ब्रांच के 3 पुलिस अफसरों की भी ड्यूटी उनके पास लगाई गई थी। इन सभी को उन्होंने वापस लौटा दिया।

सुपौल में उमस भरी गर्मी से 4 छात्राएं बेहोश

बगहा में बारिश, 24 घंटे बाद बिहार में भारी बारिश की संभावना, अब तक 50% कम बरसात

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून की एंट्री के बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। शनिवार को सुपौल के नगर पंचायत निर्मली स्थित कन्या मध्य विद्यालय में उमस भरी गर्मी की वजह से 4 छात्राएं बेहोश हो गईं। बच्चियों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों ने तत्काल उन्हें पास के निजी क्लिनिक में इलाज के लिए पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

वहीं, बगहा में दोपहर 1 बजे बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। मौसम विभाग की मानें तो 5 जुलाई के बाद पूरे बिहार में मानसून फिर एक्टिव होगा। हैवी रेन का अलर्ट भी जारी किया गया है। अभी पटना समेत कई जिलों का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास या इसके ऊपर ही रहेगा।

बारिश नहीं होने के कारण दिन में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। अधिकतम तापमान में भी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे में दोपहर के समय गर्मी का असर पहले से अधिक महसूस किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया है। मानसूनी सिस्टम कमजोर रहने और बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त नमी नहीं मिलने के कारण राज्य में व्यापक बारिश नहीं हो रही है।

फिलहाल कोई मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम या ट्रफ लाइन बिहार के पक्ष में सक्रिय नहीं है। यही वजह है कि मानसून की गति धीमी बनी हुई है और अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश का इंतजार जारी है। इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 3 जुलाई तक राज्य में लगभग 196.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 98.4 मिलीमीटर वर्षा ही रिकॉर्ड की गई है। यानी राज्य में अब तक सामान्य से करीब 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

राजधानी में शनिवार को मौसम सामान्य रहने की संभावना है। आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की संभावना बहुत कम है। दिन के समय तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। अधिकतम तापमान में भी हल्की बढ़ोतरी के संकेत हैं, जिससे गर्मी का असर बना रहेगा।

गुरुवार को पटना में कुछ देर अच्छी बारिश हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही तेज धूप निकल आई। शुक्रवार को तो हाल और भी खराब रहा।

प्रेमिका साथ में नहीं भागी तो मार डाला

प्रेमी ने मुंह दबाकर हत्या की, यूके लिप्टस की पत्तियों से लाश छिपाकर दिल्ली भाग गया

अमेठी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेठी में एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। वो रात को उससे मिलने प्रतापगढ़ से अमेठी पहुंचा। घर के पास खेत में उसे मिलने बुलाया। जब युवती उससे मिलने पहुंची तो उसपर शादी का दबाव बनाने लगा। साथ में चलने के लिए कहने लगा।

जब प्रेमिका ने साथ में चलने से मना किया तो दोनों में झगड़ा हुआ। जब प्रेमिका नहीं मानी तो उसने मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद यूके लिप्टस की पत्तियां तोड़कर लाश के ऊपर डालकर उसे छिपा दिया और फरार हो गया। दोनों की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। वारदात अमेठी नगर कोतवाली क्षेत्र के जंगल रामनगर गांव में बीते मंगलवार की रात साढ़े 8 बजे की है। आरोपी प्रेमी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। बुधवार सुबह गांव निवासी अमरजीत सिंह की 19 वर्षीय बेटी काजल का शव घर से लगभग 200 मीटर दूर झाड़ियों में मिला। देर रात घर से निकली काजल का पता न चलने पर परिजनों ने गुमशुदगी की तहरीर दी थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना दी। सूचना मिलते ही अमेठी कोतवाली पुलिस के साथ सीओ, अपर पुलिस अधीक्षक और एसपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता की तहरीर पर प्रेमी सुरजीत और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई। एसपी सरवनन टी ने घटना के खुलासे के लिए 10 टीमों का गठन किया। घटनास्थल से मृतका का मोबाइल नहीं मिला था, जिसके बाद पुलिस ने सर्विलांस के माध्यम से दोनों के मोबाइल ट्रैक करना शुरू किया। लगातार 48 घंटे की पड़ताल के बाद पुलिस ने आरोपी सुरजीत को दिल्ली के कमला नगर से गिरफ्तार कर लिया। आज एसपी ने पुलिस ऑफिस सभागार में मामले का खुलासा किया। एसपी के अनुसार, सुरजीत और काजल पिछले करीब ढाई साल से बातचीत कर रहे थे और उनकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। मंगलवार रात प्रेमी सुरजीत गांव पहुंचा और काजल को फोन करके मिलने के लिए बुलाया। उसने काजल पर शादी के लिए भागने का दबाव बनाया। जब उसने इनकार किया तो सुरजीत ने उसकी मुंह दबाकर हत्या कर दी।

घटना के बाद पुलिस लगातार उसके पीछे लगी रही। बीच-बीच में उसका मोबाइल भी ऑन होता रहा जिसे ट्रैक करते हुए पुलिस दिल्ली के कमला नगर पहुंची जहां प्रेमी सुरजीत को हिरासत में अमेठी पहुंची।

निकाह, हलाला और तीन तलाक की आड़ में शोषण

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा–पर्सनल लॉ की आड़ में अपराध स्वीकार नहीं

प्रयागराज, 4 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कथित निकाह हलाला मामले में 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, तो आपराधिक कानून को पर्सनल लॉ के अधीन नहीं किया जा सकता। दरअसल, एक महिला से निकाह हलाला के नाम पर उसके साथ यौन शोषण किया गया।

हाईकोर्ट ने अमरोहा के निकाह, हलाला और ट्रिपल तलाक से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि देश का आपराधिक कानून किसी भी व्यक्तिगत कानून या धार्मिक प्रथा के अधीन नहीं हो सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि यदि किसी मामले में गंभीर आपराधिक आरोप सामने आते हैं तो केवल पर्सनल लॉ का हवाला देकर एफआईआर को रद्द नहीं किया जा सकता।

जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिविजन बेंच ने कथित 'निकाह हलाला' के नाम पर एक महिला के यौन शोषण और गैंग रेप के मामले में यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह मामला हमारे समाज के एक ऐसे हिस्से की तस्वीर पेश करता है जो संवैधानिक मूल्यों और समानता, निजता, व्यक्तिगत गरिमा और संविधान के अनुच्छेद 21 और 14 के उद्देश्यों से बहुत दूर है।

भारत-इजरायल के बीच एग्रीमेंट हो गया लागू

ऐसे बदलने वाली है 1996 वाली पिक्चर

नई दिल्ली,4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इजरायल के बीच बाइलेट्रल इंवेस्टमेंट एग्रीमेंट 4 जुलाई, 2026 यानी आज से लागू हो गया है। दोनों देशों के बीच पिछले साल 8 सितंबर को नई दिल्ली में इस पर साइन हुए थे। यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और निवेश के लिए अधिक भरोसेमंद माहौल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। इस समझौते का मकसद निवेश और निवेशकों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करना है। साथ ही वैध सार्वजनिक नीति के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नियम बनाने के प्रत्येक देश के संप्रभु अधिकार को बनाए रखना है। इससे सीमा-पार निवेश को बढ़ावा मिलने और भारत-इजरायल आर्थिक साझेदारी के और गहरे होने की भी उम्मीद है।

नया एग्रीमेंट पुरानी ट्रीटी की लेगा जगह

नया बीआईए भारत-इजरायल बाइलेट्रल इंवेस्टमेंट ट्रीटी , 1996 की जगह लेता है। इंवेस्टमेंट फ्रेमवर्क को भारत के संशोधित मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि और समकालीन अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के अनुरूप बनाता है। यह समझौता मौजूदा निवेश और किसी भी देश के कानूनों के तहत स्वीकार किए गए नए निवेश, दोनों पर लागू होता है।

निवेशकों को मिलेगी ज्यादा सुरक्षा

इस समझौते की एक मुख्य विशेषता निवेशकों की सुरक्षा और सरकारों की नियामक शक्तियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास है। यह एग्रीमेंट निवेशकों को न्याय से वंचित किए जाने, उचित प्रक्रिया के मौलिक उल्लंघन, लक्षित भेदभाव और स्पष्ट रूप से मनमाने व्यवहार से बचाता है। साथ ही, यह साफ तौर पर पुष्टि करता है कि भारत और इजरायल दोनों को सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और अन्य वैध सार्वजनिक नीति लक्ष्यों जैसे क्षेत्रों में निवेश को विनियमित करने का अधिकार है। रेगुलेटरी उपाय जो किसी निवेशक के मुनाफे को प्रभावित कर सकते हैं, वे अपने आप ही एग्रीमेंट का उल्लंघन नहीं माने जाते हैं।

निवेशकों के साथ समान व्यवहार

यह समझौता 'राष्ट्रीय व्यवहार' (नेशनल ट्रीटमेंट) प्रदान करता है। इसके तहत दोनों देशों को समान परिस्थितियों में दूसरे देश के निवेशकों के साथ घरेलू निवेशकों की तुलना में कम अनुकूल व्यवहार नहीं करना है। हालांकि, यह प्रावधान भूमि और रियल एस्टेट के अधिकारों पर लागू नहीं होता है।

संपत्ति अधिग्रहण से सुरक्षा

बीआईए निवेशकों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपत्ति अधिग्रहण से बचाता है। राज्य की ओर से निवेश का अधिग्रहण केवल सार्वजनिक उद्देश्य के लिए, उचित प्रक्रिया के अनुसार, बिना किसी भेदभाव के और तुरंत व उचित मुआवजे के बदले ही किया जा सकता है। समझौता यह तय करने के लिए विस्तृत मानदंड भी तय करता है कि क्या अप्रत्यक्ष संपत्ति अधिग्रहण हुआ है।यह संधि निवेशकों को पूंजी, मुनाफा, लाभांश, रॉयल्टी, पूंजीगत लाभ और निवेश की बिक्री से हासिल रकम को स्वतंत्र रूप से ट्रांसफर करने की अनुमति देती है। हालांकि, दोनों सरकारों के पास अपने घरेलू कानूनों के तहत, भुगतान संतुलन के संकट या असाधारण मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के दौरान अस्थायी प्रतिबंध लगाने का अधिकार है।

मानसून गर्मी से राहत देगा, महंगाई से नहीं!

बचाकर चलो टमाटर, फिर बढ़ गए रेट

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाला टमाटर एक बार फिर लोगों के बजट पर असर डालने लगा है. देश के कई राज्य में इसकी कीमतों में लगातार उछाल देखनी को मिल रहा है. मौसम की मार, तेज गर्मी और मानसून की धीमी शुरुआत की वजह से टमाटर की फसलें काफी प्रभावित हुई है.

यही वजह है कि इसका असर अब बाजार में भी दिखाई देने लगा है, जहां टमाटर के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं.

टमाटर की कीमत ने बढ़ाई रसोई की चिंता

देश के बड़े उत्पादक राज्यों से टमाटरों की सप्लाई कम होने के कारण कीमतों में तेजी बनी हुई है. रिपोर्ट के मुताबिक, बाजारों में टमाटर की खुदरा कीमतें पिछले महीने के मुकाबले 16% और पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले में 23% तक बढ़ चुकी हैं. ऐसे में अगर आप भी रोजाना सब्जी में टमाटर का इस्तेमाल करते हैं, तो आने वाले दिनों में आपकी रसोई के बजट पर पहले से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है.

क्यों बढ़ रहे हैं टमाटर के दाम?

टमाटर की बढ़ती कीमतों की सबसे बड़ी वजह मौसाम की खराबी को माना जा रहा है. खासकर गर्मी के मौसम में कम खेती और कई प्रमुख उत्पादक राज्यों में खराब मौसम के कारण आने वाले महीनों में टमाटर महंगा होने की संभावना है. वहीं, टमाटर का कुल उत्पाद पिछले साल के मुकाबले में बढ़ेगा. ऐसे में अब लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या अब टमाटर की कीमत 100 के पार जाएगी. इसके अलावा टमाटर की फसल मौसम पर काफी निर्भर होती है. अक्सर देखा जाता है कि अगर किसी बड़े उत्पादक राज्य में बारिश, गर्मी या किसी अन्य वजह से फसल प्रभावित होती है, तो बाजार में सप्लाई घाट जाता है. यही वजह है कि जून से अगस्त और अक्टूबर से नवंबर के दौरान टमाटर की कीमतों में अक्सर तेज उछाल देखनी को मिलता है.

कहां पड़ रहा है इसका असर

महंगे टमाटर की असर अब सिर्फ रसोई पर ही नहीं, बल्कि कारोबारी पर भी दिखाई दे रहा है. खासकर होटल और रेस्तरां कारोबार ने टमाटर का इस्तेमाल करना अब कम कर दिया है, ताकि उनकी जेबों पर ज्यादा गहरा असर न पड़ें.

भारत में अमेरिकी राशन खरीदना कितना महंगा?

महिला का बिल देखकर चकरा जाएगा आपका सिर

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में रहने वाली एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में वो एक स्टोर में अमेरिकी ब्रांड के खाने-पीने के सामान खरीदने पहुंचती है. जैसे-जैसे वो अलग-अलग प्रोडक्ट्स उठाती हैं, उनकी कीमत देखकर हैरान रह जाती हैं.वीडियो में महिला बताती हैं कि स्ट्रॉबेरी की कीमत करीब 18 डॉलर यानी 1500 रुपये से ज्यादा है. वहीं, एक पैकेट चिप्स करीब 10 डॉलर, सीरियल करीब 12 डॉलर और चॉकलेट सिरप भी काफी महंगा दिखाई देता है. इन प्रोडक्ट्स के दाम देखकर महिला बार-बार कहती है कि ये काफी महंगा है.

महंगी कीमतों के बावजूद वायरल वीडियो में महिला अपनी पंसद का कुछ सामान खरीदती है और बताती है कि अपने देश का स्वाद पाने के लिए कभी-कभी ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं. उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि घर जैसा एहसास पाने के लिए इतनी महंगी कीमत भी चुकाई जा सकती है. वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अलग-अलग रिएक्शन दिए. कुछ यूजर्स ने कहा कि ये सारे सामान आयात किए जाते हैं, इसलिए इनकी कीमत ज्यादा होती ही है. वहीं कुछ लोगों ने कहा कि अमेरिका में भी भारतीय सामान खरीदने पर इसी तरह ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं.विदेश से आने वाले सामान पर इंपोर्ट टैक्स, शिपिंग खर्च और भी कई दूसरे टैक्स लगते हैं. यही कारण है कि भारत में अमेरिकी ब्रांड के प्रोडक्ट्स की कीमत दूसरे देशों में काफी ज्यादा हो जाती है.

सरकार ने पानी की तरह बहाए 9500 करोड़, फिर भी आधी उड़ानें हो गईं बंद; अब 28840 करोड़ के नए प्लान पर दांव

नई दिल्ली,4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उड़े देश का आम नागरिक यानी उड़ान स्कीम के दूसरे चरण मॉडिफाइड उड़ान की शुरुआत की। इस संशोधित योजना के लिए अगले 10 वर्षों के लिए 28840 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है। लेकिन इसका पहला चरण बहुत ज्यादा सफल नहीं हुआ है। सरकार की ओर से उड़ान योजना के दूसरे चरण को लॉन्च किए जाने के बीच यह बात सामने आई है कि अब तक शुरू किए गए हवाई रूटों में से लगभग आधे पर कमर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। दूरदराज के इलाकों को जोड़ने की राह में आ रही इस रुकावट के बाद क्षेत्रीय एयरलाइंस ने सरकार से स्लॉट, विमान और नियमों को आसान बनाने की मांग की है।

कितने रूट हैं चालू?

साल 2017 में योजना की शुरुआत से लेकर अब तक चालू किए गए 669 रूटों में से केवल 336 पर ही फिलहाल उड़ानें संचालित हो रही हैं। सरकार ने टिकटों पर डिस्काउंट देने के लिए एयरलाइंस को सब्सिडी के रूप में लगभग 4700 करोड़ रुपये और दूरदराज के हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 4800 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके बावजूद कई रूट बंद हो गए।

रूट बंद होने के 2 बड़े कारण

1. सब्सिडी खत्म होनाः पहले चरण में एयरलाइंस को केवल 3 साल के लिए सब्सिडी मिलती थी। अवधि खत्म होते ही रूट घाटे में चले गए। उदाहरण के लिए कर्नाटक के बीदर और कलबुर्गी में 'स्टार एयर' की दैनिक उड़ानें सब्सिडी खत्म होते ही बंद हो गईं।

2. एयरलाइंस का दिवालिया होनाः इन रूटों पर काम करने वाली कई छोटी एयरलाइंस या तो दिवालिया हो गईं या उन्होंने अपना परिचालन समेट लिया।

'मॉडिफाइड उड़ान' की मुख्य बातें

हवाई कंपनियों की इन दिक्कतों को देखते हुए सरकार ने शनिवार को लॉन्च किए गए 'उड़ान 2.0' (संशोधित उड़ान) के 28840 करोड़ रुपये के बजट में कई सुधार किए हैं। इस नई और संशोधित योजना का मुख्य उद्देश्य देश के छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) में हवाई कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूत और टिकाऊ बनाना है। 100 नए एयरपोर्ट का विकास होगा। देश में पहले से मौजूद लेकिन इस्तेमाल न होने वाली हवाई पट्टियों को आधुनिक हवाई अड्डों में बदला जाएगा। इसके लिए अगले 8 वर्षों में 12,159 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहाड़ी, दुर्गम और दूरदराज के इलाकों में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए 15 करोड़ रुपये प्रति हेलिपैड की लागत से 200 नए हेलिपैड बनाए जाएंगे। छोटे एयरपोर्ट्स को शुरुआती दिनों में घाटे से बचाने के लिए सरकार उनके रख-रखाव के लिए 2,577 करोड़ रुपये की मदद देगी। एयरलाइन ऑपरेटरों को सस्ती दरों पर टिकट बेचने और रूट को चालू रखने के लिए 10 वर्षों में 10,043 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।

प्याज किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी

सरकार ने 13% बढ़ाया खरीद मूल्य, अब मिलेंगे 2125 रुपए प्रति क्विंटल

नई दिल्ली,4 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अपने बफर स्टॉक के लिए प्याज की सरकारी खरीद की रफ्तार बढ़ाने और किसानों को बेहतर दाम देने के लिए बड़ा फैसला किया है। सरकार ने प्याज का खरीद मूल्य 13% बढ़ाकर 2125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इससे पहले यह दाम 1875 रुपये प्रति क्विंटल था। चालू सीजन में सरकार द्वारा खरीद कीमतों में की गई यह पांचवीं बढ़ोतरी है। यह संशोधित कीमत 4 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू हो गई है।

बार-बार दाम बढ़ाने पर भी सुस्त रही खरीद

मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत प्याज की सरकारी खरीद की रफ्तार बेहद सुस्त रही है, जिसे तेज करने के लिए सरकार को बार-बार दाम बदलने पड़े हैं। 1 जून से शुरू हुई खरीद प्रक्रिया के बाद से सरकार साल 2026 के बफर स्टॉक के लिए अब तक केवल 2000 टन प्याज ही खरीद सकी है।

सीजन की शुरुआतः 12.70 रुपये प्रति किलो

22 मईः 15.80 रुपये प्रति किलो
13 जूनः 16.50 रुपये प्रति किलो
20 जूनः 17.30 रुपये प्रति किलो
इसके बादः 18.75 रुपये प्रति किलो
4 जुलाई से (नया दाम): 21.25 रुपये प्रति किलो (2125 रुपये प्रति क्विंटल)

बाजार में प्याज की स्थिति

धीमी सरकारी खरीद के बावजूद उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का कहना है कि देश में प्याज की उपलब्धता को लेकर कोई संकट नहीं है। कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, साल 2025-26 में प्याज का उत्पादन 307.37 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल (307.67 लाख टन) के लगभग बराबर ही है।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख राज्यों में प्याज का पर्याप्त स्टॉक है। देश की थोक मंडियों में रोजाना 50,000 टन से ज्यादा प्याज आ रहा है। महाराष्ट्र की मंडियों में औसत थोक भाव 18 रुपये प्रति किलो के आसपास चल रहा है। वर्तमान में पूरे भारत में प्याज की औसत खुदरा कीमत 31 रुपये प्रति किलो है। मंत्रालय के मुताबिक अच्छी क्वालिटी का प्याज अभी स्टोरेज में रखा है, जो आने वाले कम सप्लाई वाले महीनों में बाजार में उतारा जाएगा।अधिकारियों के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में मानसून की देरी और सामान्य से कम बारिश के चलते कुछ व्यापारियों ने भारी मात्रा में प्याज खरीदकर जमा करना (सट्टेबाजी) शुरू कर दिया है।

भारत ने आपको सब कुछ दिया...' इस बिजनेसमेन ने इंद्रा नूयी को याद दिलाया अतीत, पोस्ट में निकाली भड़ास

'नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अक्सर आपने देखा होगा कि जब कोई मशहूर हस्ती अपने करियर या किसी भी मुद्दे पर कोई विशेष टिप्पणी करता है तो उस पर लोगों की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगती हैं. इसी बीच पूर्व पेप्सिको सीईओ इंदिरा नूयी के एक बयान पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भारत में कभी सीईओ नहीं बन पाती. अब इनके इसी बयान पर लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.

कुछ लोगों का नजरिया अलग है तो वहीं कुछ लोग इस पर सहमत नहीं हैं. अब इसी मुद्दे पर लेखक और बिजनेसमेन सुहेल सेठ ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने अपने एक्स पर लिखा कि इंदिरा नूयी का यह कहना कि वह भारत में सीईओ नहीं बन सकती थी, अजीब लगता है, जबकि रिटायरमेंट के बाद भी वह भारत में हर मुमकिन बोर्ड पद पाने की लगातार कोशिश करती रही. साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि इतने सफल और काबिल लोग ही हमेशा अपने देश की बुराई क्यों करते हैं? इंदिरा नूयी के बयान और उसपर सुहेल सेठ की आई प्रतिक्रिया के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है.

ई20 पेट्रोल के बाद डीजल में 15% आइसोब्यूटेनॉल मिलाने का महाप्लान, नितिन गडकरी ने दी पूरी डिटेल

नई दिल्ली,4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अपने बायोफ्यूल ट्रांजिशन (बायोफ्यूल अपनाने की प्रक्रिया) के अगले चरण की तैयारी में है। इसके तहत डीजल में 15 प्रतिशत तक आइसोब्यूटेनॉल मिलाने की योजना है। इस कदम का मकसद देश की फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) आयात पर निर्भरता को कम करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी है।

गडकरी ने बताया क्या है प्लान?

सरकार की ऑल्टरनेटिव फ्यूल स्ट्रैटेजी के बारे में बात करते हुए गडकरी ने कहा कि इथेनॉल को सीधे डीजल के साथ नहीं मिलाया जा सकता।

लिहाजा, इथेनॉल से आइसोब्यूटेनॉल बनाने की कोशिशें जारी हैं। यह एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

गडकरी ने कहा, 'इथेनॉल को सीधे डीजल के साथ नहीं मिलाया जा सकता, इसलिए हम इथेनॉल से आइसोब्यूटेनॉल बना रहे हैं। आइसोब्यूटेनॉल डीजल का विकल्प बन सकता है।'

डीजल में आइसोब्यूटेनॉल ब्लेंडिंग की दी जाएगी इजाजत

मंत्री ने कहा कि सरकार डीजल में 15 फीसदी आइसोब्यूटेनॉल मिलाने की अनुमति देने की दिशा में काम कर रही है। इसे भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता और साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट फ्यूल की ओर बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम बताया गया। टेक्नोलॉजी में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि पायलट डेमोंस्ट्रेशन के नतीजे उत्साहजनक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने 100 फीसदी इथेनॉल और आइसोब्यूटेनॉल पर दो जेनरेटर सेट सफलतापूर्वक चलाए हैं। इससे साबित होता है कि ऐसे इंजन बनाए जा सकते हैं जो इन ईंधनों पर चल सकें।'

कच्चा तेल आयात हो सकता है कम

अधिकारियों का मानना है कि इसे अपनाने से भारत का कच्चा तेल आयात और कम हो सकता है। साथ ही देश में बने बायोफ्यूल की मांग भी बढ़ सकती है। यह घोषणा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी के जवाब में सरकार के ई20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम का बचाव करने के कुछ दिनों बाद आई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन---	04-28 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	कर्क----	06-40 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	08-53 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या---	11-00 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला-----	13-04 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक---	15-14 बजे
शनि	मीन	मे	धनु-----	17-28 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर---	19-34 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	21-24 बजे
			मीन----	23-03 बजे
			मेष----	00-39 बजे
			वृष-----	02-23 बजे

श्री रौद्र /श्री दुमती नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-50
सूर्यास्त. 18 -50
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ रविवार 05 July 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष पंचमी 13-30 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - शतभिषा 15-12 तक उप पूर्वभाद्रपद
योग. - आयुष्मान 16-39 तक उप सौभाग्य
करण - तैतिल 13-30 तक उप गर
विशेष: पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-15 से 18-54 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-50 - 07-26 अशुभ	शुभ। 18-50 - 20-15 शुभ
चंचल 07-26 - 09-04 शुभ	अमृत 20-15 - 21-37 शुभ
लाभ 09-04 - 10-43 शुभ	चंचल 21-37 - 22-59 शुभ
अमृत 10-43 - 12-21 शुभ	रोग 22-59 - 00-21 अशुभ
काल 12-21 - 13-59 अशुभ	काल 00-21 - 01-43 अशुभ
शुभ 13-59 - 15-37 शुभ	लाभ 01-43 - 03-05 शुभ
रोग 15-37 - 17-15 अशुभ	उत्पात 03-05 - 04-26 अशुभ
उत्पात 17-15 - 18-50 अशुभ	शुभ 04-26 - 05-50- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो)
आज आप व्यवसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे ! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा । किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है । आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा , ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में आई भयंकर तेजी, 17000 से ज्यादा बढ़े दाम

नई दिल्ली,4 जुलाई (एजेंसियां)। डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 6 हजार रुपये और 17 हजार रुपये से अधिक महंगे हो गए हैं।

इस हफ्ते कैसे रहे सोने के दाम

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,471 रुपये बढ़कर 1,46,344 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,39,873 रुपये पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,34,051 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,28,124 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,09,758 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,04,905 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,39,434 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 1,46,344 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा गया।

इस हफ्ते कैसी रही चांदी की कीमत

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 17,317 रुपये बढ़कर 2,33,858 रुपये प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,16,541 रुपये प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 2,33,858 रुपये प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,21,355 रुपये प्रति किलो देखा गया।

वैश्विक स्तर पर क्या रही सोने-चांदी की कीमत

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,170 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 62 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है। इससे साथ ही पिछले दो सत्रों डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से कीमती धातुओं में तेजी को सहारा मिला है।

प्रधानमंत्री दौरे के बीच जारी रहा 'क्रेडिट वॉर'

गरमाया रहा बीजेपी बनाम कांग्रेस

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे और बालोतरा के पचपदरा में राज्य की पहली पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी के लोकार्पण कार्यक्रम के बीच प्रदेश का सियासी पारा पूरी तरह से चढ़ा रहा। इस ऐतिहासिक परियोजना के उद्घाटन से ठीक पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार दो पोस्ट साझा करके राज्य की वर्तमान भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने राजस्थान के स्थानीय लोगों के रोजगार, पेट्रोकेमिकल जोन के भविष्य और इस पूरी परियोजना के वास्तविक इतिहास को लेकर कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे हैं, जिससे इस मेगा प्रोजेक्ट के क्रेडिट को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया प्रतिक्रिया में कहा कि आज का दिन राजस्थान के लिए बेहद ऐतिहासिक है क्योंकि राज्य की पहली पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी का उद्घाटन होने जा रहा है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई यह बड़ी योजना आज पूरी तरह क्रियाशील हो रही है। गहलोत ने इतिहास साझा करते हुए बताया कि 2008 में प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद ही राजस्थान में रिफाइनरी लगाने के गंभीर प्रयास शुरू किए गए थे।

अशोक गहलोत ने अपने पोस्ट में स्पष्ट लिखा कि यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के विशेष सहयोग के कारण ही राजस्थान को यह रिफाइनरी मिल सकी थी। इस प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने के लिए तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री मुरली देवड़ा और वीरप्पा मोइली के साथ लगातार बैठकें और संपर्क किया गया, जिसके बाद हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) को इस प्रोजेक्ट के लिए सहमत किया जा सका। वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार के दौरान ही सोनिया गांधी और वीरप्पा मोइली ने पचपदरा में इस रिफाइनरी का आधिकारिक शिलान्यास किया था।

गहलोत ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि 2013 में शिलान्यास के बाद राज्य में सत्ता बदलने पर राजनीतिक कारणों से 5 साल तक रिफाइनरी का काम पूरी तरह बंद रखा गया। इस देरी के कारण प्रोजेक्ट की शुरुआती लागत जो केवल 37,000 करोड़ रुपये थी, वह समय के साथ दोगुनी से भी अधिक बढ़कर लगभग 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसके बाद 2018 में जब दोबारा कांग्रेस सरकार बनी, तो इस काम को प्राथमिकता पर लिया गया और कोविड-19 जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा करवा दिया गया था।

राजस्थान में रिफाइनरी की स्थापना को एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए गहलोत ने कहा कि सामान्यतः रिफाइनरी परियोजनाओं में राज्य सरकारों की कोई हिस्सेदारी नहीं होती है। परंतु एचपीसीएल को राजस्थान में प्लांट लगाने के लिए राजी करने के उद्देश्य से तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने दूरदर्शिता दिखाते हुए रिफाइनरी में 26% की हिस्सेदारी ली थी।

इसी के परिणामस्वरूप 'एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड' नामक संयुक्त उद्यम का गठन हुआ, जिसने इस पूरी रिफाइनरी का निर्माण पूरा किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शिलान्यास किया था, गहलोत ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने इसे पूरी तरह से तथ्यात्मक रूप से गलत बताया और कहा कि मुख्यमंत्री को अपने ही राज्य की इतनी बड़ी परियोजना के इतिहास और शिलान्यास की बुनियादी जानकारी तक नहीं है। उन्होंने नसीहत दी कि मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से गलत बयानबाजी करने के बजाय अपने प्रशासनिक अधिकारियों से सही आंकड़े और मूल दस्तावेज मंगवाकर पढ़ लेने चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अशोक गहलोत

125 साल पुराने गुरुद्वारे को गिराए जाने पर श्रीगंगानगर में फूटा गुस्सा

पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

श्रीगंगानगर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारे को ध्वस्त किए जाने की खबर को लेकर श्रीगंगानगर में आक्रोश देखने को मिला। भाजपा और सर्व समाज के लोगों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को सिख समाज की धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत पर सीधा हमला बताते हुए पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई।

पूर्व विधायक शिमला बावरी ने कहा कि किसी ऐतिहासिक गुरुद्वारे को ध्वस्त करना केवल एक धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि करोड़ों सिख श्रद्धालुओं की भावनाओं, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को ठेस पहुंचाने जैसा है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं धार्मिक सहिष्णुता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं और दोषियों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

सरपंच राकेश बावरी ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय, विशेषकर सिख और हिंदू समाज के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक स्थल पर हमला मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

रामगढ़िया समाज के अध्यक्ष गब्बर सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराना स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने मांग की कि पाकिस्तान सरकार दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी सजा दे, ऐतिहासिक गुरुद्वारे का शीघ्र पुनर्निर्माण करवाए और देश में मौजूद सभी सिख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

गुरुद्वारा सिख सभा घड़साना के प्रधान थाना सिंह ने कहा कि सिख समाज इस घटना से बेहद आहत है। उन्होंने कहा कि धार्मिक विरासत की सुरक्षा हर सरकार की जिम्मेदारी है और पाकिस्तान सरकार को इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई कर विश्व समुदाय के सामने अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और सिख समाज के लोगों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों पर इस तरह के हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किए जा सकते। प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से भी मामले का संज्ञान लेकर धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले के फारूकाबाद में स्थित करीब 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक श्री गुरुद्वारा सिख सभा साहिब को ध्वस्त किए जाने की खबर सामने आने के बाद विश्वभर के सिख समुदाय में रोष व्याप्त है। इस घटना को लेकर भारत सहित कई स्थानों पर विरोध दर्ज कराया जा रहा है।

पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर 3 दुकानों में लाखों की चोरी

व्यापारियों ने बाजार बंद कर किया विरोध

अजमेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि उन्होंने पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है। केसरगंज इलाके में पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर बेखौफ चोरों ने एक साथ तीन दुकानों (मिठाई, खिलौने और इलेक्ट्रिक सामान) के ताले तोड़कर लाखों रुपये की नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। बदमाशों ने लोहे के औजार से शटर ऊपर उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसमें 5 से 6 बदमाश नजर आ रहे हैं। इसके अलावा पड़ाव क्षेत्र में भी चोरी की एक और वारदात सामने आई है।

लगातार बढ़ती वारदातों से गुस्साए व्यापारियों ने सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए बाजार बंद रखकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अज्ञात चोरों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। फिलहाल पुलिस फुटेज खंगाल कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आधे क्षेत्र में मानसून की एंट्री, जयपुर में सड़क धंसी

चित्तौड़गढ़-बांसवाड़ा में भारी बारिश

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। थोड़ी देर कर दी मौसम ने आते-आते। लेट से आया, लेकिन राजस्थान में मानसून ने दस्तक दे दी है। आधे प्रदेश को मानसून ने कवर कर लिया है। जयपुर में गुरुवार देर रात भी बारिश हुई। सवाई मानसिंह अस्पताल में ओटी में पानी भरने की खबर मिली। मरीजों को शिफ्ट किया गया, दूसरी जगह। ओटी के पास कॉरिडोर में सिलिंग गिरने की घटना हुई। चित्तौड़गढ़ में 12 घंटे में ढाई इंच तक पानी बरसा है। जिले के निंबाहेड़ा और कपासन में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए।

बांसवाड़ा में मूसलाधार बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। टोंक में भी बारिश हुई। चांदसेन रेन गेज सेंटर पर 24 घंटे में 64 एमएम बारिश दर्ज की गई। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में 24 घंटे में 2 सेंटीमीटर पानी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देर शाम कई इलाकों में रेत का बवंडर देखा गया। रामदेवरा और जैसलमेर में रेल का बवंडर देखा गया। अंधेरा छा गया। गाड़ियों के लाइट जलानी पड़ी।

मौसम विभाग ने राज्य में अगले दो सप्ताह बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। लगातार बारिश के कारण दिन के तापमान में 4 डिग्री तक की गिरावट हुई है। लोगों ने राहत की सांस ली है। गुरुवार को 16 से ज्यादा जिलों में 2 इंच तक बरसात हुई है। तेज बारिश के बीच डूंगरपुर में बिजली गिरने से दो नाबालिगों की मौत हो गई। जयपुर में टोंक रोड पर सड़क धंस गई। सड़क पर 20 फीट चौड़ा और 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया।

तेज बारिश के कारण चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमंद के शहर इलाकों में सड़कों पर पानी जमा हो गया है।

मानसून के पहले दिन ही अलवर, झुंझुनूं, सीकर, उदयपुर, भरतपुर, करौली, अजमेर के कई इलाकों में दो इंच से ज्यादा बरसात हुई है।

कई जिलों में पानी भरने से लोगों को परेशानी हो रही है। डूंगरपुर में गुरुवार की शाम बिजली गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। गुरुवार को एंट्री के बाद मानसून का असर जबरदस्त रहा। झालावाड़ में तेज बारिश हुई। वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा टोंक जयपुर और अलवर से होकर गुजर रही थी। अगले चार दिन तक मानसून प्रदेश के सभी इलाकों में पहुंच जाएगा।

दक्षिण पश्चिम मानसून इस बार भरतपुर, कोटा, बारां सहित 13 जिलों के कुछ हिस्सों तक पहुंचा है। ये तीसरी बार हुआ है, जब जुलाई में मानसून ने एंट्री मारी है।

इससे पहले 2014 और 2019 में मानसून ने जुलाई में प्रवेश किया था। बांसवाड़ा शहर में तेज बारिश हुई।

आजाद चौक के पास नदी बहने लगी। चित्तौड़गढ़ में दो इंच तक बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश से जयपुर की हालत खराब रही। कई जगहों पर सड़कों के धंसने की तस्वीर सामने आई है।

50 हजार की रिश्वत लेते पटवारी और दलाल गिरफ्तार

एसीबी ने ट्रैप कर रंगे हाथों दबोचा

जैसलमेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी लखवीर यादव और उसके कथित दलाल जेठूसिंह को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। जमीन के सीमांकन और राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज के बदले रिश्वत मांगी गई थी। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एसीबी ने पटवारी और दलाल को किया गिरफ्तार

जैसलमेर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पटवारी और उसके कथित दलाल को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर गोपनीय सत्यापन और योजनाबद्ध ट्रैप ऑपरेशन के बाद की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एसीबी के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पिता की कृषि भूमि की पुनः तरमीम (सीमा निर्धारण), राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक इंद्राज और पैमाइश की मौका रिपोर्ट उपलब्ध कराने के बदले संबंधित पटवारी रिश्वत की मांग कर रहा था। आरोप है कि पटवारी ने सीधे पैसे लेने के बजाय एक निजी व्यक्ति को माध्यम बनाया, जो कथित तौर पर दलाल की भूमिका निभा रहा था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी जैसलमेर ने पूरे मामले का गोपनीय सत्यापन किया। प्रारंभिक जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई गई। इसके बाद अधिकारियों ने पूरी रणनीति के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ने की तैयारी की।

ट्रैप के दौरान जैसे ही 50 हजार रुपये की रिश्वत का लेन-देन हुआ, एसीबी की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पटवारी लखवीर यादव और निजी व्यक्ति जेठूसिंह को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की पूरी राशि भी बरामद कर ली गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रिश्वत की रकम कथित दलाल के माध्यम से ली जा रही थी।

यह ट्रैप ऑपरेशन एसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में संपन्न हुआ। जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक के सुपरविजन में जैसलमेर एसीबी इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर को बंधक बनाकर दिनदहाड़े लाखों की लूट

अलवर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर के सदर थाना इलाके में शनिवार तड़के एक ऐसी वारदात हुई जिसने पूरे शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बदमाशों ने बेखौफ होकर जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर ओमप्रकाश के घर को निशाना बनाया। सुबह करीब 6 बजे तीन नकाबपोश बदमाश हथियारों के साथ उनके घर में दाखिल हुए। इसके बाद बदमाशों ने करीब डेढ़ घंटे तक असिस्टेंट कमिश्नर, उनकी पत्नी उर्मिला और 13 साल के बेटे प्रिंस को कट्टे के बल पर बंधक बनाए रखा। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने 13 साल के मासूम प्रिंस के सिर पर बैट (बल्ले) से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। इतना ही नहीं, बदमाशों ने परिवार के साथ मारपीट की और महिला को दुष्कर्म करने की धमकी देकर डराया। गनीमत रही कि इस मंजर के दौरान घर में सो रही 8 साल की मासूम बेटी नव्या की आंख नहीं खुली और वह सुरक्षित रही। बदमाशों ने पूरे घर को खंगाला और अलमारी में रखे करीब 20 तोला सोने-चांदी के कीमती जेवर और 30 से 40 हजार रुपये की नकदी समेट ली। जाते-जाते बदमाशों ने असिस्टेंट कमिश्नर की पत्नी के कानों के कुंडल और पैरों में पहनी चांदी की पायल भी जबरन उतरवा ली। यह पूरी वारदात सुबह 6 बजे से सवा 7 बजे के बीच हुई है। इसी बीच बच्चों को लेने के लिए स्कूल की बस घर के बाहर पहुंची। बदमाशों के हौसले इतने बुलंद थे कि उनमें से एक बदमाश बिना डरे बाहर गया और बस ड्राइवर से कह दिया कि आज बच्चे स्कूल नहीं जाएंगे, जिसके बाद बस वहां से चली गई।

प्यार ने बदल दी समाज की सोच, किन्नर रेशमा को मध्यप्रदेश के गुना में मिला जीवनसाथी

बारां, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले के शाहाबाद क्षेत्र में एक ऐसी शादी हुई, जिसने सिर्फ दो दिलों को ही नहीं मिलाया, बल्कि समाज के सामने स्वीकार्यता, सम्मान और इंसानियत की नई मिसाल भी पेश कर दी। मध्यप्रदेश के गुना जिले के कोल्हुआ निवासी सागर राजपूत (23) ने बारां जिले के देवरी निवासी किन्नर रेशमा (27) के साथ हिंदू रीति-रिवाज के साथ शादी की है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर में सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने की कसमें खाई है।

इस अनोखे विवाह में दोनों परिवारों के सदस्य, किन्नर समाज के लोग और करीबी मित्र मौजूद रहे। शादी के बाद नवदंपती को आशीर्वाद देने वालों का तांता लग गया। यह शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

रेशमा और सागर पिछले करीब तीन महीने से एक-दूसरे के साथ रह रहे थे। साथ रहते हुए दोनों के बीच भरोसा, अपनापन और प्रेम बढ़ता गया। इसके बाद सागर ने रेशमा के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। शुरुआत में रेशमा सामाजिक सोच और लोगों की प्रतिक्रियाओं को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन सागर ने हर परिस्थिति में साथ निभाने का भरोसा दिलाया। आखिरकार दोनों ने शादी का फैसला लिया और गुरुवार को मंदिर में विधिवत विवाह संपन्न हुआ।

विवाह के बाद रेशमा ने कहा कि समाज अक्सर किन्नरों को दया या अलग नजर से देखता है, जबकि उन्हें भी सम्मान, समान अधिकार और सामान्य जीवन जीने का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि सागर ने उन्हें समझा, अपनाया और जीवनसाथी बनाया, जो उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। वहीं सागर राजपूत ने कहा कि रिश्ते की सबसे मजबूत नींव विश्वास, प्रेम और सम्मान होती है। उन्होंने समाज की परवाह किए बिना अपने दिल की बात सुनी और रेशमा को जीवनसाथी चुना। उनका कहना है कि इंसान की पहचान उसके व्यवहार और चरित्र से होती है, न कि उसकी पहचान या सामाजिक वर्ग से।

रेशमा की कहानी भी संघर्षों से भरी रही है। जन्म के समय परिवार ने उन्हें दुनिया की नजरों से बचाकर रखा। करीब पांच साल पहले उन्होंने अपना नाम बदलकर रेशमा रखा और किन्नर समाज की परंपरा के अनुसार साड़ी पहनकर बधाई मांगने का काम शुरू किया। आज वही रेशमा अपने जीवन के नए सफर की शुरुआत कर रही हैं। यह शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि समाज में समानता, स्वीकार्यता और प्रेम का एक सशक्त संदेश बनकर सामने आई है।

5000 रिश्वत मामले में कृषि अधिकारी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

खाद-बीज दुकान प्रमाणन के बदले मांगी थी रकम

गिरफ्तार आरोपी आनंदी लाल मीणा

बारां, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जिला परिषद बारां के कृषि अधिकारी (कृषि विस्तार के तत्कालीन संयुक्त निदेशक) आनन्दीलाल मीणा के खिलाफ जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। आरोप था कि खाद-बीज की दुकानों के स्टॉक रजिस्टर का प्रमाणीकरण करने के बदले प्रति दुकान 5 हजार रुपए रिश्वत मांगने और लेने का आरोप है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि 4 मई 2026 को परिवादियों ने संयुक्त रूप से ब्यूरो कार्यालय, बारां में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर शिकायत की थी। आरोप था कि तत्कालीन संयुक्त निदेशक आनन्दीलाल मीणा खाद-बीज एवं कीटनाशक के स्टॉक रजिस्टर प्रमाणित करने के बदले प्रति दुकान 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत के बाद एसीबी बारां ने गोपनीय सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान एक परिवादी से स्टॉक रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के लिए 5 हजार रुपए तथा दूसरे परिवादी से भी 5 हजार रुपए रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। इस दौरान आरोपी द्वारा एक परिवादी से 2 हजार रुपए रिश्वत लेने का भी सत्यापन हुआ।

'पानी में नशीला पदार्थ मिलाता है ब्यूटी पार्लर संचालक', युवतियों ने लगाया आरोप

चूरू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सादुलपुर शहर के शीतला बाजार स्थित एक ब्यूटी पार्लर में कथित रूप से पीने के पानी में संदिग्ध पदार्थ मिलाने के आरोपों ने तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस थाने पहुंच गया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ था। युवतियों की ओर से पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वे मार्च 2026 से उक्त ब्यूटी पार्लर में कार्यरत थीं। प्रारंभ में पार्लर संचालक केवल हिसाब-किताब के लिए आता था, लेकिन बाद में उसका बार-बार पार्लर के अंदर आना उन्हें असहज लगने लगा। शिकायत के अनुसार 27 जून को उन्हें संदेह हुआ कि संचालक पीने के पानी में कोई संदिग्ध पदार्थ मिला रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि संदेह की पुष्टि के लिए उन्होंने पार्लर में मोबाइल फोन लगाकर रिकॉर्डिंग शुरू की। आरोप है कि 29 जून को रिकॉर्डिंग के दौरान संचालक फिर पानी में कोई पदार्थ मिलाता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को सूचना दी, काम छोड़ दिया और पुलिस थाने पहुंचकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

हाई-प्रोफाइल ठगी में झुंझुनूं ध्यान केंद्र पर ठगी का आरोप

4700 करोड़ के झांसा देकर हड़पे करोड़ों रुपए

झुंझुनूं, 4 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में दर्ज एक हाई-प्रोफाइल कथित ठगी के मामले में झुंझुनूं जिले के नरहड़ स्थित एक ध्यान केंद्र का नाम सामने आने से सनसनी फैल गई है। पुलिस ने भिवानी के एक कपड़ा व्यापारी को विशेष हवन के माध्यम से 4700 करोड़ रुपए दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में झुंझुनूं जिले के नरहड़ स्थित केयर ऑफ कॉस्मिक धाम ध्यान केंद्र के प्रबंधक सोनू समेत 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरोप है कि पीड़ित से करीब 5 करोड़ रुपए, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी अलग-अलग बहानों से हड़प ली। पुलिस के अनुसार भिवानी के 49 पंचायत पॉकेट मार्केट निवासी कपड़ा व्यापारी की जून 2025 में शत्रुघ्न साहू से जान-पहचान हुई थी। इसके बाद उसकी मुलाकात आनंद स्वामी और डॉ. जाहिर अहमद से कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने खुद को प्रभावशाली और आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न बताते हुए व्यापारी का विश्वास जीत लिया।

शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने व्यापारी को गृह मंत्रालय के कथित प्रशस्ति पत्र, जेड सुरक्षा से जुड़े फर्जी दस्तावेज और कई वीडियो दिखाए।

इन दस्तावेजों और दावों के आधार पर उसे विश्वास दिलाया गया कि विशेष धार्मिक अनुष्ठान और हवन कराने से उसे 4700 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त होगी।

इसी भरोसे में व्यापारी को लगातार विभिन्न अनुष्ठानों और पूजन सामग्री के नाम पर रकम खर्च करने के लिए प्रेरित किया गया।

रजिस्ट्रार दफ्तर में घुसा पौने 5 फीट लंबा कोबरा सांप, वन विभाग पर उठे सवाल

चित्तौड़गढ़, 4 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिला कलक्ट्रेट परिसर के रजिस्ट्रार कार्यालय में उस समय दहशत फैल गई जब वहां एक बेहद खतरनाक और विषैला काला नाग कोबरा घुस आया। कलक्ट्रेट जैसी संवेदनशील जगह पर पौने 5 फीट लंबे जहरीले नाग को देखकर कर्मचारियों और आमजन के हाथ-पांव फूल गए। सांप की खबर फैलते ही कर्मचारी और दफ्तर में आए लोग बाहर भागे। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य मयूर गोसावी ने कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा को रेस्क्यू किया।

किसी अन्य जीव से संघर्ष में सांप घायल पाया गया। घायल सांप का फिलहाल पशु चिकित्सकों की देखरेख में उपचार चल रहा है, जिसे पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर चित्तौड़गढ़ जिले में वन विभाग की कार्यप्रणाली और उसकी तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। वन्यजीवों को रेस्क्यू करने का जिम्मा उठाने वाला विभाग पूरी तरह लाचार नजर आ रहा है। कागजों के बजट के दावों के बीच जमीनी हकीकत यह है कि विभाग के पास एक सक्रिय रेस्क्यू टीम और संसाधनों तक का अभाव है। यदि पर्यावरण समिति के सदस्य समय पर न पहुंचते तो बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। विभाग की इस कुंभकर्णी नींद को लेकर अब आमजन में भारी आक्रोश है।

वन विभाग की घोर निष्क्रियता के बीच पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य मसीहा बनकर सामने आ रहे हैं। शहर या आस-पास जब भी 30 से 40 फीट गहरे कुएं में कोई वन्यजीव गिरता है तो वन विभाग हाथ खड़े कर लेता है। ऐसे मुश्किल हालातों में समिति के सदस्य रस्सी के सहारे गहरे कुएं में उतरकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हैं।

कम वर्षा की आशंका वाले जिलों के लिए वैकल्पिक फसल योजना तैयार करें : मुख्य सचिव

कृषि, स्वास्थ्य, पेयजल एवं शिक्षा क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने शनिवार को जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कृषि, स्वास्थ्य, पेयजल एवं शिक्षा क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति तथा तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कृषि क्षेत्र की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि कुछ जिलों में सामान्य से कम वर्षा की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें। उन्होंने वर्षा की कमी के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए जिला-विशिष्ट वैकल्पिक फसल योजनाएं तैयार करने तथा किसानों को समय पर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

साथ ही गुणवत्तापूर्ण बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण की सतत निगरानी करने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों के बीच फसल विविधीकरण के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से कृषि क्षेत्र अधिक सुदृढ़ होगा, अनियमित वर्षा से जुड़े जोखिम कम होंगे तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी।

जनस्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को मानसून के दौरान मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पंचायत राज, नगर प्रशासन, ग्रामीण जलापूर्ति तथा अन्य विभाग आपसी तालमेल के साथ निवारक उपाय, स्वच्छता अभियान, वाहक नियंत्रण गतिविधियां तथा जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित करें। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर सक्रिय कदम उठाने से मौसमी बीमारियों की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को बदलते मौसम और वर्षा की स्थिति को देखते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की भी लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, विशेषकर प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के दौरान। उन्होंने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता की निगरानी करने तथा संभावित कमी की स्थिति में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। शिक्षा क्षेत्र की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को मध्याह्न भोजन योजना के लिए आवश्यक रसोई अवसंरचना स्थापित करने हेतु उपयुक्त स्थलों की पहचान करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित विभागों के समन्वय से इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने को कहा ताकि आवश्यक अवसंरचना के विकास में किसी प्रकार की देरी न हो। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को लाइन विभागों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने, क्षेत्रीय स्तर पर कार्यान्वयन की नियमित निगरानी करने तथा सभी प्राथमिकता वाले मुद्दों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर एवं नवीन मित्तल, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव क्रिस्टीना चोंग्थू, सिंचाई विभाग के सचिव ई. श्रीधर, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, एमएयूडी सचिव टी.के. श्रीदेवी, श्रम एवं रोजगार सचिव हरिचंदना, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी, बागवानी निदेशक यास्मीन बाशा, स्कूल शिक्षा निदेशक नवीन निकोलस, कृषि निदेशक गोपी, बीआईई निदेशक अभिलाषा अभिनव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एआई और अंग्रेजी भाषा शिक्षण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में अंग्रेजी भाषा शिक्षण की पुनर्कल्पना: भाषा, साहित्य, प्रौद्योगिकी और वैश्विक रोजगार क्षमता का सेतु' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन में अंग्रेजी भाषा शिक्षण और अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका तथा इसके प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी प्रोफेसर एस. जितेंद्र कुमार नाइक ने कहा कि एआई विषय पर सम्मेलन आमतौर पर इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं, लेकिन अंग्रेजी विभाग की ओर से भाषा और एआई के समन्वय पर आयोजित यह सम्मेलन समकालीन और समय की आवश्यकता के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल है।

सम्मेलन में कुल 88 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इसमें भारत के नौ राज्यों से आए 28 बाहरी विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। समानांतर तकनीकी सत्रों में एआई आधारित भाषा शिक्षण, साहित्य, अनुवाद अध्ययन, शिक्षक शिक्षा, मूल्यांकन पद्धति, डिजिटल शिक्षाशास्त्र, बहुभाषी कक्षाओं, सांस्कृतिक अध्ययन, लैंगिक अध्ययन तथा शिक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना देश की आवश्यकता : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने मिडजिल मंडल में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि वर्तमान समय में देश के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना एक ऐतिहासिक आवश्यकता है।

उन्होंने तेलंगाना की जनता से अपील की कि वे राज्य निर्माण में योगदान देने के लिए सोनिया गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाने के प्रयासों का समर्थन करें। महबूबनगर के मिडजिल मंडल में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि देश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना समय की मांग है और इसके लिए तेलंगाना से मजबूत समर्थन की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि 20 वर्ष पूर्व इसी मिडजिल मंडल से जिला परिषद क्षेत्रीय सदस्य (जेडपीटीसी) के रूप में उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत हुई थी। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उनके लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और यहां के लोगों का विश्वास ही उनकी ताकत बना। उन्होंने कहा कि मिडजिल और गट्टू मंडलों को कभी अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन यहां के लोगों ने विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का से मिडजिल मंडल को गोद लेकर इसे आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के गठन और राज्य के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि बुर्गुला रामकृष्ण राव, जयपाल रेड्डी और डॉ. दयापा गोपाल रेड्डी जैसे नेताओं ने इस क्षेत्र की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला करते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों के शासन के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी कर्ज का बोझ डाला गया और कथित तौर पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुईं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष सत्ता में लौटने के प्रयास कर रहा है, जबकि जनता के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों को अब रोका गया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार ने 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को भुगतान की है तथा फसल ऋण माफी, रैतू भरोसा, सूक्ष्म धान बोनस, मुफ्त बस यात्रा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विकास और कल्याण के बीच संतुलन बनाकर कार्य कर रही है।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा ने शिक्षण सामग्री वितरित की

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद मेंसंपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से समाज के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं में शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। सभा के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में आये विद्यार्थियों को उनकी अवश्यकता अनुसार सामग्री का वितरण किया। शिक्षण सामग्री की व्यवस्था में सभा के उपाध्यक्ष राकेश तिवारी का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

बैठक की अध्यक्षता डॉ.राम कुमार तिवारी ने की। कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला सूर्य प्रकाश शुक्ला, विजयपाल पाण्डेय, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, जय शंकर प्रसाद तिवारी, शोभा दुबे, प्रेम सुन्दर शुक्ला, राहुल मिश्रा, श्रीदत्त शुक्ला, लक्ष्मी नारायण अवस्थी ने भाग लिया। सभा की वरिष्ठ सदस्य सांस्कृतिक मंत्री, श्रीमती रत्नकला मिश्रा के देहावसान पर दो मिनिट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

साइबराबाद पुलिस ने 5.02 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ किए नष्ट

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज विभिन्न मामलों में जब्त किए गए 5.02 करोड़ रुपये मूल्य के 833.118 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थों को शुक्रवार को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई ड्रग्स के दोबारा अवैध इस्तेमाल और तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई। पुलिस के अनुसार, मादक पदार्थों का निस्तारण डीसीपी (अपराध एवं ईओडब्ल्यू) ए. मुथ्यम रेड्डी की अध्यक्षता वाली ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में किया गया। पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन करते हुए रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल स्थित एडुलापल्ली गांव में जीजे मल्टीक्लेव (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड परिसर में इन्हें जलाकर नष्ट किया गया।

नष्ट किए गए मादक पदार्थ एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 101 मामलों से संबंधित थे। इनमें 797.841 किलोग्राम गांजा, 912.2 ग्राम गांजा के पौधे, 24.640 किलोग्राम मारिजुआना चॉकलेट, 0.005 ग्राम एमडीएमए, 1.658 किलोग्राम हशीश ऑयल, 7.970 किलोग्राम अल्प्राजोलम तथा 92 ग्राम चरस शामिल थी।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही अल्लूरी सीताराम राजू को सच्ची श्रद्धांजलि : भट्टी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने कहा है कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना ही स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू को सच्ची श्रद्धांजलि है। शनिवार को टैंक बंड स्थित अल्लूरी सीताराम राजू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह बात कही। इस अवसर पर मंत्री वाकिटी श्रीहरि भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने अल्लूरी सीताराम राजू को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने मात्र 27 वर्ष की आयु में देश की स्वतंत्रता और आदिवासी अधिकारों के लिए असाधारण बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि अल्लूरी आज भी साहस, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि अल्लूरी के आदर्श हमें समाज में समानता और न्याय की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षत्रिय सेवा समिति द्वारा उपलब्ध कराई गई एक एंबुलेंस को मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट को सौंपा। उन्होंने कहा कि यह एंबुलेंस आपातकालीन सेवाओं और जनसेवा को और मजबूत करेगी।

'शपथ' पहल का सशक्त आगाज

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 'ड्रग फ्री यंग इंडिया' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहल शपथ- एंटी ड्रग अभियान के अंतर्गत प्रथम जागरूकता कार्यक्रम मुसा बौली स्थित राजस्थान हिंदी विद्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम श्री राम निवास बंसल के मार्गदर्शन में टीम शपथ द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें आयुष अग्रवाल, कन्हैया गड़िया एवं दिव्या अग्रवाल की सक्रिय भूमिका रही। इस अभियान को तेलंगाना पुलिस विभाग एवं ईगल फोर्स का सहयोग प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव (तेलंगाना ईगल फोर्स) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के बढ़ते खतरे और विशेष रूप से बच्चों को निशाना बनाए जाने के विषय में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने ड्रग फ्री यंग इंडिया के संकल्प को दोहराया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय की ओर से महावीर पिट्टी, दामोदर मुंडडा, कमल जाजू एवं महेश अग्रवाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

युवाओं की समाज नवनिर्माण में महती भूमिका : सुरेश सीरवी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगठन की मजबूती में युवा शक्ति की निर्णायक भूमिका को रेखांकित करते हुए एल.बी. नगर स्थित सीरवी समाज आईमाता वडेर में अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी पाली की अध्यक्षता में हुई।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसाराम सोलंकी ने बैठक में संगठन विस्तार, तेलंगाना राज्य युवा परिषद के गठन, सेवा गतिविधियों के विस्तार तथा बैठक आयोजन के उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

अवसर पर सुरेश सीरवी ने कहा कि तेलंगाना में निवासरत समाज बंधु मिलकर एक सशक्त युवा परिषद का गठन करें, जो समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि युवा परिषद का उद्देश्य समाज में एकता, संगठन और सेवा की भावना को मजबूत करना होगा।

बैठक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हरीश मुलेवा ने सिस्टम आधारित समाज मॉडल की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली पर बल दिया। सुनील सीरवी ने संबोधित करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, युवा नेतृत्व और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के संगठित प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक में सीरवी महासभा तथा वडेरो के अध्यक्ष, सचिव एवं प्रतिनिधियों के साथ साथ समाज के अनेक प्रबुधजनों ने भाग लिया एवं अपने विचार प्रकट किए। उपस्थित समाज बंधुओं ने युवा परिषद के गठन प्रस्ताव का स्वागत करते हुए समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर थाईलैंड में वेट लिफ्टिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल अर्जित करने पर सुरेश भायल का युवा परिषद एवं समाज बंधुओं द्वारा स्वागत किया गया। बैठक में एलबी नगर वडेर की कार्यकारिणी टीम का विशेष सहयोग रहा और अध्यक्ष वेनाराम चोयल एवं सचिव प्रकाश सेपटा द्वारा सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया गया।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने किया सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन के दक्षिणी प्रवेश द्वार, पुनर्विकसित फसाड, प्रथम एवं द्वितीय तल, भूमिगत पार्किंग सुविधा तथा संपूर्ण स्टेशन पुनर्विकास योजना का जायजा लेकर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आर गोपालाकृष्णन तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को परियोजना की वर्तमान प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा यात्रियों के लिए विकसित की जा रही आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी। कुमार ने परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि अमृत स्टेशन योजना के तहत सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद यात्रियों को आधुनिक यात्री सुविधाएं, बेहतर आवागमन व्यवस्था, विशाल भूमिगत पार्किंग तथा विश्वस्तरीय स्टेशन परिसर उपलब्ध होगा।

जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जयसवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह का पालाभिषेक किया। यह कार्यक्रम भारत में नक्सलवाद को खत्म करने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपलक्ष में किया गया। अवसर पर बालाजी सिंह, शंकर कुबेर, संदीप जैन, हरिनाथ और भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

89 लाख रुपये से अधिक का गांजा जब्त

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के साथुपल्ली पुलिस ने 166.36 किलोग्राम गांजा जब्त कर तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत 89.13 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस मामले में फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। साथुपल्ली के पुलिस निरीक्षक टी. श्रीहरि ने शनिवार को बताया कि ओडिशा से हैदराबाद गांजा की तस्करी किए जाने की सूचना मिलने पर एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट (ईएजीएल) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को साथुपल्ली क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें गांजे के 80 पैकेट बरामद हुए। कार चला रहे ओडिशा के मलकानगिरी जिले के निवासी प्रबीन भात्रा को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि ओडिशा निवासी बिकारी उर्फ रोहन ने उसे 10 हजार रुपये का लालच देकर गांजे की खेप हैदराबाद पहुंचाने का काम सौंपा था। पुलिस ने गांजे के अलावा तस्करी में प्रयुक्त कार, एक मोबाइल फोन और 500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आरोपी बिकारी उर्फ रोहन तथा आंध्र प्रदेश के नंदीयाल निवासी चक्का नागेश्वर राव की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। प्रबीन भात्रा के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चरित्र पर शक में नर्स पत्नी की हत्या, पति फरार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उप्पल क्षेत्र में शनिवार को एक 38 वर्षीय नर्स की कथित तौर पर उसके पति ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान पी. जेसिका (38) के रूप में हुई है, जो तारनाका स्थित एक अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। उनके पति पी. सुरेश (41) सफिलगुडा में कैब सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत हैं। वर्ष 2015 में दोनों का विवाह हुआ था और उनकी नौ वर्षीय एक बेटी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुरेश को लंबे समय से पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के एक रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर आरोपी ने आदर्श नगर, चिल्कानगर स्थित अपने घर में किसी भारी वस्तु से हमला कर जेसिका की कथित रूप से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर उप्पल पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ध्रुव जुरेल ने जड़ा शानदार शतक

श्रीलंका के खिलाफ बल्ले से दिखाया दम

कोलंबो, 4 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ए ध्रुव जुरेल की कप्तानी में श्रीलंका के दौरे पर है. इस दौरे पर टीम अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला गॉल के मैदान पर खेला जा रहा है. पहले मैच में इंडिया ए की टीम ने जीत हासिल करने के बाद दूसरे मैच में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा है. इस मैच में टीम के लिए 24 साल के युवा खिलाड़ी ने भी बेहतरीन अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए एक मैराथन पारी खेली. इस सीरीज के पहले मैच में भी इस बल्लेबाज से लाजवाब अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोका था. आइए आपको भी बताते हैं कौन है ये खिलाड़ी...

श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए साईं सुदर्शन ने बेहतरीन अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं. उन्होंने लगातार दूसरे मैच में शतक ठोक दिया है. पहले मैच की पहली पारी में उन्होंने 132 रनों की कमाल पारी खेली थी. श्रीलंका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए सुदर्शन मैदान की हर दिशा में शॉट खेल रहे हैं. खबर लिखे जाने तक उन्होंने 239 गेंदों में 145 रन बोर्ड पर लगा दिए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 16 चौके निकले. मैच में वो टीम के लिए ओपनिंग करने के लिए उतरे थे. साईं सुदर्शन ने टीम इंडिया के लिए साल 2025 में इंग्लैंड के दौरे पर डेब्यू किया था. इस दौरे पर उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था, जिसके बाद से लगातार सवाल खड़े हो रहे थे लेकिन हालिया फॉर्म उनका शानदार रहा है. टीम इंडिया के लिए उन्होंने अब तक 7 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसकी 12 पारियों में उन्होंने 383 रन बनाए हैं. उनका औसत 31.91 का रहा है और उनके नाम 3 अर्धशतक हैं. टीम इंडिया के लिए आखिरी बार वो अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने उतरे थे, जिसमें उनके बल्ले से 81 रनों की पारी आई थी.

15 साल के वैभव का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू

तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

मैनचेस्टर4 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट को अपना नया 'बॉस बेबी' मिल चुका है। आईपीएल 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को हैरान करने वाले 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी ऐतिहासिक आगाज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करते ही वैभव ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। महज 15 साल 99 दिन की उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन के अलावा शेफाली वर्मा का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज था। सचिन ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल 205 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। अब वैभव ने उनसे भी कम उम्र में टीम इंडिया की जर्सी पहनकर इतिहास रच दिया। इस सूची में तीसरे स्थान पर पूर्व स्पिनर पीयूष चावला हैं, जिन्होंने 17 साल 75 दिन की उम्र में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया था।

वैभव सूर्यवंशी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने पहली बार उन्हें मौका दिया था। उस समय उन्होंने अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी, लेकिन असली विस्फोट आईपीएल 2026 में हुआ। पूरे सीजन में उन्होंने ऐसी बल्लेबाजी की कि दुनिया के दिग्गज गेंदबाज भी उनके सामने बेबस नजर आए।

15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। इस दौरान उन्होंने 72 छक्के लगाए, एक शतक सहित छह बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। महज 327 गेंदों में 776 रन बनाना टी20 क्रिकेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजी प्रदर्शनों में गिना जा रहा है। वैभव ने आईपीएल में जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, लुंगी एनगिडी और मैट हेनरी जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 239.11 रहा, जबकि स्पिनरों के खिलाफ भी उन्होंने 228 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। लगभग हर गेंदबाज के खिलाफ उनका पहला संदेश एक ही था, आक्रामक बल्लेबाजी।

आईपीएल में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं ने वैभव को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया था। इसके अलावा उन्हें एशियन गेम्स 2026 के लिए भी भारतीय टीम में जगह मिली। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना था कि अब सिर्फ उनके डेब्यू का इंतजार है और वह इंतजार इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में खत्म हो गया।

वैभव के लिए यह सिर्फ एक डेब्यू नहीं था, बल्कि भारतीय क्रिकेट इतिहास का एक नया अध्याय भी था। जिस उम्र में अधिकांश खिलाड़ी अंडर-16 क्रिकेट खेल रहे होते हैं, उस उम्र में वैभव भारत की सीनियर टीम की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरे और इतिहास रच दिया।

लाहिरू उदारा ने डेब्यू टेस्ट में 188 रन बनाए

पहले दिन श्रीलंका का स्कोर 338/5, विंडीज के सील्स के 100 विकेट पूरे

एंटीगुआ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। टीम ने मुकाबले के पहले दिन 5 विकेट पर 338 रन बना लिए हैं। 32 साल के ओपनर लाहिरू उदारा ने डेब्यू मैच में 248 गेंदों पर 188 रनों की पारी खेली। वे दोहरा शतक लगाने से सिर्फ 12 रन से चूक गए।

एंटीगुआ के सर विव रिचर्ड्स स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। उदारा को पाथुम निसंका की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। पहले दिन का खेल खत्म होने से ठीक आधा घंटा पहले वेस्टइंडीज ने दो विकेट लेकर मैच में थोड़ी वापसी की। सोनल दिनुषा 5 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं।

श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही थी। मैच के पहले ही घंटे में तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने निशान मदुष्का और दिनेश चांदीमल को सस्ते में पवेलियन भेज दिया था। एक समय टीम का स्कोर 25/2 हो गया था। ओपनर लाहिरू उदारा ने कमिंडू मेंडिस (84 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 255 गेंदों पर 215 रनों की पार्टनरशिप की। यह वेस्टइंडीज की धरती पर श्रीलंका की ओर से तीसरे विकेट की सबसे बड़ी टेस्ट साझेदारी है।

इस साझेदारी को जस्टिन ग्रीव्स ने तोड़ा। उन्होंने मेंडिस को विकेटकीपर शाई होप के हाथों स्टंप कराया। मेंडिस ने 120 बॉल पर 84 रन बनाए।

कमिंडू मेंडिस के आउट होने के बाद कप्तान धनंजय डी सिल्वा क्रीज पर आए। उदारा और धनंजय ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। उदारा ने अपनी पारी में 4 छक्के भी लगाए। उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक भी एक छक्के के साथ ही पूरा किया था।

दिन के आखिरी सेशन में वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। टीम ने पहले लाहिरू उदारा का विकेट लिया, फिर धनंजय डी सिल्वा 33 रन बनाकर स्लिप में कैच दे बैठे। धनंजय का विकेट लेते ही वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। वह गेंदों के हिसाब से 100 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप पहले स्थान पर हैं।

वेस्टइंडीज ने दिन के खेल में दो अहम मौके भी गंवाए। लाहिरू उदारा जब 55 रन पर थे, तब जेडन सील्स की गेंद पर स्लिप में जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स के बीच तालमेल की कमी से उनका कैच छूट गया। कमिंडू मेंडिस 41 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तभी उनके बल्ले का किनारा लगा, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने अपील नहीं की। बाद में रिप्ले में अल्ट्रा-एज से साफ हुआ कि गेंद ने बल्ले का किनारा लिया था।

6 छक्कों के साथ आया रोवमन पॉवेल का तूफान

सुपर किंग्स के खिलाफ 27 गेंदों में ताबड़तोड़ पारी से टीम को दिलाई जीत

खेल डेस्क, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में रोवमन पॉवेल अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण चर्चा का विषय बने हैं. कुछ दिनों पहले उन्होंने 5 गेंदों में 5 छक्के जड़ दिए थे. अब टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ रोवमन ने 27 गेंदों में जोरदार पारी खेलते हुए अपनी टीम एलए नाइट राइडर्स को 6 विकेट से जीत दिलाई. अपनी इस पारी में पॉवेल ने 6 छक्के एवं 6 चौके जड़े और 270.37 के ताबड़तोड़ स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की.

टेक्सस सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 173 रन स्कोरबोर्ड पर दर्ज किए. जवाब में एलए नाइट राइडर्स ने 10.4 ओवरों में 59 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे. LAKR को जीत के लिए 56 गेंदों में 115 रनों की जरूरत थी और यहां से उनकी जीत की उम्मीदें कम हो गई थी.

रोवमन पॉवेल बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अपनी ताबड़तोड़ पारी से मैच पलट दिया. उन्होंने 27 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 73 रन बनाए. रोवमन ने 270.37 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की. पॉवेल की इस पारी ने एलएकेआर को जीत के करीब ला खड़ा किया.

रोवमन पॉवेल अपनी 73 रनों की पारी के दम पर स्कोर 166 रन तक ले गए. टीम को जीत के लिए 15 गेंदों में मात्र 8 रन चाहिए थे. पॉवेल के आउट होने के बाद जेसन होल्डर ने आकर कॉलिन मुनरो के साथ मैच खत्म किया. 8 गेंद रहते एलएकेआर ने 6 विकेट से जीत दर्ज की.

ना मिलाया हाथ, ना लगा गले, मैच में घुसा फैन

रहमानुल्लाह गुरबाज की टोपी चुराकर हुआ रफूचक्कर

काबुल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट के मैदान पर फैंस की ओर से सुरक्षा घेरा तोड़कर खिलाड़ियों से मिलने या गले लगाने की घटनाएं तो आम हैं, लेकिन अफगानिस्तान से एक अनोखा और मजेदार मामला सामने आया है. यहां शपेगीजा क्रिकेट लीग) के एक मुकाबले के दौरान एक सिरफिरा फैन मैदान के अंदर घुस आया. उसने न तो किसी खिलाड़ी को गले लगाया और न ही ऑटोग्राफ मांगा, बल्कि वह अफगानिस्तान के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज की कैप सिर से उड़ाकर भाग निकला. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.

यह दिलचस्प वाकया बंद-ए-अमीर ड्रैगन्स और मिस ऐनाक नाइट्स के बीच खेले गए टी20 मैच के दौरान हुआ. मिस ऐनाक नाइट्स के कप्तान रहमानुल्लाह गुरबाज उस समय पहली पारी में फील्डिंग कर रहे थे. तभी स्टैंड्स से एक फैन सुरक्षाकर्मियों की आंखों में धूल झोंककर अचानक बाउंड्री लांघते हुए मैदान के बीच में पहुंच गया. इससे पहले कि गुरबाज या वहां मौजूद बाकी खिलाड़ी कुछ समझ पाते, उस शख्स ने तेजी से गुरबाज के सिर से उनकी कैप झपटी और हवा की रफ्तार से वापस बाउंड्री की तरफ दौड़ लगा दी.

फैन ने चुराई रहमानुल्लाह गुरबाज की कैप

इस हरकत को देखकर मैदान पर मौजूद खिलाड़ी और अंपायर अपनी हंसी नहीं रोक पाए. स्टेडियम में मौजूद फैंस भी इस नजारे को देखकर ठहाके लगाने लगे. सोशल मीडिया पर इस मजेदार घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. लोग इसे 'फैन ऑन अ मिशन' का नाम दे रहे हैं. हालांकि, इस घटना ने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठा दिए हैं.

मैच में रहमानुल्लाह गुरबाज की कप्तानी वाली टीम मिस ऐनाक नाइट्स का पूरी तरह से दबदबा रहा. टॉस जीतकर गुरबाज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो बिल्कुल सही साबित हुआ. मुजीब उर रहमान और जियाउर रहमान की घातक गेंदबाजी के सामने हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी वाली बंद-ए-अमीर ड्रैगन्स की टीम सिर्फ 114 रनों पर ढेर हो गई. इसके बाद 115 रनों के आसान टारगेट का पीछा करने उतरी मिस ऐनाक नाइट्स ने सिर्फ 9.4 ओवरों में ही 2 विकेट खोकर मैच को एकतरफा अंदाज में जीत लिया. टीम की इस धमाकेदार जीत में कप्तान रहमानुल्लाह गुरबाज और खालिद तनीवाल ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं.

अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्डकप के अंतिम-16 में

केप वर्डो को हराया; मेसी लगातार आठ मैच में गोल करने वाले पहले फुटबॉलर; ऑस्ट्रेलिया बाहर

वाशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उसने खेले गए मुकाबले में केप वर्डे को 3-2 से हराया। अब मंगलवार को उसका मुकाबला इजिप्ट से होगा। इजिप्ट ने ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर बाहर किया। एक अन्य मैच में कोलंबिया ने घाना को 1-0 से हराया।

मियामी स्टेडियम में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने 29वें मिनट में गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम के बाद डर्लो डुआर्टे ने 59वें मिनट में गोल स्कोर करके केप वर्डे को बराबरी पर ला दिया।

फिर एमिलियानो मार्टिनेज ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल करके एक बार फिर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई, लेकिन सिडनी लोपेज ने 13वें मिनट में गोल करके मैच को एक्स्ट्रा टाइम में धकेल दिया। 111वें मिनट में केप वर्डे के डिनये से ऑन गोल हो गया, इसी गोल ने मैच का नतीजा तय किया। अंतिम-16 का शेड्यूल देखिए...

केप वर्डे के 40 साल गोलकीपर वोजिन्हा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 बचाव किए। इनमें 5 सेव मेसी के प्रयासों पर रहे। उनकी बेहतरीन गोलकीपिंग की बदौलत वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रही केप वर्डे ने मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को आखिरी मिनटों तक कड़ी टक्कर दी। मेसी इस टूर्नामेंट में अब 7 गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एमबाप्पे (6 गोल) से एक गोल आगे हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वाधिक गोल के अपने रिकॉर्ड को भी और मजबूत कर लिया।

इजिप्ट ने ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला शूटआउट से हुआ।

खेले गए मैच में इजिप्ट ने इजिप्ट ने 13वें मिनट में इमाम अशूर के हेडर गोल से बढ़त बनाई। लेकिन, 55वें मिनट में डिफेंडर मोहम्मद हनी गलती से ऑन गोल कर बैठे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबले में बड़ी गलती की। उन्होंने पेनल्टी शूटआउट से ठीक पहले युवा गोलकीपर पैट्रिक बीच को बदल दिया। बीच ने मैच में कई बचाव किए। उन्होंने रामी राबिया के हेडर और मोहम्मद सलाह के प्रयास को भी नाकाम किया।

एक्स्ट्रा टाइम के आखिरी में मैदान पर आए अनुभवी गोलकीपर मैथ्यू रयान शूटआउट में इजिप्ट के चारों पेनल्टी शॉट नहीं रोक सके। महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और आखिर में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और आवर माबिल ही गोल कर सके। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैरी साउटर पहला पेनल्टी शॉट गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। 18 साल लुकास हैरिंगटन का शॉट भी क्रॉसबार से टकरा गया।

इजिप्ट के डिफेंडर मोहम्मद हनी एक ही वर्ल्ड कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज में बेल्जियम के खिलाफ भी अपनी ही टीम के खिलाफ गोल किया था।

ऑस्ट्रेलिया अब तक वर्ल्ड कप के तीनों नॉकआउट मुकाबले हार चुका है। टीम नॉकआउट में एक भी गोल नहीं कर सकी है। रेग्युलर टाइम में उसके दोनों गोल विरोधी टीम के आत्मघाती गोल से ही आए थे।

जॉन एरियास के शुरुआती गोल की बदौलत कोलंबिया ने घाना को 1-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। अब उसका मैच मंगलवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड से होगा। कैनसस सिटी में मैच की शुरुआत में कोलंबिया को बड़ा झटका लगा, जब स्ट्राइकर जॉन कॉर्डोबा ग्रोइन में चोट के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हो गए। उनकी जगह स्पोर्टिंग सीपी के फॉरवर्ड लुइस सुआरेज को उतारा गया।

14वें मिनट में डेनियल मुनोज ने सुआरेज को पास दिया। सुआरेज ने गोल के सामने सटीक क्रॉस खेला, जिस पर जॉन एरियास ने हल्का सा टच देकर गेंद को घाना के गोलकीपर लॉरेंस अटी जिगी के पास से नेट में पहुंचा दिया। यही गोल मैच का निर्णायक साबित हुआ।

शतरंज की सर्वोच्च संस्था फाइड ने क्रामनिक को एक साल के लिए सस्पेंड किया

लॉज़ेन (स्विट्ज़रलैंड), 4 जुलाई (एजेंसियां)। शतरंज की सर्वोच्च संस्था फाइड ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर एक साल का प्रतिबंध लगाया है। उन पर अमेरिकी ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की समेत कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त सबूत के चीटिंग के आरोप लगाने का दोष सिद्ध हुआ।

फाइड के अनुशासन पैनल ने कहा कि क्रामनिक ने सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर कई खिलाड़ियों पर चीटिंग के आरोप लगाए, लेकिन उनके समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए। पैनल ने इसे महासंघ के

अनुशासन और साइबर बुलिंग संबंधी नियमों का उल्लंघन माना।

क्रामनिक ने एसोसिएटेड प्रेस को भेजे ईमेल में कहा कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी लिखा कि उन्हें भरोसा है कि यह फैसला पलट जाएगा। साथ ही कहा कि अपनी प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए वे सभी कानूनी विकल्प अपनाएंगे।

मैक्सिको में इंग्लैंड टीम का विरोध होटल के बाहर हूटिंग, सुरक्षा बढ़ी

मैक्सिको सिटी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको से मैच से पहले इंग्लैंड टीम को मैक्सिको सिटी पहुंचते ही विरोध का सामना करना पड़ा। टीम होटल की लोकेशन लीक होने के बाद बड़ी संख्या में लोकल फैंस पहुंच गए। उन्होंने खिलाड़ियों की बस के पहुंचने पर हूटिंग व नारेबाजी की। संभावित व्यवधान को देखते हुए होटल के बाहर भारी पुलिस बल, दंगा-रोधी जवान और बैरिकेड्स तैनात किए गए हैं। टीम होटल पहुंचने पर प्रशंसकों ने 'मैक्सिको, मेक्सिको' के नारे लगाए। होटल के भीतर प्रवेश करते समय भी खिलाड़ियों को आवाजें लगाकर परेशान करने की कोशिश की गई। कप्तान हैरी केन भी इस दौरान प्रशंसकों की प्रतिक्रिया का सामना करते नजर आए।

पिछले मैच में मैक्सिको के फैंस ने इक्वाडोर के मैच से पटाखे, एयर हॉर्न, ढोल और तेज संगीत बजाकर खिलाड़ियों को परेशान किया गया था। इक्वाडोर फुटबॉल महासंघ भी शिकायत कर चुका है।

जोकोविच ने फेडरर के विंबलडन रिकॉर्ड की बराबरी की

105वां मैच जीता, 18वीं बार राउंड-4 में पहुंचे; अब सबालेंका-ओसाका की टक्कर

लंदन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराकर ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 105वीं जीत दर्ज की।

विंबलडन के इतिहास में अब सिर्फ मार्टिना नवरातिलोवा 120 जीत के साथ जोकोविच से आगे हैं। वहीं, महिला वर्ग में आर्यना सबालेंका और नाओमी ओसाका चौथे दौर में आमने-सामने होंगी।

39 साल के जोकोविच ने 25वीं वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। उन्होंने पहले दो सेट अपने नाम किए, लेकिन रिंडरकनेच ने तीसरा सेट 6-1 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। चौथा सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां जोकोविच ने जीत दर्ज की।

करीब तीन घंटे चले मुकाबले के अंतिम पॉइंट पर रिंडरकनेच के ड्रॉप शॉट को बचाने के लिए जोकोविच ने डाइव लगाई। दोनों खिलाड़ी कोर्ट पर गिर पड़े, लेकिन जोकोविच ने पॉइंट जीत लिया। उनकी जीत के बाद सेंटर कोर्ट पर मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाते नजर आए।

रिकॉर्ड की बराबरी के बाद जोकोविच ने हंसते हुए कहा, ' मैं रोजर के साथ 106वें मैच का प्रस्ताव रखता हूं। जो जीतेगा, रिकॉर्ड उसी का होगा।' उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कोर्ट पर इतिहास का हिस्सा बनना उनके बचपन के सपनों में शामिल था।

डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी को 6-4, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। पहले सेट में शुरुआती बढ़त लेने के बाद सिनर ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे सेट में ब्रूक्सबी ने उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी करते हुए सीधे सेटों में मुकाबला खत्म किया।

अब चौथे दौर में सिनर का सामना जापान के क्वालिफायर शिनतारो मोचिजुकी से होगा। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला है। चौथे दौर में पहुंचने वाला हर खिलाड़ी मजबूत होता है। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिकवरी और अगले मुकाबले की तैयारी पर है।

मोदी वैश्विक शांति के लिए दुनिया की एकमात्र उम्मीद : रामचंदर राव

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वैश्विक संघर्षों के बीच विश्व शांति के लिए एकमात्र आशा की किरण हैं। उन्होंने युद्ध की बजाय संवाद को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए विद्यार्थियों से शांति के दूत बनने का आह्वान किया। शनिवार को नचाराम स्थित एक स्कूल में आयोजित 'ग्लो पीस' अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि आज दुनिया कई देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्षों के बीच शांति के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी की ओर देख रही है। उन्होंने परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त करते हुए हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी का उल्लेख किया और कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि शांति की शुरूआत घर, स्कूल और समाज से होती है, तभी यह वैश्विक स्तर तक पहुंच सकती है। रामचंदर राव ने विद्यालय द्वारा इस सम्मेलन के आयोजन की सराहना की और बताया कि लगभग एक लाख पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री को भेजे जाएंगे, जिनमें से करीब 20,000 पोस्टकार्ड डीपीएस नचाराम के छात्रों द्वारा लिखे गए हैं।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रहेगी विशेष नजर : संजय जाजू

खाद्य सुरक्षा नियमों के सख्त पालन के निर्देश

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार मुख्य सचिव संजय जाजू ने राज्य में जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरे राज्य में खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने तथा मिलावटी खाद्य पदार्थों पर विशेष ध्यान देते हुए लगातार निरीक्षण करने का आदेश दिया। मुख्य सचिव संजय जाजू ने शनिवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि औषधि नियंत्रण (ड्रग कंट्रोल) और खाद्य सुरक्षा विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए ताकि खाद्य सुरक्षा मानकों का प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निरीक्षण तथा खाद्य गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इससे आम जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों मौजूदा विभागों को बेहतर समन्वय और कार्यकुशलता के लिए एक साझा मंच पर लाने संबंधी उपयुक्त प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर तैयार किए जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि इस प्रकार का एकीकरण विभागों को अपनी जिम्मेदारियों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सहायता करेगा। उन्होंने अधिकारियों को अन्य राज्यों में अपनाई जा रही सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का अध्ययन कर राज्य के लिए उपयुक्त कार्यान्वयन योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में राज्य में अब तक दर्ज किए गए मामलों, उनकी प्रगति, उपलब्ध स्टाफ तथा अन्य संबंधित विषयों की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पदेन विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद, सीएमओ के प्रधान सचिव शेषाद्रि एवं एन. श्रीधर, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव अहमद नदीम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) विजय कुमार, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंग्थू, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, स्वास्थ्य आयुक्त संगीता, ड्रग कंट्रोलर जनरल अविनाश मोहंती तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पांच दिनों में 67.45 लाख किसानों के खाते में 7,135 करोड़ जमा : तुम्मला

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से किए गए वादे को पूरा कर रही है और रिकॉर्ड स्तर पर 'रैतू भरोसा' निधि उनके खातों में जमा कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने 30 जून को निधि जारी करने के कार्यक्रम की शुरुआत के महज पांच दिनों के भीतर 67.45 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 7,135.77 करोड़ रुपये जमा करके एक और रिकॉर्ड बनाया है। शनिवार को एक बयान में मंत्री ने घोषणा की कि रैतू भरोसा योजना के पांचवें चरण के तहत 5 से 6 एकड़ कृषि योग्य भूमि के मालिक किसानों के बैंक खातों में 545.41 करोड़ सीधे जमा किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पांचवें चरण में राज्य भर के 1.69 लाख किसानों को रैतू भरोसा सहायता प्राप्त हुई है।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को अत्यधिक महत्व देता है तेलंगाना : श्रीधर बाबू

आईटी, वीएफएक्स और कौशल विकास में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

ली तारलामिस से हाथ मिलाते हुए उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया) विधान परिषद के सरकारी सचेतक ली तारलामिस ने शनिवार को सचिवालय में तेलंगाना के सूचना एवं प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू से मुलाकात कर एक व्यापक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को औपचारिक रूप देने का प्रस्ताव रखा। उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के तकनीकी, स्टार्टअप और रचनात्मक क्षेत्रों के बीच समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

गहन सहयोग के लिए निर्धारित प्रमुख क्षेत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियां, उन्नत विनिर्माण, शिक्षा, कौशल विकास, गेमिंग, विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) और एनिमेशन शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री श्रीधर बाबू ने तेलंगाना सरकार द्वारा राज्य को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने हेतु राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का रणनीतिक विकास कर रही है और इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को अत्यधिक महत्व देता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और विक्टोरिया के व्यवसायों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही स्थानीय उद्यमियों को अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। ली टार्लामिस ने तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्य के साथ काम करने में विक्टोरिया की रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष आपसी सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करेंगे और साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करेंगे। बैठक में सीएस संजय जाजू भी उपस्थित थे।

बीसी आरक्षण 42 प्रतिशत लागू करने की मांग

तेलंगाना सरकार से मजबूत कदम उठाने की अपील

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बीसी दल के अध्यक्ष दुंद्रा कुमारस्वामी ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदाय के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए व्यापक कदम उठाने की मांग की है।

ज्ञापन में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी रूप से लागू करने, बीसी उप-योजना के वैधानिक क्रियान्वयन, बीसी वित्त निगम को मजबूत बनाने, लंबित छात्रवृत्तियों और शुल्क प्रतिपूर्ति राशि के शीघ्र भुगतान, बीसी छात्रावासों एवं गुरुकुल संस्थानों के आधुनिकीकरण, कौशल विकास और रोजगार अवसरों के विस्तार तथा पारंपरिक व्यवसायों के संरक्षण की मांग शामिल है। इसके साथ ही बीसी समुदाय को सरकारी नामांकित पदों में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने तथा सभी बीसी कल्याण योजनाओं की निगरानी के लिए मुख्य सचिव के अधीन त्रैमासिक समीक्षा समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

दुंद्रा कुमारस्वामी ने कहा कि बीसी समुदाय ने तेलंगाना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर यादव संघम के नेता मणिकंठेश्वर यादव और वेंकट भी उपस्थित थे।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मुंबई के लोक भवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

तेलंगाना को अग्रणी पर्यटन स्थलों में स्थापित करेंगे : जूपल्ली

नीति आयोग द्वारा तेलंगाना पर्यटन मॉडल के समर्थन का स्वागत

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । पर्यटन, संस्कृति, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने तेलंगाना के पर्यटन और आतिथ्य सुधारों की नीति आयोग द्वारा की गई सराहना का स्वागत करते हुए इसे राज्य के प्रगतिशील नीतिगत ढांचे और निवेशक-अनुकूल शासन का एक महत्वपूर्ण समर्थन बताया है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना का हवाला देते हुए, जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना की 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' पहलों को मिली मान्यता राज्य द्वारा पर्यटन निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और आतिथ्य उद्योग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में खुद को स्थापित करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। रिपोर्ट में तेलंगाना के नीतिगत सुधारों पर प्रकाश डाला गया है, जिनमें होटल विकास नियमों का सरलीकरण, भूमि उपयोग में अधिक लचीलापन, सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रिया, बेहतर फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) प्रावधान, तर्कसंगत पार्किंग नियम और एक मजबूत सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम शामिल हैं। नीति आयोग ने अन्य राज्यों को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना के मॉडल का अध्ययन करने की भी सिफारिश की है। शनिवार को एक बयान में, जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में लागू किए गए इन सुधारों ने निवेशकों का विश्वास काफी बढ़ाया है और पर्यटन क्षेत्र में निजी भागीदारी को गति दी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पर्यटन नीति 2025-2030 ने पहले ही निवेशकों की उत्साहजनक रुचि पैदा कर दी है, जिससे पर्याप्त निवेश, रोजगार सृजन और सतत पर्यटन-आधारित आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मंत्री जी ने याद दिलाया कि नीति आयोग द्वारा तेलंगाना की पर्यटन क्षेत्र में उपलब्धियों को मान्यता देना यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी राज्य के पर्यटन स्थलों और सर्वोत्तम प्रथाओं को नीति आयोग की रिपोर्टों में स्थान मिल चुका है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' पहलों को मिली यह नवीनतम मान्यता पर्यटन क्षेत्र में पारदर्शी, सुधारोन्मुखी और निवेशक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को और अधिक पुष्ट करती है। जूपल्ली कृष्णा राव ने प्रगतिशील सुधारों को आगे बढ़ाने, पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने और निवेशकों के लिए सुगम्य संचालन सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से तेलंगाना पर्यटन और आतिथ्य निवेश के लिए भारत के सबसे आकर्षक स्थलों में से एक के रूप में और अधिक स्थापित होगा। नीति आयोग की सराहना तेलंगाना के लिए गर्व की बात है। यह हमारे सुधारवादी दृष्टिकोण और पर्यटन क्षेत्र में व्यापार सुगम बनाने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता की सफलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, हम एक मजबूत निवेश पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण जारी रखेंगे, राज्य की अपार पर्यटन क्षमता को उजागर करेंगे और तेलंगाना को देश के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में स्थापित करेंगे।

के. कविता को पार्टी का नाम बदलने के लिए निर्वाचन आयोग का निर्देश

15 दिन में तीन वैकल्पिक नाम देने को कहा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विभिन्न पक्षों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों के बाद के. कविता को अपनी राजनीतिक पार्टी तेलंगाना रक्षा सेना का नाम बदलने का निर्देश दिया है। आयोग ने उन्हें 15 दिनों के भीतर पार्टी के लिए तीन वैकल्पिक नाम प्रस्तुत करने को कहा है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने कविता को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब नहीं मिलने पर पार्टी के पंजीकरण के लिए किया गया आवेदन बिना किसी पूर्व सूचना के खारिज किया जा सकता है। कविता ने 25 अप्रैल 2026 को मेडचल में अपने नए राजनीतिक दल की शुरूआत की थी। प्रारंभ में पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना रखा गया था, लेकिन 28 अप्रैल को इसका नाम बदलकर तेलंगाना रक्षा सेना कर दिया गया।

पार्टी के गठन से पहले कविता ने फरवरी 2026 में निर्वाचन आयोग को पांच संभावित नामों का प्रस्ताव भेजा था। इनमें तेलंगाना प्रजा जागृति, तेलंगाना जागृति, तेलंगाना रक्षण सेना, तेलंगाना राष्ट्र जागृति और तेलंगाना प्रजा शक्ति शामिल थे। बाद में उन्होंने तेलंगाना रक्षा सेना नाम को अंतिम रूप दिया। निर्वाचन आयोग ने पहले प्रस्तावित नाम को सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित करने की अनुमति दी थी और स्पष्ट किया था कि अंतिम मंजूरी निर्धारित अवधि के दौरान प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद ही दी जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, कई लोगों ने पार्टी के नाम पर आपत्ति दर्ज कराई।

पॉक्सो मामले में जमानत का पुलिस ने किया विरोध

हाईकोर्ट में दाखिल किया जवाबी हलफनामा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने नाबालिग से कथित यौन उत्पीड़न के गंभीर मामले में आरोपी बंडी साई भागीरथ की नियमित जमानत याचिका का कड़ा विरोध करते हुए शुक्रवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय में जवाबी हलफनामा दाखिल किया। पुलिस ने अदालत से आरोपी की जमानत याचिका खारिज करने की मांग की है। पेट-बशीराबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर के. विजयवर्धन द्वारा आपराधिक याचिका संख्या 9986/2026 में दाखिल हलफनामे में बताया गया कि इस मामले में पेट-बशीराबाद पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 684/2026 दर्ज की गई थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 और 75 के साथ-साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 11 एवं 12 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां की शिकायत पर 9 मई 2026 को पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान शैक्षणिक अभिलेखों से यह पुष्टि हुई कि पीड़िता की उम्र 17 वर्ष है। मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आरोपों को और गंभीर मानते हुए पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(1) सहपठित धारा 6 तथा बीएनएस की धारा 64(2)(एम) भी जोड़ी गई। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपी बंडी साई भागीरथ ने वर्ष 2025 से पीड़िता को भावनात्मक रूप से प्रभावित कर उसके साथ लगातार यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के अनुसार, कथित घटनाएं पीड़िता के घर के पास स्थित श्रीराम गार्डन और नानकरामगुडा के गोल्फ एज अपार्टमेंट समेत कई स्थानों पर हुईं। उच्च न्यायालय में दाखिल जवाबी हलफनामे में पुलिस ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर प्रकृति का है और पीड़िता नाबालिग है। ऐसे में आरोपी को जमानत मिलने पर जांच प्रभावित होने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ और गवाहों पर दबाव पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इन्हीं आधारों पर अभियोजन पक्ष ने अदालत से आरोपी की नियमित जमानत याचिका निरस्त करने का अनुरोध किया है। मामले की सुनवाई तेलंगाना उच्च न्यायालय में जारी है।

मरम्मत कार्य से कई इलाकों में 24 घंटे जलापूर्ति रहेगी बाधित

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल स्थित अल्लाबंडा जलाशय में मरम्मत कार्य के चलते शहर के कई क्षेत्रों में 6 जुलाई की सुबह 6 बजे से 7 जुलाई की सुबह 6 बजे तक 24 घंटे जलापूर्ति बाधित रहेगी। हैदराबाद महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है। एचएमडब्ल्यूएसएसबी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अल्लाबंडा जलाशय के 10 एमएल क्षमता वाले जलाशय के इनलेट और आउटलेट पर लगे वाल्व में बड़े पैमाने पर जल रिसाव की समस्या को दूर करने के लिए 6 जुलाई की सुबह 6 बजे से वाल्व बदलने का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके कारण 24 घंटे तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

जलापूर्ति से प्रभावित क्षेत्रों में जिर्रा, इंदिरानगर, हरि दरगा, कुम्मारवाड़ी, टप्पाचबूतरा, आकाशपुरी, शिबली हिल्स, बिलाल मस्जिद के आसपास का क्षेत्र, गोडेकी कबर, जाली हनुमान, जांगुर बस्ती, अबुशताकिया, 2जे बस स्टॉप, जियागुडा, कारवान, सब्जी मंडी, गंगानगर, उस्मानिया, शिवलाल नगर, बरहम गली, गंगामाता, आजम गली, रहीमपुरा, पुरानापुल, चूड़ी बाजार, उस्मानिया अस्पताल के आसपास का क्षेत्र, शंकर बाजार तथा जुमेरात बाजार शामिल हैं। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने प्रभावित इलाकों के नागरिकों से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने और अनावश्यक बर्बादी से बचने की अपील की है।

विवेक ने पूर्व मुख्यमंत्री रोसैया को एक अनुकरणीय राजनेता बताया

राजनीति में ईमानदारी, प्रतिबद्धता और मूल्यों के प्रतीक थे रोसैया : पोन्नम

रवींद्र भारती में डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी, पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक बिरला इलैया, विधायक विनोद, पूर्व मंत्री टीजी वेंकटेश, पूर्व सांसद केवीपी रामचंद्र राव, वैश्य नगर निगम की अध्यक्ष कालवा सुजाता, वाणी प्रसाद (आईएएस) और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे।

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण, कारखाना, खान और भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने पूर्व अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री कोनिजेटी रोसैया को एक अनुकरणीय राजनेता बताया, जिनका जीवन और सार्वजनिक सेवा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मंत्री शनिवार को रवींद्र भारती में तेलंगाना सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग और कोनिजेटी रोसैया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिवंगत नेता की 93वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। डॉ. विवेक ने रोसैया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और सार्वजनिक जीवन में उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया। अनुभवी नेता के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए विवेक ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी के शासनकाल में विपक्ष के नेता के रूप में रोसैया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि रोसैया बजट प्रस्तावों का गहन अध्ययन करते थे, सार्वजनिक मुद्दों पर सरकारों को जवाबदेह ठहराते थे और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रचनात्मक सुझाव देकर आलोचना से आगे बढ़कर काम करते थे। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में, उनके पास राज्य की प्राथमिकताओं, कल्याण और विकास के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। डॉ. विवेक ने विद्युत संयंत्र के उद्घाटन के दौरान रोसैया के उदार समर्थन का भी जिक्र किया, जहां विरोध प्रदर्शनों के बावजूद, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया कि विकास परियोजनाओं को राजनीतिक मतभेदों के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए और इसमें शामिल सभी लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मंत्री ने रोसैया की प्रशासनिक कुशलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी ईमानदारी और लगन से शासन में उच्च मानदंड स्थापित किए। उन्होंने याद दिलाया कि रोसैया सचिवालय में देर रात तक काम करने और कोई भी निर्णय लेने से पहले हर फाइल की सावधानीपूर्वक जांच करने के लिए जाने जाते थे। वे जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने के बजाय, किसी भी प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले उसकी कानूनी वैधता और जनता के हित में लाभ का गहन मूल्यांकन करते थे।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रोसैया राजनीति में ईमानदारी, प्रतिबद्धता और मूल्यों के प्रतीक थे। पोन्नम प्रभाकर ने कहा, रोसैया की वित्तीय मामलों की गहन समझ और सार्वजनिक धन के उपयोग में उनकी दृढ़ आस्था ने उन्हें एक विशिष्ट नेता के रूप में स्थापित किया। रोसैया एक ऐसे नेता थे जिन्हें राजनीतिक मतभेदों से परे सभी पक्षों से सम्मान प्राप्त था। सरकारी सचेतक बिरला इलैया, विधायक विनोद, पूर्व मंत्री टीजी वेंकटेश, पूर्व सांसद केवीपी रामचंद्र राव, वैश्य नगर निगम की अध्यक्ष कालवा सुजाता, वाणी प्रसाद (आईएएस) और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे।

टीजीएसआरटीसी ने पूर्व मुख्यमंत्री रोसैया की 93वीं जयंती मनाई

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री कोनिजेटी रोसैया की 93वीं जयंती शनिवार को टीजीएसआरटीसी बस भवन में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर, टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक एम. राजशेखर ने दिग्गज नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और सार्वजनिक सेवा में उनके योगदान को याद किया। इस कार्यक्रम के दौरान, राजशेखर ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल दोनों पदों पर रोसैया के असाधारण योगदान की प्रशंसा करते हुए उनकी सेवा को यादगार और अनुकरणीय बताया। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में रोसैया के उल्लेखनीय कार्यकाल पर प्रकाश डाला, जहां उन्होंने लंबे समय तक सेवा की और कई राज्य बजट प्रस्तुत किए। राजशेखर ने इस बात पर जोर दिया कि रोसैया की वित्तीय जिम्मेदारी, वित्तीय सूझबूझ और प्रशासनिक कौशल वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि रोसैया द्वारा अपने कार्यकाल में लिए गए प्रभावशाली निर्णय और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को आने वाले वर्षों तक सराहा जाएगा। कार्यक्रम में आरटीसी की वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (एफए एवं सीएओ) विजया पुष्पा, मुख्य यांत्रिक अभियंता (सीएमई) जानी रेड्डी, मुख्य सिविल अभियंता (सीसीई) कविता, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.